वर्ष 69 ▸ अंक 144 ▸ पृष्ठ 12+8= 20
भोपाल, शनिवार 21 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 04, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸ मूल्य 7 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा (ऐच्छिक)

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"कल के लिए सबसे अच्छी तैयारी यही है कि आप आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।
-अज्ञात

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को गैरकानूनी घोषित किया, राष्ट्रपति ने 10% और टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ट्रंप को टैरिफ लगाने का कानूनी अधिकार नहीं है। ट्रंप का दुनिया के देशों पर लगाया गया टैरिफ गैरकानूनी है। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्रेसिडेंट ट्रंप ने नेशनल इमरजेंसी के लिए रखे गए कानून का इस्तेमाल करके बड़े टैरिफ लगाकर अधिकार का उल्लंघन किया। अदालत ने कहा कि कानून 'प्रेसिडेंट को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता।'

चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स के 6-3 के फैसले में कोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप ने बड़े पैमाने पर इंपोर्ट टैक्स लगाने के लिए इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) का इस्तेमाल कर अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया। 1977 में बना यह कानून, प्रेसिडेंट को नेशनल इमरजेंसी के दौरान कॉमर्स को रेगुलेट करने की इजाजत देता है, लेकिन इसमें टैरिफ का साफतौर पर जिक्र नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में लिखा 'राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने की अपनी खास ताकत के दावे को सही ठहराने के लिए कांग्रेस से मिली साफ मंजूरी दिखानी होगी।' अदालत ने कहा-वह ऐसा नहीं कर सकते। राष्ट्रपति ने टैरिफ को सही ठहराने के लिए युद्ध के समय की इमरजेंसी शक्तियों का हवाला दिया, लेकिन कोर्ट ने कहा, युद्ध के समय की शक्तियां टैरिफ के लिए आईईईपीए के इस्तेमाल को सही नहीं ठहरातीं है। राष्ट्रपति के पास शांति काल में टैरिफ लगाने का कोई स्वाभाविक अधिकार नहीं है।

ट्रंप के आक्रामक नीति को करारा झटका: इस फैसले ने ट्रंप के दूसरे टर्म के इकोनॉमिक एजेंडा के एक अहम हिस्से को कमजोर कर दिया है। यूएस सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का दुनियाभर में असर पड़ सकता है। ट्रंप ने दूसरी पारी में आक्रामक विदेश, व्यापार नीति को फॉलो किया और टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। ट्रंप के इस पॉलिसी से ग्लोबल ट्रेड वॉर की दिशा बदल गई। इसी कानून का इस्तेमाल कर ट्रंप ने भारत, चीन, मेक्सिको समेत दुनिया के कई देशों पर हैवी टैरिफ लगाए। इसके जरिए ट्रंप ने दुनिया के देशों से अरबों डॉलर वसूले। ■ शेष पृष्ठ 9 पर
(अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी- पेज-9 पर)

विदेशी ताकतों के आगे झुका सुप्रीम कोर्ट, जज देश के लिए कलंक : ट्रंप

सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ रद्द करने के फैसले के 3 घंटे के अंदर राष्ट्रपति ट्रंप ने फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने कहा, यह बहुत निराशाजनक है। उन्हें कोर्ट के कुछ जजों पर शर्म आ रही है। वे देश के लिए कलंक हैं, उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने 10 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ का भी ऐलान किया। ट्रंप ने यह टैरिफ सेक्शन 122 का हवाला देते हुए लगाया है। इस नियम के तहत अधिकतम 15 फीसदी तक ग्लोबल टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन सिर्फ 150 दिनों के लिए। इसका इस्तेमाल बड़े व्यापार घाटे से निपटने के लिए किया जा सकता है। ट्रंप ने कहा, यह निर्णय अमेरिकी हितों के खिलाफ है और विदेशी देशों को हौसला देगा। ट्रंप ने कहा, वे व्यापारिक एजेंडे से पीछे नहीं हटेंगे। विदेशी देश बहुत खुश हैं, लेकिन उनकी खुशी लंबे समय तक नहीं रहेगी। हम अब और मजबूत दिशा में कदम उठाएंगे और व्यापार नीति में कड़ा रुख अपनाएंगे। ट्रंप ने फैसले को निराशाजनक, शर्मनाक बताते हुए कहा कि कुछ जजों ने विदेशी ताकतों के दबाव में आकर उनके आपातकालीन अधिकारों का इस्तेमाल रोक दिया। मुझे किसी भी देश के साथ सभी व्यापार बंद करने का अधिकार है। मुझे एम्बार्गो लगाने की अनुमति है। मैं जो चाहूं वो कर सकता हूं, लेकिन कोर्ट कह रहा है कि मैं पैसे (टैरिफ) नहीं वसूल सकता। अब मैं और भी मजबूत दिशा में आगे बढ़ूंगा। ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा, भारत से जल्द ही डील होने वाली है। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।

भारत और अन्य देशों को लौटाने पड़ सकते हैं 200 अरब डॉलर

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 की मेजॉरिटी से ट्रंप के टैरिफ को गैरकानूनी कहा है, लेकिन इससे एकत्र रकम पर कोई आदेश नहीं दिया। ऐसे में अरबों की रकम क्या भारत समेत उन देशों को लौटाई जाएगी, जिनसे टैरिफ के नाम पर यह हासिल की गई है। बीते साल 14 दिसंबर तक अमेरिका की फेडरल सरकार ने 3,01,000 से ज्यादा अलग-अलग इंपोर्टर्स से टैरिफ को चुनौती देकर जमकर कमाई की। आंकड़ों पर नजर डालें, तो बीते साल 2025 में इससे आया रेवेन्यू 200 अरब डॉलर के आस-पास रहा।

यह जानकारी यूनाइटेड स्टेट कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन डेटा और एजेंसी की ओर से यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में जमा की गई फाइलिंग से मिली है। जस्टिस ब्रेट कैवनॉ ने कहा कि कोर्ट ने इस बारे में कुछ नहीं कहा कि सरकार को इंपोर्टर्स से एकत्र किए अरबों डॉलर वापस करने चाहिए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 200 अरब की रकम पर कोई निर्देश नहीं दिया है। माना जा रहा है कि इस सवाल को निचली अदालतों को सुलझाना होगा। कैवनॉ ने माना कि रिफंड में गड़बड़ी की संभावना है। टैरिफ से जमा रकम के रिफंड का मुद्दा इस पूरे मामले में छाया हुआ है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि संभावित रीपेमेंट के अमेरिकी इकोनॉमी पर खतरनाक नतीजे हो सकते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि अमेरिका की ओर से दुनियाभर के देशों को पैसा लौटाए जाने की बात कहना फिलहाल जल्दीबाजी होगी।

ऑफ बीट

भारत-पाक मैच ने तोड़े व्यूअरशिप के रिकॉर्ड

भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले ने व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच को 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा। यह टी20 फॉर्मेट में किसी भी आईसीसी इवेंट के लिए एक मैच की सबसे ज्यादा रीच है। यह मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच को 20 बिलियन मिनट देखा गया है। इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 2024 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच को भी पीछे छोड़ दिया है। यह फाइनल मैच भारत-द.अफ्रीका के बीच खेला गया था। मोबाइल पर यह मैच लीग स्टेज का सबसे ज्यादा देखा गया मुकाबला बना। सभी प्लेटफॉर्म मिलाकर कुल 20 अरब मिनट का वॉच टाइम रिकॉर्ड हुआ, जो पिछले संस्करण की तुलना में 42 फीसदी ज्यादा है। 2024 के भारत-पाकिस्तान मैच की तुलना में भी डिजिटल रीच में 56 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान

समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश के लिए फिर शुरू हुई वीजा सर्विस

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और बांग्लादेश के बीच बेहतर होते रिश्तों के बीच दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा सुविधा दोबारा शुरू कर दी है। दिसंबर के आखिरी हफ्ते में दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव की वजह से वीजा सेवाओं को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। अब नई सरकार के गठन के बाद रिश्तों में सुधार की उम्मीद जताते हुए हाई कमीशन ने शुक्रवार से सभी श्रेणियों के वीजा के लिए काउंसलर सर्विस खोल दी है। सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश जाने की ख्वाहिश रखने वाले हर भारतीय को दिल्ली दूतावास से हर तरह की वीजा सुविधाएं मिल सकेंगी। इस कदम को दोनों देशों के बीच सामान्य होते संबंधों और कूटनीतिक स्थिरता की दिशा में एक बड़े और अहम कदम के रूप में देखा जा रहा है।

उप्रः इंजीनियर और पत्नी को फांसी की सजा

बांदा, जेएनएन। उप्र के बांदा कोर्ट ने शुक्रवार को बच्चों का यौन शोषण करने वाले पति-पत्नी को फांसी की सजा सुनाई। ये दोनों बच्चों का यौन शोषण करते थे और अश्लील वीडियो-फोटो बनाकर डार्क वेब के जरिए विदेशों में बेचते थे। फैसला देते समय पॉक्सो कोर्ट के जज प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा- दोनों पति-पत्नी को मरते दम तक फंदे पर लटकाए रखा जाए। इससे पहले कोर्ट ने 18 फरवरी को दोनों को दोषी ठहराया था। पति रामभवन सिंचाई विभाग का इंजीनियर था, जबकि पत्नी दुर्गावती हाउस वाइफ थी। सीबीआई ने रामभवन को 18 नवंबर, 2020 को अरेस्ट किया था। वहीं, दुर्गावती को गवाहों पर दबाव डालकर समझौता कराने का दोषी पाया गया था।

वोटर लिस्ट स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनः ममता सरकार और केंद्रीय चुनाव आयोग के बीच भरोसे की कमी, सुप्रीम कोर्ट ने दिया असाधारण आदेश

पं. बंगाल में न्यायिक अधिकारियों की देखरेख में होगा एसआईआर का काम

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल सरकार और भारत के चुनाव आयोग (ईसी) के बीच 'भरोसे की कमी' को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राज्य में वोटर रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में दावों और आपत्तियों के फैसले के लिए ज्यूडिशियल ऑफिसर्स को अपॉइंट करने का निर्देश दिया। इस प्रोसेस में ज्यूडिशियल ऑफिसर्स को इलेक्टोरल रजिस्टर ऑफिसर्स (ईआरओ) का काम करना है। कोर्ट ने यह कदम इस विवाद को देखते हुए उठाया कि क्या राज्य ने ईसीआई को ईआरओ के तौर पर काम करने के लिए एसडीएम रैंक के काफी ग्रुप बी ऑफिसर्स दिए।

राज्य ने ईसीआई के अपने द्वारा अपॉइंट किए गए माइक्रो-ऑब्जर्वर और स्पेशल रोल ऑब्जर्वर पर निर्भर रहने पर भी आपत्ति जताई। ऑर्डर में बेंच ने कहा कि 'एक दुर्भाग्यपूर्ण ब्लेम गेम' और 'आरोप-प्रत्यारोप' चल रहे थे, जिससे पता चलता है कि दो संवैधानिक संस्थाओं, यानी लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई राज्य सरकार व चुनाव आयोग के बीच भरोसे की कमी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस पंचोली की बेंच ने कहा, डॉक्यूमेंट्स की असलियत और वोटर लिस्ट में शामिल करने/बाहर करने के फैसले में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, और जैसा कि दोनों पक्षों ने सहमति जताई, हमारे पास कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा है कि वे मौजूदा न्यायिक अधिकारियों के साथ एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज या डिस्ट्रिक्ट जज के रैंक के कुछ पूर्व न्यायिक अधिकारियों को भी छोड़ दें, जिनसे 'लॉजिकल अंतर' की कैटेगरी के तहत पेंडिंग दावों पर फिर से विचार करने/निपटाने का अनुरोध किया जा सकता है। ऐसे हर न्यायिक अधिकारी/पूर्व न्यायिक अधिकारी को ईसीआई के माइक्रो ऑब्जर्वर व राज्य के अधिकारी मदद करेंगे, जिन्हें पहले से ही ऐसे कामों के लिए तैनात किया गया।

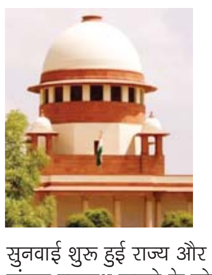

फाइनल लिस्ट पब्लिश करने की दी इजाजत

कोर्ट ने वोटर्स की फाइनल लिस्ट, जहां तक प्रोसेस पूरा हो गया, 28 फरवरी की तय तारीख को पब्लिश करने की इजाजत दी। कोर्ट ने कहा कि ईसीआई फाइनल तारीख के बाद सप्लीमेंट्री लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि कलेक्टर और एसपी को पेंडिंग प्रोसेस को आसानी से पूरा करने के लिए ज्यूडिशियल ऑफिसर्स और टीम को मदद और सभी लॉजिस्टिक सपोर्ट देना होगा। कलेक्टर और एसपी समय-समय पर जारी किए जा सकने वाले निर्देशों का पालन पक्का करने के मकसद से डीम्ड डेप्युटेशन पर रहेंगे। जैसे ही सुनवाई शुरू हुई राज्य और पश्चिम बंगाल ने एसआईआर ड्यूटी के लिए ग्रुप बी ऑफिसर्स की काफी संख्या उपलब्ध कराने के कोर्ट के पिछले निर्देश का राज्य द्वारा पालन करने पर विवाद उठाया।

मप्र ऐसा राज्य जिसमें एआई हब बनने की क्षमताः सीएम

दिल्ली में सीएम का ऐलान-प्रदेश में लॉन्च होगा एआई स्टेट मिशन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है, जिसमें एआई का हब बनने की क्षमता है। जल्द राज्य में स्टेट एआई मिशन लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और आम नागरिक तक योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

डॉ. यादव शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम् में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के समापन सत्र में भाग लेने के उपरांत संवाददाताओं से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा, कोई भी नई तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानवता के हित में अवसरों से भरपूर और कारगर हो। हमें एआई को नवाचार के साथ सबके विकास, सामाजिक समरसता, सुशासन और देश-प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साधन के रूप में अपनाना होगा। सरकार जल्द स्टेट एआई मिशन लॉन्च करेगी, जो शासन प्रणाली, सार्वजनिक सेवाओं और आर्थिक अवसरों को तकनीक आधारित रूप में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। सरकार प्रदेश की समृद्धि के लिए सभी चुनौतियों से उबरकर तेज गति से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें मप्र भी अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है। मप्र, भारत का 5वां बड़ा राज्य है। जहां चिकित्सा क्षेत्र में एआई की मदद से सही समय पर बीमारियों की पहचान और उनका निदान एवं सुदूर अंचलों तक बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में काम किया जा रहा है।

निवेशकों को दिया न्यौता

सीएम ने वैश्विक टेक कंपनियों से वन-टू-वन संवाद कर उन्हें निवेश के लिए न्यौता भी दिया। एनवीडिया की उपाध्यक्ष (ग्लोबल एआई इनिशिएटिव्स) कैलिस्टा रेडमंड से पीपीपी की स्थापना, स्टार्टअप्स को सब्सिडी दरों पर जीपीयू उपलब्ध कराने, स्थानीय साझेदारों को सशक्त बनाने सहयोग तंत्र विकसित करने और तकनीकी टूल्स, संसाधन, लाइब्रेरी उपलब्ध कराने पर चर्चा की। एलएलएम मॉडल, सॉवरेन एआई की दिशा में सहयोग, एनवीडिया के फ्लैगशिप कार्यक्रम में आमंत्रण पर भी चर्चा की। उन्होंने के-जन एआई की श्रुति वर्मा से विवि, कॉलेजों में क्षमता निर्माण, गेम जैम आयोजन, गेम डेवलपमेंट, एआई में अपस्किलिंग, मप्र के अटल प्रोजेक्ट से कनेक्टिविटी और इंदौर में स्टूडियो स्थापना के विषय पर चर्चा की।

24 को कांग्रेस सम्मेलन खरगे और राहुल आएंगे

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य विधानसभा में तमाम मुद्दों को लेकर सरकार को घेर रही कांग्रेस 24 फरवरी को भोपाल में बड़ा सम्मेलन करेगी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शामिल होंगे। कांग्रेस अमेरिकी से होने वाली ट्रेड डील के खिलाफ मुखर है, जिसे लेकर देशभर में प्रदर्शन और सम्मेलन किए जाने है, जिसकी शुरुआत भोपाल से होगी। बजट सत्र में कांग्रेस सत्तापक्ष को घेरने की हरसंभव कोशिश कर रही है, वहीं अमेरिका डील को लेकर केंद्र को घेर रही है, जिसे कांग्रेस मुद्दे के तौर पर देशभर में ले जाना चाहती है। 24 फरवरी को दोपहर 12:30 से होने वाले कांग्रेस के सम्मेलन में प्रदेशभर से किसान शामिल होंगे। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, डील से सबसे ज्यादा किसान प्रभावित होंगे। किसानों के हितों की लड़ाई को राहुल और खरगे के नेतृत्व में बढ़ाया जाएगा।

मल्लिकार्जुन खरगे

राहुल गांधी

प्रदेश में बदलेंगे भूमि फ्री होल्ड के नियम लोगों को राहत देने तीन माह में नई नीति

मंत्री विजयवर्गीय ने सदन में की घोषणा, पीढ़ियों से रह रहे लोगों को नहीं छोड़ना पड़ेगा घर

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। अपनी पीढ़ियों पुरानी लीज की जमीन बेचने या ट्रांसफर करने पर अपराधिक प्रकरणों की जद में आए लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार ऐसे लोगों को राहत देने लीज नवीनीकरण के नए नियम बनाने जा रही है, ताकि किसी को बेघर किए बिना लीज नवीनीकरण का रास्ता निकाला जाए। नई नीति बनाकर नियमों की विसंगतियां भी दूर कर दी जाएंगी।

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा में शुक्रवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा, प्रदेश के कई जिलों में लीज नवीनीकरण के पुराने नियमों के कारण कई परिवार संकट में आ गए हैं। कुछ जिलों में तो लीज स्थानांतरित करने से परिवारों पर आपराधिक प्रकरण तक दर्ज हो गए हैं। विजयवर्गीय ने जबलपुर के भाजपा विधायक अभिलाष पांडेय, कांग्रेस विधायक डॉ. हिरालाल अलावा के प्रश्नों के जवाब देते हुए यह बात कही। मंत्री ने माना कि लीज नवीनीकरण की शर्तों के कारण भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों के साथ ही झाबुआ, थांदला, मनावर कुक्षी सहित प्रदेश के छोटे-बड़े शहरों में लोग परेशान ■ शेष पृष्ठ 9 पर

'आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ फ्री होल्ड'

जबलपुर कैंट के विधायक अभिलाष पांडे ने फ्री होल्ड का मुद्दा उठाते हुए कहा, शहर के लगभग चार वार्डों में लीज की जमीन को फ्री होल्ड करने का आश्वासन 24 मार्च 2025 को सदन में दिया गया था, लेकिन अभी तक एक भी प्लॉट फ्री होल्ड नहीं किया गया, जबकि मनावर विधायक अलावा ने वार्ड 5 में शासकीय जमीन खुर्द-बुर्द करने का मामला उठाते हुए नगर पालिका के दोषी सीएमओ सहित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की थी।

रास चुनाव को लेकर दबाव की चर्चा

कटारे ने दिया उपनेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र कांग्रेस विधायक दल के उपनेता हेमंत कटारे ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसकी वजह व्यक्तिगत पारिवारिक बताई है। चर्चा यह भी है कि बीते दिन पूर्व सीएम कमलनाथ की डिनर पार्टी में राज्यसभा चुनाव के मुद्दे पर हुई चर्चा के दौरान किसी बात को लेकर कटारे नाराज हुए थे। विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत काटरे शाम 4 बजे तक सदन में मौजूद रहे। इसके थोड़ी देर बाद उनके द्वारा उपनेता प्रतिपक्ष के पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पास भेज दिया है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को भी कटारे ने इस्तीफे की प्रतिलिपि भेजी है। बताया गया है कि इस्तीफा भेजने के उपरांत कटारे परिवार सहित अटेर रवाना हो गए। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव डॉ. संजय कामले ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए बताया कि विधायक कटारे ने अपने इस्तीफे में पारिवारिक दायित्वों एवं समय ■ शेष पृष्ठ 9 पर

फैसला अशोकनगर के 200 साल पुराने गणेश मंदिर की 42 हेक्टेयर भूमि पर पुजारी का दावा खारिज, सरकार को मिला अधिकार

मंदिर की संपत्ति के मालिक देवता, पुजारी सिर्फ सेवकः हाईकोर्ट

ग्वालियर, जागरण। ग्वालियर हाईकोर्ट ने अशोकनगर स्थित 200 साल पुराने श्री गणेशजी मंदिर की कृषि भूमि पर राज्य सरकार का अधिकार घोषित कर दिया है। साल 2006 से लंबित एक महत्वपूर्ण द्वितीय अपील में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने निचली अदालतों के आदेश पलटते हुए मंदिर की जमीन को माफी औकाफ विभाग की संपत्ति माना और पुजारी के स्वामित्व के दावे को खारिज कर दिया।

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि मंदिर की संपत्ति देवता की होती है और पुजारी केवल उसका सेवक होता है। भूमि रिकॉर्ड में भी यह संपत्ति माफी औकाफ विभाग के नाम दर्ज है। सरकार ने स्पष्ट किया कि पुजारी का कार्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित है। यदि कोई पुजारी मंदिर की संपत्ति को अपनी निजी संपत्ति बताता है, तो यह अनुचित है। न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मंदिर और उससे जुड़ी संपत्ति राज्य सरकार में निहित रहेगी। मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी और पुजारी की नियुक्ति का अधिकार भी सरकार के पास होगा। यह मामला कुल 42 हेक्टेयर कृषि भूमि से संबंधित है, जो तीन गांवों- साडीता (35.003 हेक्टेयर), नागौदखेड़ी (4.922 हेक्टेयर) व मिस्टील (2.790 हेक्टेयर) में स्थित है। पुजारी की ओर से दावा किया गया था कि मंदिर और उसकी जमीन उनके पूर्वजों को लगभग 200 वर्ष पूर्व उत्तराधिकार में मिली थी, इसलिए यह एक निजी मंदिर है। इसी आधार पर निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि देवता एक कानूनी इकाई (लीगल पर्सन) हैं और संपत्ति उन्हीं की होती है।

मप्र में मंदिर की संपत्तियों पर अवैध कब्जे

ग्वालियरः जिले के लगभग 865 मंदिरों की 4,290 हेक्टेयर भूमि में से एक बड़ा हिस्सा भू-माफियाओं ने राजस्व विभाग की मिलीभगत से निजी नामों पर दर्ज करा लिया है। हाल ही में उच्च न्यायालय ने शिवपुरी के रेशम माता मंदिर की संपत्ति पर कब्जे की जांच के आदेश दिए हैं।

इंदौरः प्रशासन ने हाल ही में 150 करोड़ मूल्य की मंदिर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। इसके अतिरिक्त, मां बगलामुखी मंदिर की लगभग 200 करोड़ की विवादित जमीन भी सरकार ने वापस हासिल की है।

उज्जैनः अकेले उज्जैन जिले में 2,900 मंदिरों के पास लगभग 25,000 एकड़ भूमि है, जिसमें से अधिकांश पर कब्जे या अव्यवस्थित उपयोग की शिकायतें रही हैं।

विदिशाः 148 मंदिरों में से 43 के पास करीब 2,000 हेक्टेयर जमीन है, जिसमें से कई पर फर्जी ट्रस्ट बनाकर कब्जे की रिपोर्ट आई है।

बदनावरः एक रिपोर्ट के अनुसार, 577 मंदिरों की 1,500 एकड़ से अधिक भूमि पर पुजारियों या भू-माफियाओं का कब्जा या अतिक्रमण है।

जबलपुरः पुलिस स्टेशनों के भीतर अवैध रूप से निर्मित धार्मिक संरचनाओं और मंदिरों को लेकर उच्च न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है।

आगर मालवाः नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर की लगभग 200 करोड़ की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने 20 साल पुराने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किए गए दावों को खारिज कर प्रशासन को कब्जा हटाने का आदेश दिया था।

इंदौरः शहर के बड़े सरकारी मंदिरों की सैकड़ों एकड़ जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा कॉलोनियां और होटल बनाए जाने के मामले सामने आए हैं। हाल ही में प्रशासन ने करीब 150 करोड़ रुपये मूल्य की मंदिर भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया है।

अशोकनगरः ग्वालियर उच्च न्यायालय ने अशोकनगर के 200 साल पुराने श्री गणेश मंदिर की 42 हेक्टेयर कृषि भूमि पर पुजारी के निजी दावे को खारिज कर इसे सरकारी (माफी औकाफ विभाग) संपत्ति घोषित किया है।

जबलपुरः उच्च न्यायालय ने मझौली स्थित प्राचीन श्री विष्णु वराह मंदिर की भूमि पर हो रहे अतिक्रमण और राज्य सरकार की निष्क्रियता पर रिपोर्ट तलब की है।

52000 से अधिक सरकारी मंदिर

मध्य प्रदेश में लगभग 52,000 से अधिक सरकारी प्रबंधन वाले मंदिर हैं, जिनकी देखरेख और भूमि का प्रबंधन जिला प्रशासन के अधीन होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था कि मंदिर की भूमि का मालिक स्वयं 'देवता' होता है, पुजारी नहीं। कोर्ट ने सरकार के उस सर्कुलर को सही ठहराया जिसमें राजस्व रिकॉर्ड (खसरा-खतौनी) से पुजारियों के नाम हटाने और उन्हें केवल 'देखभालकर्ता' के रूप में दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद मप्र सरकार ने पुजारियों के नाम हटाने का आदेश दिया था। सरकार अब इन संपत्तियों का एक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कर रही है ताकि अतिक्रमण मुक्त भूमि का प्रबंधन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के माध्यम से बेहतर तरीके से किया जा सके।

मैहरः कांग्रेस के पुतला दहन में टीआई झुलसे

जागरण, सतना। कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन करते समय भड़की आग में ट्रैफिक टीआई झुलस गए। मैहर में शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान हादसा हुआ। घटना उस समय हुई, जब प्रदर्शनकारी पुतला दहन कर रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी।

विजयवर्गीय के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हादसा

प्रदर्शन प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ किया जा रहा था। दरअसल, विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ अपशब्द कहे थे।

पुतला दहन के दौरान टीआई विक्रम सिंह पाठक हालात संभालने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान आग अचानक भड़क गई और वे झुलस गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

वेटनरी डॉक्टर निलंबित संभागायुक्त का आदेश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नीमच जिले के रतनगढ़ में पदस्थ वेटनरी अधिकारी डॉ आरती रावत को तत्काल प्रबाव से सस्पेंड कर दिया गया है। उच्जैन के कमिश्नर आशीष सिंह ने शुक्रवार को मप्र सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत ये आदेश जारी किए हैं। डॉ आरती रावत पर बगैर सूचना के ड्यूटी से नदारद रहने, विभागीय कामों में रुचि न लेने, गौशाला नोडल अधिकारी के रूप में लापरवाही बरतने और सरकारी कामकाज के निर्वहन में उदासीनता दिखाने का आरोप है। पशु चिकित्सालय रतनगढ़ में पदस्थ डॉ. आरती रावत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर नीमच कलेक्ट्रेट में अटैच किया गया है। आदेश के अनुसार आरती रावत को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

भोपाल-नर्मदापुरम के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण 1 अप्रैल से

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लेखा प्रशिक्षण शाला भोपाल में नियमित लेखा प्रशिक्षण सत्र 1 अप्रेल से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलो के लिपिकों को निर्देशित किया गया है की वे अपने आवेदन-पत्र कार्यालय प्रमुख से प्रमाणित कराकर लेखा प्रशिक्षण शाला में 16 मार्च तक जमा करें।प्राचार्य लेख प्रशिक्षण शाला ने बताया कि वित्त विभाग के अनुसार वही लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी इसके लिए पात्र हैं, जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी है तथा जिन्होंने सीपीसीटी परीक्षा पास की हो या फिर नियमानुसार छूट प्राप्त हो। आवेदन-पत्र के साथ अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र की कापी देना होगी। वित्त विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय निकाय और अर्धशासकीय संस्थाओं के लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी है, वे भी लेखा प्रशिक्षण के लिए पात्र होंगे।

बरगी ने 39 दिन पहले हासिल किया लक्ष्य

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के रानी अवंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी ने शुक्रवार सुबह 2025-26 के वार्षिशक लक्ष्य 508.08 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन को हासिल कर लिया। यह उपलब्धि 39 दिन पहले ही मिल गई। नब्बे मेगावाट स्थापित क्षमता के बरगी जल विद्युत गृह का इस दौरान प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर 93 फीसदी रहा। 38 वर्ष पुराने बरगी जल विद्युत गृह ने 12 हजार घंटे से अधिक समेय तक किया बिजली उत्पादन किया। इस दौरान बरगी जल विद्युत गृह की पहली यूनिट ने 254.89 मिलियन यूनिट व दूसरी यूनिट ने 253.19 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया।

पेपर लीक की अफवाह पर होगी एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में कक्षा 3 से 8वीं तक की वार्षिक परीक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो गईं। परीक्षाओं में पारदर्शिता और नकल रोकने के लिए राच्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों को एडवायजरी जारी की है। शासन ने साफ कर दिया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की जाएगी। एडवायजरी में जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रश्न-पत्रों की प्रिंटिंग और वितरण के दौरान पूरी सतर्कता बरतें। विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे टेलीग्राम, व्हाट्सएप और यूट्यूब पर नजर बनाए रखें , जहां असामाजिक तत्व फर्जी पेपर या भ्रामक सामग्री साझा कर छात्रों को गुमराह करते हैं। राच्य शिक्षा केंद्र ने चेतावनी दी है कि परीक्षा से पहले प्रश्न-पत्र या उससे मिलती-जुलती कोई भी फर्जी सामग्री साझा करना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियमऔर भारतीय न्याय संहिता के तहत गंभीर साइबर अपराध की श्रेणी में आता है।

मंत्री जॉइनिंग तिथि बढ़ाने के दिए निर्देश

भोपाल । महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग प्रक्रिया में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों के समाधान के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि बढ़ाने एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में व्यावहारिक लचीलापन देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं।उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा चयनित पर्यवेक्षकों को 23 फरवरी 2026 तक ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेशानुसार ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया था। किंतु विभिन्न जिलों से अभ्यर्थियों द्वारा अवगत कराया गया कि मेडिकल बोर्ड सप्ताह में केवल एक दिन संचालित होता है।

दूषित पानी से मौतों पर गर्माया सदन विस अध्यक्ष ने स्थगन किया नामंजूर

▶▶ जिम्मेदारों को सीएम ने हटाया: विजयवर्गीय ▶▶ त्रासदी पर क्यों नहीं ले रहे जिम्मेदारी : सिंघार

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों का मामले पर पहले दिन से ही सदन में रह-रहकर चर्चा करना कांग्रेस को शुक्रवार को महंगा पड़ गया। प्रदेश के लिए कलंक बने इस मुद्दे पर काम रोककर चर्चा कराने पर अड़ी कांग्रेस के स्थगन को स्पीकर ने पहले हो चुकी चर्चा का हवाला देते हुए नियम विरूद्ध बता अस्वीकार कर दिया। इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया।

हंगामे के चलते सदन की कार्रवाई दस मिनट के लिए रोकना पड़ी। वहीं कांग्रेस के स्थगन की ग्राह्यता पर चर्चा में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहाकि यह हादसा इंदौर के लिए कलंक है। मगर हम इस दाग को धोकर ही मानेंगे। इंदौर स्वच्छता में नंबर एक है, था और आगे भी रहेगा। जबकि कांग्रेस के सदस्य इस मामले में नैतिकता के आधार पर विभागीय मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कांग्रेस के दर्जन भर सदस्यों ने इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों पर स्थगन के जरिए काम रोककर चर्चा कराने का आवेदन दिया था। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर ने नियम-परंपराओं का हवाला देते हुए इसकी ग्राह्यता पर शासन का पक्ष मांगा। राज्य शासन की ओर से नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय ने पक्ष रखते हुए अपनी पीड़ा के साथ सरकार द्वारा जिम्मेदारों पर की गई कार्रवाई, लोगों के इलाज, राहत व मुआवजे का हवाला देते हुए स्थगन पर चर्चा करने की जरूरत नहीं मानी। उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, भंवर सिंह शेखावत, लखन घनघोरिया, जयवर्धन सिंह, सचिन यादव, सोहन लाल वाल्मिकी, सुरेंद्र बघेल हनी ने विपक्ष की बात रखी। वहीं सत्तापक्ष के सदस्यों ने भी अपनी बात रखी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अध्यक्ष तोमर ने कहाकि बीते दिनों में कई प्रश्न कांग्रेस की ओर से पूछे गए हैं। जो रिकॉर्ड के रूप में पटल पर आ चुके हैं। इसमें मुख्यमंत्री का जवाब भी है। ऐसा मुद्दा जिस पर सदन में चर्चा हो चुकी हो, न्यायालय अथवा किसी जांच आयोग में विचाराधीन हो उस पर विधानसभा की नियमावली के नियम 55 के उपखंड 5 के अनुसार स्थगन प्रस्ताव में उस विषय पर चर्चा नहीं होगी। इसलिए यह स्थगन चर्चा के लिए मंजूर नहीं किया जा सकता। इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। नारेबाजी करने के साथ ही कांग्रेस के सदस्यों ने कार्रवाई में टोकाटाकी भी की। इसके चलते अध्यक्ष ने सदन की कार्रवाई 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी। नाराज कांग्रेस विधायकों ने सदन से बाहर आकर भी प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉ. सीताशरण शर्मा द्वारा उठाए गए व्यवस्था के प्रश्न पर भी दोनों पक्षों में जमकर तकरार हुई। नियम-कायदे एक दूसरे को बताए जाते रहे।

मैं चाहता तो कह देता प्रभारी मंत्री मुख्यमंत्री हैं, वे जानें: विजयवर्गीय

विपक्ष के स्थगन पर शासन का पक्ष रखते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री ने कहाकि यह घटना बेहद गंभीर और आत्मग्लानि वाली है। इस मामले में लोगों ने शिकायत की थी, महापौर ने टेंडर जारी कर दिए थे, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही से काम समय पर शुरू नहीं हो पाया। हमारे पास पैसा है, संसाधन भी है, बावजूद इसके दूषित पानी से 22 लोगों की जान चली गई। यह घटना इंदौर के लिए कलंक के समान है, जबकि इंदौर लगातार स्वच्छता में नंबर एक रहा है और यहां स्वच्छता को संस्कार का रूप दिया गया है। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने में इंदौर का सबसे बड़ा योगदान रहा है। इंदौर मेरी रग-रग में बसता है। मैं इंदौर को केवल शहर नहीं, बल्कि अपनी मां के समान मानता हूं। जब इंदौर की बदनामी होती है तो अंदर तक चोट पहुंचती है। यही वजह है कि मैं घटना सामने आते ही वहीं कुर्सी डालकर बैठा रहा। कार्यकर्ताओं और शहर के लोगों ने भी राहत में सहयोग किया। कांग्रेस के लोग भी खुलकर सामने आए और सभी ने लोगों को राहत दिलाने में सहयोग किया।

कर्ज से विपक्षी सदस्यों के यहां भी होते है विकास के काम: देवड़ा

सदन में बजट पर सामान्य चर्चा शुरु,देवड़ा ने दिया जवाब

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने जब भी ऋण लिया है,उसका उपयोग पूंजीगत मदों में किया गया है। विपक्षी सदस्यों के क्षेत्रों में भी विकास के कार्य इसी कर्ज के मद से कराए जा रहे है,ऐसे में उन्हें कुछ भी कहने से पहले अपने क्षेत्र के विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। विधानसभा में शुक्रवार को एक बाते वित्त विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट पर सामान्य चर्चा पर जवाब देते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूँजीगत व्यय, सरकार की हमेशा प्राथमिकता रही है। वर्ष 2026-27 में अधोसंरचना विकास में प्रभावी पूँजीगत परिव्यय 1 लाख करोड़ रूपये से अधिक होगा जो कीर्तिमान है। पूँजीगत परिव्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.8 प्रतिशत है। पूँजीगत परिव्यय वित्तीय वर्ष 2023-24 के व्यय रुपये 57 हजार 348 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान में रुपये 74 हजार 662 करोड़ हो गया है, यह वृद्धि 30 प्रतिशत से अधिक है। मैं, चाहता हूँ कि वर्ष 1993 से वर्ष 2001-02 तक पूँजीगत व्यय, कुल बजट का लगभग 5 प्रतिशत से लेकर अधिकतम 12 प्रतिशत तक रहा है, जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 20 प्रतिशत से अधिक ही रहा है।

यह सही है कि हमारी सरकार ने ऋण लिया है,जो वित्तीय संसाधनों का एक स्त्रोत है। हमारी सरकार के कार्यकाल में पूँजीगत व्यय ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचा है क्योंकि हमने जो ऋण लिया उससे सड़कें, स्कूल, अस्पताल, पेयजल व सिंचाई की परियोजनाएँ जैसी अधोसंरचनाएं निर्मित की हैं जो आगे के कई वर्षों तक प्रदेश की धरोहर रहेंगी और विकास में सहायक रहेंगी। देवड़ा ने कहा कि कोविड अवधि के वर्ष 2019-20 से 2020-21 को छोड़ दें तो सरकार निरंतर राजस्व आधिक्य में रही है। राजस्व आधिक्य का मतलब है कि राजस्व आय की तुलना में निरन्तर स्वरूप के राजस्व व्यय यानि कि वेतन, ब्याज भुगतान एवं संपत्तियों का रख रखाव आदि कम रहे हैं। राजस्व आधिक्य को किसी भी प्रदेश के स्वस्थ्य वित्तीय संकेतक के रूप में जाना जाता है। यह राजस्व आधिक्य की राशि भी पूँजीगत कार्यों में ही व्यय की है। विपक्ष को अवगत कराना चाहूंगा कि उनके क्षेत्र में भी सड़क, सिंचाई, बिजली, पेयजल, स्कूल व अस्पताल भवन जैसी संरचनाओं का निर्माण इन्ही कर्ज राशियों से होता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य क्या यह चाहेंगे कि उनके क्षेत्र में तथा प्रदेश में जनता की सुविधा वाले एवं विकास वाले कार्य नहीं किये जायें,क्योंकि उनके क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्य भी इसी तरह के ऋण से किए जाते है। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों से कहा कि वे यह आंकलन करें कि वर्ष 1993-94 से लेकर वर्ष 2002-03 की अवधि में निरंतर राजस्व घाटा रहा है। इसका स्पष्ट आशय यही है कि तत्कालीन सरकार ने ऋण लेकर वेतन भत्तों जैसी मदों में व्यय किया है।

भाजयुमो ने किया प्रदर्शन राहुल गांधी का फूंका पुतला

पीसीसी के सामने किया प्रदर्शन,नेता बोले राहुल मांगे माफी

विशेष संवाददाता, भोपाल। नई दिल्ली में एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेसियों द्वारा किए गे प्रदर्शन के विरोध में शुक्रवार को भोपाल में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा प्रदर्शन किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुलता दहन किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजयुमों कार्यकर्ताओं ने पीसीसी दफ्तर के सामने पहुंचकर राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नेताओं ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न प्रदर्शन और उसके पीछे की घृणित राजनीति के लिए देश की जनता से राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर, जहां सौ से अधिक देशों के प्रतिनिधि और विश्व की प्रमुख कंपनियों के सीईओ शामिल हुए, वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अर्धनग्न प्रदर्शन न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह देश की छवि को धूमिल करने वाला है।

औकात के बयान पर राजनीति शुरु प्रदेश भर में कांग्रेस का प्रदर्शन

विशेष संवाददाता,भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को लेकर दिए गए बयान पर प्रदेश भर में राजनीति शुरु हो गई है। कांग्रेस ने शुक्रवार को भोपाल सहित पूरे प्रदेश भर में मंत्री विजयवर्गीय का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेसियों की कई जगहों पर पुलिस के साथ झूमा-झटकी भी हुई। भोपाल में यूथ कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस दफ्तर के समीप मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बंगले का घेराव करने की कोशिश की। इस प्रयास में उनकी पुलिस कर्मियों के साथ जमकर झूमा-झटकी हुई। यहां कार्यकर्ताओं ने मंत्री विजयवर्गीय का पुतला दहन करने की कोशिश की। जमकर नारे बाजी और हंगामे को नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इसी तरह कोलार ब्लॉक कांग्रेस द्वारा विजयर्गीय के खिलाफ प्रदर्शन कर उनके पुतले का दहन करने की कोशिश की गई। कांग्रेसियों ने विजयवर्गीय के साथ उपमुख्यमंत्री शुक्ला और वरिष्ठ मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की भी मांग की।

पुलिस में रिपोर्ट कराने पहुंचे कांग्रेसी

इधर कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने अपने समर्थकों के साथ टीटी नगर थाना पहुंचकर कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ रिपोर्ट लिखे जाने का आवेदन दिया। उन्होंने कहा कि विजयवर्गीय का बयान से केवल नेता प्रतिपक्ष सिंघार का अपमान नहीं हुआ,बल्कि पूरे आदिवासी और दलित समाज इससे आहत हुआ है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मर्यादा भूलने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाही होनी चाहिए और उन्हें सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेंगी।

चिंता न करें किसान सीएम ने कलेक्टरों से मांगी जानकारी

जागरण, भोपाल। बेमौसम हुई बारिश से फसलों को हुए नुकसान को लेकर किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार रात ही सभी कलेक्टरों से नुकसान की पूरी जानकारी मांगी है। किसानों को कोई नुकसान हुआ है तो उसका आकलन कर भरपाई की उचित कार्रवाई की जाएगी। यह बात नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन में विपक्षी सदस्यों को जवाब देते हुए कही। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने प्रदेश में अचानक हुई बारिश पर चिंता जताते हुए किसानों की परेशानी सदन में उठाई थी। शेखावत का कहना था कि बीते दो दिनों में हुई अप्रत्याशित बारिश से गेहूं की फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। ऐसे में सरकार द्वारा गेहूं खरीदी के लिए तय मानकों के अनुसार किसानों की फसल खरीदी नहीं हो पाएगी और किसान परेशानी में आ जाएंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि तुरंत सर्वे कराया जाए और पटवारियों को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि केवल दो दिनों की बारिश में ही बड़ी मात्रा में फसल खराब हो गई है और किसान चिंतित हैं।

प्रदेश में प्राचार्यों के पांच हजार पद खाली, हाशिए पर स्कूलों का प्रबंधन

व्याख्याताओं को पदनाम देकर व्यवस्था संभालने की चल रही है तैयारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । प्रदेश में के पांच हजार स्कूलों में प्राचार्य के पद रिक्त बने हुए हैं। इससे उक्त स्कूलों का प्रबंधन हाशिए पर आ गया है। अप्रैल से नया सत्र शुरु होने वाला है, जिससे स्कूल शिक्षा विभाग की परेशानी जरुर बढ़ गई है।

प्राचार्यों के अभाव में विद्यार्थियों की अध्यापन व्यवस्था चौपट होने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। प्रबंधन बनाए रखने के लिए व्याख्याताओं को वरिष्ठता के आधार पर उच्च पदनाम देने की तैयारी चल रही है। क्योंकि पदोन्नति प्रतिबंधित है। अप्रैल से स्कूलों में नवीन शैक्षणिक सत्र शुरु होगा। इनमें से पांच हजार हायर सेकंडरी स्कूलों में पांच हजार प्राचार्यों के पद रिक्त हैं। प्राचार्यों के अभाव में स्कूलों का अकादमिक और प्रशासनिक प्रबंधन प्रभावित हो रहा है। स्कूलों के नीतिगत निर्णय, विकास कार्य और अन्य निर्णयों में नियमित प्राचार्य की जरूरत होती है।

प्रभारी प्राचार्य उक्त कार्य नहीं कर सकते हैं। वे सिर्फ चालू कार्यों की स्वीकृति दे सकते हैं। उक्त सभी स्कूलों की जिम्मेदारी प्रभारी प्राचार्य ही उठा रहे हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत हरेक हायर सेकंडरी स्कूल में नियमित प्राचार्य की नियुक्ति जरूरी है। शिक्षा नीति की टास्क फोर्स बैठक में मप्र शिक्षक संघ ने मुद्दे उठाकर बहस भी कर चुका है।

डेढ हजार व्याख्याता पदोन्नति के योग्य

प्रदेश में करीब डेढ हजार व्याख्याता प्राचार्य पदों पर पदोन्नति लेने की योग्यता रखते हैं। शेष पदों पर व्याख्याता के समकक्ष उच्च माध्यमिक शिक्षक भी पर्याप्त हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि शैक्षणिक सत्र शुरू होने पर अध्यापन की व्यवस्था दुरुस्त होना चाहिए। प्राचार्यों के अभाव में व्याख्याताओं और उच्च माध्यमिक शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देकर व्यवस्था बनाई जा सकती है। हालांकि पदोन्नति के संबंध में मामला सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित बना हुआ है।

कोर्ट के फैसले के अधीन रहेगी हिंदी विवि के प्रोफेसरों की परिवीक्षा अवधि

ठेंगडी शोध संस्थान में रखी गई कार्यपरिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। दंत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान में शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक रखी गई है। इसमें करीब चार बिंदुओं के एजेंडे पर निर्णय लिए गए। एजेंडे में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा 13 असिस्टेंट प्रोफेसर की परिवीक्षा अवधि समाप्त करना था। प्रोफेसरों की नियुक्ति के संबंध में प्रकरण सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित है। इसलिए ईसी सदस्यों ने परिवीक्षा अवधि समाप्त करने की कार्रवाई को कोर्ट के फैसले के अधीन कर दी है। यहां स्पष्ट किया गया कि हाईकोर्ट उनके खिलाफ कोई निर्णय देती है, तो उनकी परिवीक्षा अवधि को समाप्त नहीं माना जाएगा। उक्त भर्तियों में न केवल विकलांगों के लिए आरक्षित पदों की अनदेखी की गई, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित रोस्टर व्यवस्था का भी पालन नहीं किया गया। याचिकाकर्ता में राहुल रंजन और डीपी सिंह हैं।

" प्रो एलपी झारिया के डीन बनने से विवि में पीएचडी कराने की व्यवस्था शुरु हो सकेगी। 13 प्रोफेसरों की परिवीक्षा अवधि समाप्त कर दी है।

■ **प्रो देवआनंद हिंडोलिया**
कुलगुरु, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि

झारिया को नयी जिम्मेदारी

प्रतिनियुक्ति पर आये प्रो एलपी झारिया को समाज शास्त्र का डीन नियुक्त किया है। प्रो झारिया के डीन बनने से हिंदी विवि में पीएचडी का रास्ता जरुर खुल गया है। अब हिंदी विवि करीब 12 विषयों में पीएचडी करा पाएंगे। इसकी तैयारी भी शुरु कर दी गई है। अब हिंदी विवि यूजीसी नेट के माध्यम से पीएचडी की सीटों पर प्रवेश देगा। इससे वर्तमान में नियुक्त प्रोफेसर को चार-चार सीटें मिल जाएंगी।

वित्त में तीन सदस्य तय

वित्त समिति में ईसी के तीन सदस्यों को शामिल करने के लिए प्रोफेसर का चयन कर लिया गया है। इसमें दंत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान के निदेशक मुकेश मिश्रा, आदर्श मोतीलाल साइंस कालेज की प्रो अल्का प्रधान और ग्वालियर के राजिंद्र सिंह को शामिल किया गया है। राजिंद्र सिंह की सहमति आना शेष है।

समस्या — एक दर्जन से ज्यादा योजनाएं प्रभावित, केवल 6 अफसरों के भरोसे चल रहा मुख्यालय

अफसरों की कमी से जूझ रहा सामाजिक न्याय विभाग, प्रतिनियुक्ति पर बुलाए

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश का सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इन दिनों खुद दूसरे विभागों से मदद मांग रहा है। लाखों बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों के लिए एक दर्जन से च्यादा योजनाएं चलाने वाले इस महकमे में अधिकारियों की भारी कमी के चलते कामकाज जमकर प्रभावित हो रहा है। आलम यह है कि करोड़ों के बजट और दर्जनों कल्याणकारी योजनाओं के लिए विभाग के मुख्यालय में वर्तमान में महज 3 अधिकारी पदस्थ हैं। विभाग की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रशासनिक तालमेल और योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए अपर संचालक, उप संचालक और सहायक संचालक स्तर के लगभग एक दर्जन पद खाली पड़े हैं। इस कमी को दूर करने के

इन पदों के लिए मंगाए प्रतिनियुक्ति आवेदन

विभाग को वर्तमन में 9 और अफसरों की आवश्यकता है। इनमें अपर संचालक का 1 पद, संयुक्त संचालक के 2 पद, उप संचालक का 1 पद और सहायक संचालक के 5 पदों को जल्द भरना है। विभाग ने अन्य सरकारी महकमों के समकक्ष अफसरों से प्रतिनियुक्ति पर आने के लिए 27 फरवरी तक आवेदन बुलाए हैं। विभाग में संचालित कई प्रमुख योजनाएं इस समय अफसरों की कमी से प्रभावित हो रही हैं। मुख्यालय में अधिकारियों की कमी से अब न केवल नई योजनाओं को तैयार करने में दिक्कत आ रही है, बल्कि जिलों से आने वाली रिपोर्ट और बजट आवंटन की प्रक्रिया भी धीमी पड़ गई है।

हेडक्वार्टर में आयुक्त समेत महज तीन अफसर तैनात

विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर के पास ही दिव्यांगजन आयुक्त का भी चार्ज है। ऐसे में उनका च्यादा समय मुख्यालय के बजाय मंत्रालय में ही गुजरता है। इसके अलावा विभाग के हेडक्वार्टर में एक संयुक्त संचालक वित्त चंद्रशेखर बगौरा, उप संचालक डॉ. एसके पचौरी और 3 सहायक संचालक रामविलास सैमिल, अरुण जोशी और बलवान शाह उईके हैं। इन पांच अफसरों में से चंद्रशेखर बगौरा केवल वित्त संबंधी मामले देखते हैं और शेष सभी सरकारी योजनाओं के संचालन से लेकर विभागीय कामकाज, स्थापना, आरटीआई, शिकायत निवारण आदि अहम कामों के साथ विभागीय योजनाओं के संचालन की जिम्मेदारी इन्हीं चार अफसरों के कंधों पर है। सूत्रों के मुताबिक एक दर्जन से च्यादा योजनाओं और अन्य गतिविधियों के लिए यहां एक दर्जन से च्यादा अफसरों की आवश्यकता है।

विभाग चलाता है ये योजनाएं और केंद्र

पेंशन योजनाएं: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन सहित समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन।

विवाह सहायता: मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह और कल्याणी (विधवा) विवाह सहायता योजना।

दिव्यांग सशक्तिकरण : दिव्यांग छात्रवृत्ति, विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति, परिवहन भत्ता और कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना।

पुरस्कार एवं केंद्र: विवेकानंद नशामुक्ति पुरस्कार, इंदिरा गांधी समाज सेवा पुरस्कार और नशामुक्ति केंद्रों का संचालन।

अन्य: राष्ट्रीय परिवार सहायता, अंत्येष्टि सहायता और दिव्यांगों को उपकरण वितरण, वृद्धाश्रम

7 मार्च तक जारी रहेगा गेंहू का पंजीयन

विसं भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अब तक एक लाख 81 हजार 793 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। पंजीयन की कार्यवाही 7 मार्च तक जारी रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन जरूर करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का एमएसपी 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है। राजपूत ने बताया कि अभी तक इंदौर संभाग में 27 हजार 175, उज्जैन में 73 हजार 398, ग्वालियर में 3358, चम्बल में 1449, जबलपुर में 12 हजार 342, नर्मदापुरम में रीवा में 3242, किसानों ने पंजीयन कराया है।

नगर में आज

नायमैक 3.0
आईआईआईटी का वार्षिक टेक्नो-कल्चरल उत्सव
- **स्थान:** मैनिट सिविल ऑडिटोरियम
- **समय:** दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक

ओपासिटी26- रास्ते
सृजनात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रम
- **स्थान:** एनआईडी
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

दी भोपाल फिल्म फेस्टिवल
- **स्थान:** कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर
- **समय:** सुबह 10:30 बजे से

नाट्य समारोह
रेड फ्रॉक की स्क्रीनिंग और संवाद
- **स्थान:** लिटिल बैले ट्रुप
- **समय:** शाम 7:00 बजे

स्थापना समारोह
- **स्थान:** भारत भवन
- **समय:** शाम 6 बजे- आबिद हुसैन का सारंगी वादन
शाम 6.40 बजे - कविता तथा कहानी पाठ।

कला-शिविर
'वंदेमातरम'
- **स्थान:** सप्तवणी परिसर, सी-सेक्टर कोलार
- **समय:** सुबह 8:30 बजे से

रैगिंग लेने वाले पांच विद्यार्थी बीयू से निष्कासित, 6 माह तक रहेंगे बाहर

रैगिंग निरोधक दस्ते को विश्वविद्यालय सभी हॉस्टल का निरीक्षण करने की अनुशंसा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने गत सप्ताह बीयूआईटी के प्रथम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी की रैगिंग लेने पर इंजीनियरिंग के पांच विद्यार्थियों को छह माह के लिए निष्कासित कर दिया है। इसमें चतुर्थ वर्ष के ऋषि मिश्रा व कार्तिक कुशवाहा, द्वितीय वर्ष में हर्ष चतुर्वेदी व हर्ष तिवारी और तृतीय वर्ष के अहमद खान शामिल हैं। अब उक्त अवधि में पांचों विद्यार्थी अध्ययनरत संस्थान और हास्टल से बाहर रहेंगे। उक्त सभी विद्यार्थियों को हास्टल छोडने के लिए आदेशित कर दिया गया है। अब उक्त विद्यार्थी हास्टल परिसर में दिखाई देते हैं, तो बीयू प्रबंधन उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। बीयू प्रबंधन का कहना है कि बीयू परिसर में लगातार रैगिंग और मारपीट की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसलिए बीयू को विद्यार्थियों के खिलाफ सख्त कदम उठाना पड़ रहे हैं। सख्ती नहीं दिखाने पर विद्यार्थी नियंत्रण से बाहर होते हैं और सभी को परेशानी उठाना पड़ती है। छह फरवरी को जवाहर हास्टल में रहने वाले जूनियर विद्यार्थी ने यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर जवाहर होस्टल में रैगिंग लेने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें जूनियर विद्यार्थी ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि सीनियर और जूनियर साथ रहते हैं। यहां किसी को नहीं पता कि कब कोई विद्यार्थी आत्महत्या कर ले। हमारे सीनियर हमें बुरी तरह पीटते हैं और हमें ऐसे भयानक काम करने पर मजबूर करते हैं, जो कोई अपने दुश्मन से करने को नहीं कहेगा। कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। मेरे दोस्तों ने भी शिकायतें दर्ज हैं. लेकिन बीयू प्रबंधन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया है। मैं हास्टल की समस्याओं को शब्दों में पूरी तरह बयान नहीं कर सकता हूं। सीनियर विद्यार्थियों के साथ रहने में काफी समस्याएं हो रही हैं। जूनियर विद्यार्थी ने यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन में शिकायत करते हुए पांच सीनियर विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

रैगिंग निरोधक दस्ता करे निरीक्षण

बीयू में विवि स्तरीय रैगिंग निरोधक दस्ता बना हुआ है। इसमें संयोजक प्रो अच्छेलाल और सदस्यों में प्रो हेमंत खंडाई, अनिता धुर्वे, अंशुजा तिवारी, विनीता सिंह, प्रीतिवाल सोलंकी, कपिल सोनी, सीएस आर्मो, नारायण आमोद शामिल हैं। विद्यार्थियों ने कमेटी को बताया है कि यहां विवि स्तरीय रैगिंग निरोधक दस्ता नहीं आता है। हास्टल में नियुक्त किए अधीक्षक भी नदारद रहते हैं। जांच रिपोर्ट में कमेटी ने हर दूसरे दिन विवि स्तरीय रैगिंग निरोधक दस्ता को हास्टल का निरीक्षण करना चाहिए। हास्टल में उपस्थिति रजिस्टर पर विवि स्तरीय रैगिंग निरोधक दस्ता की एंट्री करने की अनुशंसा तक की गई है।

बीयू हास्टल की जमावट

हास्टल	वार्डन
मुंशी प्रेमचंद्र	नारायण जामोद
संजय गांधी	छोटेलाल सिंह आरमो
जवाहर	कपिल सोनी
इंदिरा गांधी	विनिषा सिंह
लक्ष्मीबाई	डॉ. प्रीतिवाल सोलंकी
निवेदिता	अनजूसा तिवारी

एंटी रैगिंग कमेटी

एंटी रैगिंग कमेटी में अध्यक्ष प्रो शशांक शेखर ठाकुर और प्रो हेमंत खंडाई को संयोजक हैं। सदस्यों में डॉ मोना पुरोहित, डॉ महेश थरानी, गिरीश उपाध्याय, राखी नंदवानी, दुर्गा मिश्रा, अभिलाषा चौरसिया, रमेश पांडे और प्रस्तुतकर्ता अधिकारी प्रो पवन मिश्रा हैं।

> हास्टल में विद्यार्थियों को नियंत्रित रखने के लिए प्रोफेसरों को जिम्मेदारी दी गई हैं। उनके द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रकरण में दोषी विद्यार्थियों पर सख्त कार्रवाई की गई है।
> ▪ प्रो समर सिंह, कुलसचिव, बीयू

मतदाता सूची का शुद्धिकरण

3.80 लाख नाम कटे, आज होगा नई सूची का प्रकाशन

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में मतदाता सची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य पूर्ण हो गया है और शनिवार को कलेक्टर भोपाल एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह नई मतदाता सूची जारी करेंगे। बता दें कि जिले की सातों विधानसभा सीटों से कुल 3,80,356 मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। एसआईआर कार्य शुरू होने से पहले जिले में मतदाताओं की कुल संख्या 21,25,908 थी, जो एसआईआर कार्य के बाद घटकर 17,45,552 रह गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया है कि जिन पात्र मतदाताओं के नाम किसी कारणवश कट गए हैं, वे इसे दोबारा जुड़वा सकते हैं। मतदाता ऑनलाइन (वोटर हेल्पलाइन ऐप या पोर्टल) और ऑफलाइन (बीएलओ के माध्यम से) आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार, नए नाम जुड़वाने की प्रक्रिया साल के 12 महीने चालू रहती है। इसके लिए आवेदक को जरूरी दस्तावेज जैसे निवास और आयु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

मतदाताओं की संख्या में आ गया बड़ा अंतर

पुनरीक्षण कार्य के दौरान पुरुष और महिला मतदाताओं की संख्या में बड़ा अंतर आ गया है। इसके अलावा भोपाल के कुछ विशेष इलाकों में रहने वाले 94 थर्ड जेंडर के नाम भी काट दिए गए हैं। अभियान की शुरुआत में पुरुष मतदाताओं की संख्या 10,89,403 थी, जो अब घटकर 8,88,583 रह गई है। इस तरह कुल 2,00,820 नाम काट दिए गए। इसी तरह महिला मतदाता की संख्या 10,36,339 से घटकर संख्या 8,56,897 पर आ गई है। इस तरह कुल 1,79,442 नाम काट दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

मेट्रो और पोल रिप्लेस्मेंट के कार्य चलते आज बजली गुल

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में चल रहे मेट्रो कंस्ट्रक्शन कार्य के चलते माता मंदिर और नेहरू नगर के आसपास की कालोनियों में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज पोल रिप्लेसमेंट और कवर्ड कंडक्टर कार्य के चलते बेंड ज्वाइंट, एमजॉय इंडस्ट्रीज, महालक्ष्मी विद्युत उद्योग, बीके इंडस्ट्रीज, वीके इंटरप्राइजेस, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, प्राची सेल्स, आरएस इंटरप्राइजेस, हर्ष पॉलीमर और आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक, आकांक्षा सेल्स प्रामेटर्स, सेक्टर एच, मंजीत फैब्रिकेटर्स और हॉली फेथ इंटरनेशनल, अभिषेक इंडस्ट्रीस, ट्रांसकोर टेक्नोलॉजी में भी सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। मेट्रो एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण के चलते एजी कालोनी, पीएंडटी कालोनी, संजय कॉम्पलेक्स, कर्मचारी भवन, बजरंग शादी हॉल, अग्रसेन भवन, प्लेटिनम प्लाजा, माता मंदिर , हर्षवर्द्धन नगर व नेहरू नगर, निराला नगर, द्वारकापुरी, वनिका, एकता मार्केट, आकृति गार्डन और आसपास सुबह 10.30 से दोपहर 3.30 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी।

वन मुख्यालय का 25 को घेराव करेंगे वन कर्मचारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। वन कर्मचारी प्रदेश में हो रहे वन कर्मचारी पर प्रांण घातक हमलो से सुरक्षा करने की विभाग से ठोस कार्रवाई की मांग को लेकर अगले सप्ताह वन मुख्यालय मे पीसीसीएफ हाफ का 25 फरवरी को दोपहर 12 बजे घेराव करेंगे तथा ज्ञापन सौपेंगे। मप्र वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि बुरहानपुर, खंडवा, ग्वालियर, शहडोल, सीधी और शमशाबाद में इसी सप्ताह वन कर्मचारी के ऊपर दर्जनों प्राण घातक हमले हुए हैं। उक्त हमले में दर्जनों वन कर्मचारी घायल हुए हैं। वन मुख्यालय के अधिकारियों ने वन कर्मचारी की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है ना ही सरकार ने संज्ञान मे लिया गया। वन कर्मचारी के ऊपर हुए हमला गंभीर विषय है। वन विभाग मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अधीन है फिर भी मुख्यमंत्री यादव ने भी किसी प्रकार का कोई करवाई नहीं की है। अब वन कर्मचारी की सुरक्षा के लिए वन कर्मचारियों को ही आगे आना पड़ेगा।

फ्लाइट मैनेजर ने फांसी लगाकर दी जान

जागरण, भोपाल। परवलिया थाना क्षेत्र में फ्लाइट मैनेजर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय उसकी पत्नी घर पर ही मौजूद थी। देर रात जब पत्नी की नींद खुली, तो उसने दूसरे कमरे में पति को फंदे पर लटका देखा। घटना गुरुवार- शुक्रवार की दरमियानी रात एक बजे की है। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस की शुरुआती जांच में पारिवारिक कारणों के चलते आत्महत्या करने की आशंका जताई गई है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय मुर्तजा हसन, पिता परवेज शांति एनक्लेव में रहता था। वह इंडिगो एयरलाइंस में फ्लाइट मैनेजर था। उसके पिता दुबई में नौकरी करते हैं, जबकि भाई पंजाब में काम करता है।

भोपाल एयरपोर्ट पर मिलेगा 4 घंटे फ्री वाई-फाई, देश के 39 हवाई अड्डों में शुरु

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। भोपाल से हवाई सफर करने वालों के लिए खुशखबरी है। अब यात्रियों को एयरपोर्ट पर चार घंटे तक मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर शुक्रवार से यात्रियों के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा शुरू कर दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से देश के 39 हवाई अड्डों के लिए इस मुफ्त सेवा का उद्घाटन किया है। इसनें भोपाल का राजा भोज विमानतल भी शामिल है। भोपाल एयरपोर्ट पर फ्री वाई-फाई के लिए अलग-अलग हिस्सों में 6 हाई-स्पीड पॉइंट लगाए गए हैं, ताकि यात्रियों को बिना रुकावट के इंटरनेट मिल सके। यात्रियों को कम से कम 1 एमबीपीएस की स्पीड दी जा रही है, जिससे वे फ्लाइट का इंतज़ार करते समय अपना काम कर सकें या मनोरंजन का आनंद ले सकें।

ओटीपी से करना होगा वेरिफिकेशन

एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि यात्री एयरपोर्ट पर मौजूद आधिकारिक वाई-फाई नेटवर्क को चुनकर और अपने मोबाइल नंबर से ओटीपी के जरिए वेरिफिकेशन कर इस फ्री सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। विदेशी यात्रियों के लिए विमानतल पर बने हेल्प डेस्क काउंटर से टोकन के जरिए इंटरनेट की सुविधा दी जाएगी। अगर किसी यात्री को वाई-फाई चलाने में कोई दिक्कत आती है, तो वह एयरपोर्ट पर बने इसी काउंटर से मदद ले सकता है। रामजी अवस्थी के अनुसार एयरपोर्ट प्रशासन यात्रियों को विश्वस्तरीय और सुरक्षित सुविधाएं देने के लिए लगातार काम कर रहा है।

शहर में बिना सत्यापन के सालों से चल रहे तौल-कांटे, पूरे दाम देने पर भी कम मिल रहा सामान

हर साल नापतौल विभाग की जांच के बाद सील लगवाने का नियम, शिविर के दौरान गायब हो जाते हैं दुकानदार

जागरण संवाददाता, भोपाल। नापतौल विभाग द्वारा शहर की विभिन्न मंडियों और हाट बाजारों में दुकान पर लगे तोल कांटों की जांच शुरू कर दी गई है। पहले दिन विभाग का अमला कार्रवाई करने के लिए करोंद स्थित गल्ला मंडी पहुंचा। सबसे पहले अमले ने पूरी मंडी के निरीक्षण के बाद पाया कि यहां के व्यापारियों द्वारा लगभग 2 हजार से तौल-कांटे उपयोग किए जा रहे हैं, लेकिन ज्यादातर व्यापारियों ने अपने तौल कांटे में सत्यापन नहीं कराया है। जिसके ग्राहकों तक सामग्री 50 ग्राम से लेकर 100 ग्राम तक कम पहुंच रही थी। पहले दिन अगले ने कार्रवाई करते हुए 19 तौल-कांटों की जांच करने के बाद 47 हजार 500 रुपए का जुर्माना किया और मंडी में तौल-कांटों के सत्यापन का शिविर लगा दिया। विभाग द्वारा कार्रवाई की शुरुआत करोंद गल्ला मंडी से शुरू की गई है, क्योंकि अधिकारियों को सबसे ज्यादा कम सामान देने की शिकायतें यहीं से मिल रही थीं और पहले भी कई बार दुकानदारों को समझाइश दी गई थी और कांटों के सत्यापन के लिए शिविर भी लगाया गया, लेकिन दुकानदारों ने कांटों के सत्यापन नहीं कराया। जिसके बाद अमले ने यह कार्रवाई की। बता दें कि पहले दिन बिना सत्यापन वाले 19 तौल-कांटों का उपयोग करने पर जुर्माना किया गया है, जिसके बाद सभी कांटों के सत्यापन की शुरुआत कर दी गई है। अधिकारियों के अनसुार इसके बाद शहर की हर मंडी और हाट बाजार में कार्रवाई होगी।

> नापतौल विभाग द्वारा हर साल मंडी में कांटों के सत्यापन के लिए शिविर लगाए जाते हैं, लेकिन दुकान संचालक शिविर के दिन गायब हो जाते हैं। इस कारण दल बल के साथ कार्रवाई की गई है, अभियान आगे भी जारी रहेगा।
> ▪ **नसीमुद्दीन**, उपनियंत्रक नापतौल

इन बाजारों में होगी कार्रवाई

नापतौल अमले के अनुसार आगे नवबहार सब्जी मंडी, टीटी नगर हाट बाजार, नेहरू नगर हाट बाजार, बिट्टन मार्केट हाट बाजार, भदभदा सब्जी मंडी, बागसेवनिया हाट बाजार और बरखेड़ा पठानी हाट बाजार सहित अन्य सब्जी मंडियों और फल की दुकानों पर कार्रवाई होगी। समय समय पर किराना बाजार और अन्य जगहों पर भी जांच की जाएगी और कांटों के सत्यापन के शिविर लगाए जाएंगे।

साल में एक बार सत्यापन

नापतौल विभाग के अधिकारियों के अनुसार हर दुकानदार को साल में एक बार तौल कांटे का सत्यापन कराना जरूरी है। सत्यापन के बाद कांटे पर सील लगा दी जाती है। अधिकारियों के अनुसार नापतौल विभाग द्वारा साल को चार भागों में बांटा जाता है, जिसके जनवरी से मार्च को ए, अप्रैल से जून को बी, जुलाई से सितंबर को सी और अक्टूबर से दिसंबर को डी कैटेगिरी में रखा गया है।

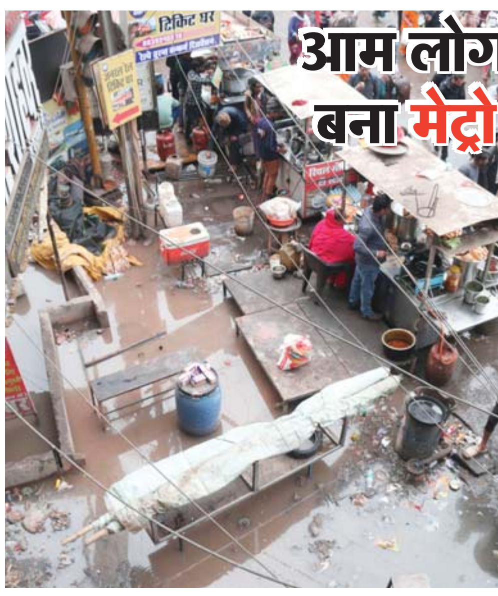

आम लोगों के लिए परेशानी बना मेट्रो का निर्माण कार्य

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के पास चल रहा मेट्रो के अंडर ग्राउंड स्टेशन का काम आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। दरअसल अंडर ग्राउंड स्टेशन कार्य के दौरान मेट्रो कंपनी द्वारा निकाला जा रहा पानी प्लेटफार्म नंबर 6 की ओर जाने वाले रास्ते पर भर गया, जिसके चलते आम लोगों को स्टेशन तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर स्टेशन के बाहर मौजूद भोजनालयों के बाहर भी जलभराव होने से यात्रियों को गंदगी के बीच बैठकर भोजन करना पड़ा।

होटल संचालक ने कमरे में फांसी लगाकर की खुदकुशी

जागरण, भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में होटल संचालक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस की शुरुआती जांच में होटल व्यवसाय में नुकसान होने के चलते उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय निहाल मिश्रा पिता मनीष कुमार मूल रूप से सीधी का रहने वाला था। 6 महीने पहले अमराई पार्क में उसने 70 हजार रुपए का विगल पार्क नामक होटल किराए लिया था। जिसका वह संचालन करता था। और वहीं रहता था। उसके साथ दोस्त अंशुमान भी रहता था। गुरुवार साढ़े 12 बजे उसने कमरे में फांसी लगा ली। घटना के वक्त दोस्त दूसरे कमरे में मौजूद था। देर रात जब वह उसके कमरे पहुंचा तो निहाल फंदे पर लटका मिला। होटल में ठहरे यात्रियों और दोस्त की मदद से उसे नीचे उतारकर एम्स अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

'बात करो-मन हल्का करो' कार्यक्रम एमएलबी कॉलेज में हुआ आयोजित

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। एमएलबी कालेज में शुक्रवार को छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक सुदृढ़ता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बात करो - मन हल्का करो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से छात्राओं को एक सुरक्षित एवं सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करना था, जहां वे अपने मन की बात खुलकर साझा कर सकें और तनाव, चिंता और मानसिक दबाव को कम कर सकेंगीं। कार्यक्रम के तहत संवाद, समूह चर्चा एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. प्रवीण तामोट ने छात्राओं के साथ प्रेरक एवं मोटिवेशनल प्रसंग साझा किए और उन्हें सकारात्मक सोच अपनाने तथा अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा विषय आधारित आकर्षक पोस्टर तैयार किए गए। पोस्टरों में प्रेरक स्लोगनों और चित्रों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि खुलकर बातचीत करने से मन का बोझ हल्का होता है तथा अवसाद, तनाव और चिंता जैसी समस्याओं को संवाद द्वारा दूर किया जा सकता है। इस गतिविधि ने छात्राओं की सृजनात्मकता एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उनकी संवेदनशील समझ को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। नेशनल टास्क फोर्स की कन्वीनर डॉ. अनीता पूरी सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कालेज में संचालित 'मनमित्र' पहल से छात्राओं को रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि यह पहल छात्राओं को संवाद, सहयोग एवं परामर्श के माध्यम से मानसिक तनाव और चिंता से उबरने में सहायक है।

> **खुलकर बात करने से हल्का होता है मन**

नवाचार इंदौर आईआईटी के साथ मिलकर बनाया स्मार्ट नेविगेशन सिस्टम

एम्स हुआ स्मार्ट: अब क्यूआर कोड से पता चलेगा कहां कौन सी सेवा उपलब्ध, नहीं भटकेंगे मरीज

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में आने वाले मरीज और उनके परिजन अक्सर अस्पताल की बिल्डिंग में एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए रास्ते खोजते रहते हैं। अस्पताल बिल्डिंग की भूल भुलैया जैसी बनावट यहां आने वाले आगंतुकों के लिए एक परेशानी का सबब है। इस समस्या को दूर करने के लिए एम्स भोपाल ने आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर एक स्मार्ट नेविगेशन सिस्टम तैयार किया है। जो क्यूआर कोड से स्कैन करने पर आगंतुकों को अस्पताल बिल्डिंग के सभी रास्ते बताएगा। एम्स से मिली जानकारी अनुसार मरीजों और आगंतुकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए एम्स भोपाल ने आईआईटी इंदौर की दृष्टि टीम के सहयोग से एम्स परिसर में स्मार्ट मार्गदर्शन प्रणाली विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह कदम आम नागरिकों के लिए अस्पताल परिसर में आवाजाही को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। एम्स भोपाल का परिसर भौगोलिक दृष्टि से काफी विस्तृत है। अस्पताल और शैक्षणिक भवनों की अंदरूनी संरचना भी कई स्थानों पर एक-जैसी है। ऐसे में मरीजों, उनके परिजनों और आगंतुकों को सही विभाग, वार्ड या कक्ष तक पहुंचने में अक्सर कठिनाई होती है। कई बार लोग रास्ता न समझ पाने के कारण असहज महसूस करते हैं और संस्थान आने को लेकर झिझक भी अनुभव करते हैं।

एप और क्यूआर कोड से मिलेगी मदद

विकसित की जा रही स्मार्ट मार्गदर्शन प्रणाली दो स्वरूपों में उपलब्ध होगी। पहला वेब-आधारित प्रणाली है। इसके अंतर्गत परिसर के प्रमुख प्रवेश द्वारों और महत्वपूर्ण स्थानों पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। आगंतुक इन क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करेंगे। स्कैन करते ही उनके मोबाइल पर एक इंटरैक्टिव मानचित्र खुल जाएगा, जो वर्तमान स्थान से इच्छित स्थान तक चरणबद्ध दिशा-निर्देशन देगा। दूसरा स्वरूप मोबाइल ऐप आधारित होगा। उपयोगकर्ता विशेष मोबाइल ऐप डाउनलोड कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। अलग-अलग भवनों के बीच पहुंचने के लिए जीपीएस तकनीक का उपयोग किया जाएगा। वहीं अस्पताल, कॉलेज और अन्य भवनों के अंदर, जहां जीपीएस की सटीकता सीमित होती है, वहां लगभग हर 15 मीटर पर रिले उपकरण लगाए जाएंगे। ये उपकरण सटीक और स्पष्ट दिशा-निर्देशन प्रदान करेंगे, जिससे मरीजों और आगंतुकों को सही स्थान तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पायलट प्रोजेक्ट पर चल रहा काम

इस परियोजना को प्रारंभ में एक माह के पायलट चरण में लागू किया जाएगा। इस दौरान इसकी व्यवहार्यता, उपयोगकर्ता अनुभव और संचालन की सफलता का मूल्यांकन किया जाएगा। परिणाम संतोषजनक होने पर इसे पूरे परिसर में व्यापक रूप से लागू किया जाएगा। यह पहल मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाएगी। इससे लोगों को बार-बार रास्ता पूछने की आवश्यकता कम होगी, समय की बचत होगी और परिसर में आवाजाही अधिक व्यवस्थित होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे उन मरीजों और आगंतुकों की झिझक भी कम होगी, जो बड़े और जटिल परिसर के कारण असहज महसूस करते हैं। यह सहयोग डिजिटल परिवर्तन और मरीज-केंद्रित नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे एम्स भोपाल आधुनिक और स्मार्ट स्वास्थ्य अवसंरचना अपनाने वाले अग्रणी संस्थानों में अपनी पहचान और मजबूत करेगा।

14/02/2026
NRI Institute of Information Science & Technology, Bhopal
(Approved by AICTE, New Delhi and Affiliated to RGPV & BU Bhopal)
Applications are invited from eligible candidates for the following posts
▸ Director - 01
▸ Professor - 3 ▸ Associate Professor - 5 ▸ Asst. Professor - 12
For MBA Course under college code 28 of Barkatullah University
Note: The qualifications, experience and pay scales are as prescribed by AICTE/ UGC Guidelines. Please send your detail resume along with photocopies of mark sheets, testimonials passport size photograph and UID/ID proof within 7 days of publication of this advertisement to the following address by post or mail.
1, Sajjan Singh Nagar, Raisen Road Bhopal, Ph:0755-4085500
www.nrigroupindia.com | Email ID:hr@nrigroupindia.com

आन डिमांड डिलीवरी

बस 10 मिनट कमाल का क्विक कामर्स

क्विक कामर्स अर्थात आपकी जरूरत की वस्तुएं कम से कम समय में आपके पास। इसमें सबसे बड़ा खेल रफ्तार का है। यहां एआइ के जरिये डेटा मैनेजमेंट एवं जीपीएस सुविधा समेत यूपीआइ क्यूआर स्कैनर का कमाल है तो वहीं कुशल प्रबंधन और वेयर हाउस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। क्विक कामर्स के बारे में बता रहे हैं शंभु सुमन

किचन में नाश्ता तैयार कर रहीं दिल्ली की सजना को घर पर सरसों का तेल व सब्जी न होने का ध्यान आता है। वह अपना स्मार्टफोन उठाती हैं और ब्लिंकिट से जरूरत का सामान आर्डर कर देती हैं। मुश्किल से सात - आठ मिनट में उन्हें सामान मिल जाता है। स्कूल के लिए तैयार हो रही उनकी बेटी बोल पड़ती है, यह तो कमाल हो गया मम्मी! इस पर संजना मुस्कुरा देती हैं। वह जानती हैं कि यह कमाल उनका नहीं, बल्कि उस एप का है, जो अक्सर उनके काम आता है। हालांकि, इस एप के पीछे छिपे उस क्विक कामर्स के ताने-बाने की ताकत, तकनीक और तौर-तरीकों के बारे में उन्हें ज्यादा मालूम नहीं है।

इन दिनों 10 मिनट वाला जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकिट क्विक कामर्स महानगरीय जीवनशैली में काफी चलन में आ चुका है। इनके एप के जरिए हरी सब्जियां, फल, कपड़े, जूते, साबुन आदि से लेकर मोबाइल व अन्य गैजेट्स केवल 10 मिनट में मंगवाए जा सकते हैं। इनका एक बड़ा आनलाइन बाजार बन चुका है, जिसमें रफ्तार का तगड़ा खेल है। यह एआइ के जरिये डेटा मैनेजमेंट एवं जीपीएस सुविधा समेत यूपीआइ क्यूआर स्कैनर का कमाल है तो इसमें कुशल प्रबंधन और वेयर हाउस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

दरअसल, यह कोरोना के दौर की आपदा से लगाए गए लाकडाउन की देन है, जो भारतीय स्टार्टअप कंपनियों के लिए अगस्त, 2020 और दिसंबर, 2021 के बीच अवसर बनकर आया। दिल्ली एनसीआर के गुरुग्राम में इंस्टामार्ट ने 10 अगस्त, 2020 को अपना एक ब्रांड स्विगी लांच करते हुए फूड आइटम 30 से 45 मिनट में डिलीवर करने का वादा किया। तब इसमें पके फूड व ग्रासरी ही थी। इसका आर्डर एप के जरिये किया जाने लगा। कोविड का दूसरा फेज आने पर इंस्टामार्ट ने इस सुविधा में बदलाव कर डिलीवरी का समय 10 से 15 मिनट कर दिया। इसने उपभोक्ताओं को काफी प्रभावित किया, जिसे देखते हुए जून, 2021 में जेप्टो ने इसी तरह की शुरुआत कर दी। इसके बाद गुरुग्राम में वर्ष 2013 की स्थापित कंपनी ब्लिंकिट भी दिसंबर, 2021 में मैदान में कूद पड़ी। इस तरह से क्विक कामर्स के बाजार में इन तीन कंपनियों के बीच बेहतर सर्विस देने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई, जिसे शहरी लोगों ने सहर्ष स्वीकार किया। क्विक कामर्स की प्रक्रिया आर्डर देने के बाद से कुल छह चरणों में पूरी होती है। एप के जरिये जब कोई आर्डर किया जाता है, तब इसकी सूचना उसी वक्त ग्राहक के नजदीकी 'डार्क स्टोर' यानी छोटे गोदाम में चली जाती है। ये एक से तीन किमी. के दायरे में बने होते हैं। यहां आनलाइन आर्डर की पैकिंग की जाती है। एआइ और डेटा से कंपनियों को पहले से मालूम रहता है कि सुबह या शाम को दूध और ब्रेड ज्यादा बिकेगा। इसी तरह से वीकेंड पर चिप्स, कोल्ड ड्रिंक्स, बारिश में नूडल्स और पर्व त्योहार आने पर पूजा-पाठ संबंधी सामान अधिक बिकेंगे। इन डार्क स्टोर में हजारों आइटम रहते हैं। डार्क स्टोर में आर्डर आते ही उसकी पैकिंग का टाइमर चालू हो जाता है। यह क्विक कामर्स का तीसरा चरण होता है। आर्डर कन्फर्म करने के लिए मात्र 30 से 60 सेकंड का समय मिलता है। फिर दो से तीन मिनट में पिकिंग और पैकिंग का काम पूरा कर लिया जाता है। इसके बाद चौथे चरण के तहत छह से सात मिनट में डिलीवरी पार्टनर को बाइक से आर्डर करने वाले के पास पहुंचना होता है। इसके लिए उन्हें कुछ जीपीएस और आटो रूट से मदद मिलती है। इस काम के लिए डिलीवरी पर्सन डार्क स्टोर के पास पहले से तैयार रहते हैं। कई बार आर्डर आने से पहले ही वे अपना बैग तैयार कर अलर्ट रहते हैं। इस तरह डिलीवरी पर्सन एक से डेढ़ किलोमीटर के दायरे में आर्डर देने वाले के पास 10 मिनट से पहले पहुंच जाता है।

क्विक कामर्स से शहरी उपभोक्ता को तुरंत मिली सुविधा का सबसे बड़ा फायदा समय की बचत का हुआ है। इससे आफिस जाने वाले स्टूडेंट्स, सिंगल फैमिली आदि को बड़ी राहत मिली है। अच्छे अनुभव के तौर पर उन्हें कंपनियां डिस्काउंट या आफर का भी समय-समय पर फायदा पहुंचाती रहती हैं। हालांकि, इससे लोगों में अब अभी खरीदने की आदत बनती जा रही है तो हाइ आर्डर फ्रीक्वेंसी के तहत छोटी, लेकिन बार-बार खरीद की लत लगने लगी है।

बहुत से लोग आवेग में खरीदारी करते हैं और जरूरत से अधिक खर्च कर देते हैं। छोटी चीज के लिए भी एप खोलना और उस पर लगातार मिलने वाले आफर के नोटिफिकेशन को चेक करते रहने से भी लोग कई बार तब तनाव में आ जाते हैं, जब कहा जाता है कि आफर खत्म होते ही कीमतें बढ़ सकती हैं।

हैं कुछ साइड इफेक्ट भी

- इसका साइड इफेक्ट छोटे-छोटे किराना दुकानदारों को हुआ है। पड़ोस की दुकान खाली रहने लगी है। कीमत के मामले में भी उन्हें बड़े प्लेटफार्म्स से बड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।
- बड़ी मुश्किल डिलीवरी पार्टनर के साथ आती है। वे अत्यधिक दबाव में रहते हैं। कंपनी के 10 मिनट के टाइम का वादा पूरा करने के लिए उनकी तेज रफ्तार सुरक्षात्मक जोखिम से भरी रहती है, जिसमें सड़क हादसों का खतरा बना रहता है तो उनकी इंसेंटिव आधारित कमाई अनिश्चित आय की चिंता से भी भरी होती है।
- ट्रैफिक, वारिश और हाइ डिमांड टाइम की वजह से वे बेहद तनाव में सर्विस देते हैं।
- एक नुकसान पर्यावरण को लेकर भी है। कारण छोटी-छोटी डिलीवरी में ज्यादा वाहन के इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन व प्लास्टिक/ पैकेजिंग कचरा फैलने का भी है, साथ ही ट्रैफिक और अव्यवस्था सामान्य आवागमन को प्रभावित कर देती है।

टेक टिप्स

5 स्मार्ट कार्यों के लिए प्रयोग करें स्मार्टफोन

स्मार्टफोन की खूबी यही है कि एक ही डिवाइस आपके सारे दैनिक कार्यों को आसान बना देती है। हम स्मार्टफोन को जितना स्मार्ट मानते रहे हैं, यह उससे भी अधिक है। केवल इसके सेंसर से ही आप कई सारे कार्यों को कर सकते हैं, जिसके लिए महंगे उपकरणों की जरूरत होती है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ दिलचस्प प्रयोग, जिन्हें आप स्मार्टफोन के सेंसर से कर सकते हैं...

मापें वाद्ययंत्रों की पिच : अगर आप संगीत के शौकीन हैं तो अपने म्यूजिक उपकरण को फोन एप के साथ ट्यून कर सकते हैं, जैसे गिटार टूना एप से आप गिटार को ट्यून कर सकते हैं। यह एप फोन के माइक्रोफोन से साउंड को रिकार्ड करके स्ट्रिंग की पिच के साथ मैच करता है। ऐसे कई सारे म्यूजिक एप आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

रोशनी के स्तर को जांचें : अगर आप किसी प्रकाश के स्त्रोत, जैसे टार्च, बल्ब आदि की रोशनी के स्तर को जांचना चाहते हैं तो फोन का प्रयोग कर सकते हैं। लक्स मीटर जैसे एप्स फोन के अंदर मौजूद एंबियंट लाइट सेंसर का प्रयोग करके बता सकते हैं कि फोन का सेंसर कितनी रोशनी महसूस कर रहा है। इस तरह के एप्स से इनडोर लाइट को मापा जा सकता है। साउंड लेवल को मापें साउंड मीटर, डेसिबल एक्स, निओस साउंड लेवल मीटर जैसे एप्स फोन के माइक्रोफोन का प्रयोग करके आवाज के स्तर को डेसिबल में मापते हैं। सुनने के लिए कोई साउंड कितना परफेक्ट है, इसे आप अपने फोन से आसानी से जांच सकते हैं। ध्यान रखें दूरी के साथ साउंड का लेवल कम हो जाता है। फोन को स्पीकर के सामने रखने के बजाय, उस स्थान पर रखें, जहां से आवाज सुनना चाहते हैं।

वायुमंडलीय दाब का स्तर जांचें : बैरोमीटर के जरिए हवा का दाब मापा जाता है। कई सारे फोन में बिल्ट-इन बैरोमीटर की सुविधा होती है। अगर यह आपके फोन में नहीं है तो आप थर्ड पार्टी एप से यह जांच सकते हैं। ऊंचाई वाले स्थानों पर इस तरह के टूल्स काफी उपयोगी साबित होते हैं। ब्लड आक्सीजन मापें हेल्थ एप्स ब्लड आक्सीजन सैचुरेशन का अंदाजा लगाने के लिए आपके फोन या कनेक्टेड वाच में लगे सेंसर का प्रयोग करते हैं। सांस लेने में परेशानी होने या अधिक ऊंचाई पर होने पर आप इससे आक्सीजन का स्तर जांच सकते हैं। हालांकि, इस पर पूरी तरह विश्वास करने के बजाय इसे शुरुआती चेतावनी संकेत के तौर पर ही लेना चाहिए।

जेमिनी बताएगा वीडियो असली है या नहीं

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एआई से बनी वीडियो की बाढ़ आई हुई है। कई वीडियो इतनी सफाई से बनाए गए होते हैं कि उसे देखकर पता लगा पाना मुश्किल हो जाता है कि यह असली है या एआई से बनाई गई है। गूगल ने जेमिनी एप में नया फीचर जोड़ा है, जो तुरत बता देगा कि कोई वीडियो असली है या एआई से बनाया गया है। आपको जेमिनी एप ओपन कर उस वीडियो को अपलोड करना है, जिसको आप वेरिफाई करना चाहते हैं। जेमिनी उस वीडियो की सिंथ आईडी चेक कर बता देगा कि वीडियो गूगल एआई से बनाया गया है या असली है। आपको बता दें कि सिंथआईडी एक डिजिटल मार्कर है, जो गूगल के एआई टूल्स से जनरेटेड कंटेट पर लगाया जाता है, जिसे आम लोग देख या पकड़ नहीं कर पाते।

राजधानी

डीएमई को हाइकोर्ट का निर्देश, बिना 30 लाख रुपए लिए 3 दिन में लौटाओ छात्र के ओरिजनल दस्तावेज

नगर संवाददाता, भोपाल। जबलपुर हाइकोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए आदिवासी छात्र को बड़ी राहत पहुंचाई है। कोर्ट ने छात्र के सीट लीविंग बांड की भारी भरकम राशि 30 लाख रुपए से छूट प्रदान की है। इतना ही नहीं कोर्ट ने संचालक चिकित्सा शिक्षा मप्र को यह निर्देश दिया है कि वह तीन दिन के अंदर छात्र के ओरिजनल दस्तावेज लौटाए। मामला रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज और बड़वानी के छात्र डॉ. अजय मंडलोई से जुड़ा है। इसमें डॉ. अजय ने वर्ष 2021 में नीट पीजी के माध्यम से प्रवेश लिया था। पीजी कोर्स के पहले वर्ष में ही छात्र ने अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने छात्र के ओरिजनल दस्तावेज लौटाने से यह कहते हुए मना कर दिया कि बीच में पढ़ाई छोड़ता सीट लीविंग बांड की शर्तों का उल्लंघन है। इसलिए 30 लाख रुपए का अर्थदंड जमा करना होगा, ऐसा नहीं करने पर ओरिजनल दस्तावेज जब्त करने का नियम है।

12वीं और एमबीबीएस में टॉपर रहा है छात्र

याचिकाकर्ता अजय मंडलोई पढ़ाई में अव्वल रहा है। उसमें 12वीं कक्षा में बायोलॉजी विषय में 100 में से 98 अंक प्राप्त किए थे। इसके बाद इंदौर के महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया, यहां भी वह टॉपर रहा।

गायनिक विभाग में हो रहा था शोषण

हाइकोर्ट में छात्र अजय मंडलोई की पैरवी करने वाले सीनियर एडवोकेट आदित्य संघी ने बताया कि छात्र ने वर्ष 2021 में रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया था, उसे काउंसलिंग के माध्यम से पीजी गायनिक विषय की सीट आवंटित हुई थी। जब वह कॉलेज में पढ़ाई के लिए पहुंचा तो पूरी क्लास में सिर्फ वही एक पुरुष छात्र था, शेष सभी लड़कियां भी। विषय की फैकल्टी भी महिलाएं थी। छात्र को शुरू से ही लड़कियों और महिला फैकल्टी द्वारा मानसिक रूप से परेशान किया गया, चूंकि गायनिक विषय महिला रोगों से जुड़ा हुआ है इसलिए छात्र अजय को अनफिट बताया जाने लगा। इससे वह परेशान हो गया और उसने बीच में पढ़ाई छोड़ने का निर्णय ले लिया।

अन्य छात्रों के लिए नजीर बनेगा फैसला

सीनियर एडवोकेट आदित्य संघी का कहना है कि हाइकोर्ट का यह फैसला स्वागतयोग्य है। ऐसे छात्र जो किन्हीं कारणों से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते और उन पर सीट लीविंग बांड का दबाव रहता है, उनके लिए यह फैसला नजीर बनेगा।

आत्महत्या पर मजबूर हो गया था छात्र

कॉलेज में किए जा रहे मानसिक शोषण और 30 लाख रुपए के अर्थदंड से घबरा कर छात्र अजय आत्महत्या के बारे में सोचने लगा था। उसके घर की माली हालत इतनी अच्छी नहीं थी कि वह 30 लाख रुपए जमा कर अपने ओरिजनल दस्तावेज ले पाता।

रुचि ग्रुप की 5.13 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इंदौर यूनिट ने रुचि ग्रुप से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में समूह के संचालक उमेश शाहरा की पत्नी नीता शाहरा की 5.13 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी अटैच कर ली है। शुक्रवार को ईडी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है। यह मामला रुचि ग्लोबल लिमिटेड (वर्तमान नाम एग्रोट्रेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड) से संबंधित है। ईडी ने इस मामले की जांच सीबीआई भोपाल द्वारा दर्ज की गई एक एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। कंपनी पर तत्कालीन देना बैंक के साथ 188.35 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। ईडी के सूत्रों के अनुसार मामले की आगे की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इसमें कुछ और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

दिसंबर में हुई थी छापेमारी

ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने बिना किसी वास्तविक व्यापार के दस्तावेजों के आधार पर बैंक से क्रेडिट सुविधाएं और लेटर ऑफ क्रेडिट हासिल किए थे। इसके लिए जिन दस्तावेजों का उपयोग किया गया वे भी फर्जी पाए गए। इसके बाद कंपनी ने लगभग 188 करोड़ का कर्ज लेकर उसे व्यापार में लगाने के बजाय जानबूझकर अपने ही समूह की शेल कंपनियों और सहयोगियों के खाते में ट्रांसफर कर दिया। दिखाने के लिए यह लोन इन कंपनियों और सहयोगियों को निवेश और लोन के रूप में बताया गया। इसके बाद रुचि समूह के संचालकों ने बैंकों से मिली इस रकम को अलग-अलग शहरों में प्रॉपर्टी खरीदने में इन्वेस्ट कर दिया। इससे पहले ईडी इंदौर ने दिसंबर में समूह के मुखिया उमेश शाहरा और अन्य के ठिकानों पर छापे मारे थे, जिसमें उनकी करोड़ों की संपत्ति की जानकारी सामने आई थी।

ENFORCEMENT DIRECTORATE

गुलाब, गेंदा और चंदन से हर्बल गुलाल बनाना सीखा, रासायनिक रंगों के बहिष्कार का लिया संकल्प

जागरण भोपाल। होली के त्यौहार को देखते हुए शुक्रवार को परशुराम मंदिर में स्वदेशी जागरण मंच के स्वावलंबी भारत अभियान के तहत एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इस निशुल्क कार्यशाला में महिलाओं को फूलों और प्राकृतिक चीजों से हर्बल गुलाल बनाना सिखाया गया। कार्यशाला का प्रशिक्षण सौंदर्य एवं गुलाल विशेषज्ञ सीमा भारद्वाज ने दिया। वे पिछले 8 वर्षों से हर्बल रंग, सदा रहें संग अभियान के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही हैं। कार्यक्रम की शुरुआत स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के संदेश के साथ हुई। कार्यशाला में पिपलानी, अवधपुरी और साकेत नगर से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। सभी ने संकल्प लिया कि वे इस बार बाजार से केमिकल युक्त गुलाल नहीं खरीदेंगी और घर पर बने हर्बल रंगों का ही उपयोग करेंगी। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को घर में मौजूद प्राकृतिक चीजों से अलग-अलग रंग बनाना सिखाया गया। पीला गुलाल गेंदे के फूल, पीले चंदन और हल्दी से तैयार किया गया। रंग के लिए गुलाब की पंखुड़ियों, गुलाब जल और चुकंदर का इस्तेमाल हुआ। हरा रंग पुदीना, पालक, धनिया और खस से बनाया गया, जबकि केसरिया रंग के लिए केसरिया गेंदा फूल, चंदन और हल्दी का उपयोग हुआ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यात्रिकी शाखा), भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 94/यां.वि/26 भोपाल दिनांक 18/02/2026

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू. में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
01	2026_UAD_472451_2	Beautification work at deendayal chowraha ward 12 zone 03	87,90,606 /-	05-MAR-2026	05:30 PM

नोट - संशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

नि. क्र. 3183/025/026

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर पालिक निगम, भोपाल

Office of The Executive Engineer
Public Health Engineering Deptt Division MAUGANJ M.P.

NIT No. 19 / SAC/EE/PHE/Dn./2026 Mauganj, Dated 11.02.2026

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria :

S.No./ Pkg/Code	Work	District	Probable Amount (Rs. in lakh)	Competion Period (months)
2026_PHED_481790_1	Soil Investigation, Planning, Design and Construction of Combined office Building for Division and Sub Division at District Mauganj	Mauganj	157.72 Lakh	12 Months Including Rainy Season

01- On line Tender documents purchase date 13.02.2026 to 27.02.2026
02- On line bid submission date 13.02.2026 to 27.02.2026
03- Tender Open (Mandatory documents) date 02.03.2026

Executive Engineer,
P.H.E. DIVISION
MAUGANJ (M.P.)

जी-26161/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी (म.प्र.)

सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822-292508

निविदा सूचना क्रमांक 23/नि.प्र./व.ले. लि ./का.य./लो.स्वा.यां.वि./25-26 सीधी दिनांक 13.02.2026

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28.02.2026 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 02.03.2026 को 11:00 बजे से है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work- **Balance Work of Retrofitting P.W.S.S. Village Bahmani and Semariya Block Sidhi Distt. Sidhi under Jal Jeevan Mission (JJM)**

S. N.	Tender ID	Name of Block	PAC (Rs.in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
1	2026_PHED_477014	सीधी	171.13	171130	12500	First call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

जी-26153/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक रातापानी अभयारण्य औबेदुल्लागंज, (जिला-रायसेन म. प्र.) पिन कोड - 464993

क्रमांक/498 औ.गंज / दिनांक 16.2.26

सूचना/विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार वाहन रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज के अंतर्गत परिक्षेत्र देलावाड़ी के दिनांक 27.01.26 को समय रात्रि 02.20 AM पर परिक्षेत्र सहायक झोलियापुर बीटगार्ड आमडो, बारधा एवं अन्य सुरक्षा श्रमिक के साथ गश्ती के दौरान बारधा जोड़ पी.डब्ल्यू. डी. मार्ग रेहटी से 02 मोटर साइकिल में अवैध परिवहन करते हुए सागौन चरपट 10 नग 0.592 घ.मी. जप्त किया जाकर इस कार्यालय में राजसात की प्रक्रिया विचाराधीन है:-

क्र.	वाहन क्रमांक/वाहन का विवरण	पी.ओ.आर. नं./दि.	वाहन मालिक/ आरोपी का नाम	वाहन का क्रमांक/वाहन मालिक का नाम	वन अपराध का प्रकार	जप्ती स्थल का नाम	परिक्षेत्र का नाम
1	1. वाहन मोटर साइकिल हीरो होण्डा साईन (ब्लैक) क्रमांक, इंजिन नं., चेसिस नं. मिटा/घिसा हुआ। 2. वाहन मोटर साइकिल डिस्कवर (रेड/ब्लैक) क्रमांक, इंजिन नं., चेसिस नं. मिटा/घिसा हुआ। से अवैध परिवहन करते हुए सागौन चरपट 10 नग 0. 592 घ.मी. के साथ जप्त की गई।	42357/25 दिनांक 27.01.26	अज्ञात	अज्ञात	परिक्षेत्र देलावाड़ी के दिनांक 27.01.26 को समय रात्रि 02.20 AM पर परिक्षेत्र सहायक झोलियापुर, बीटगार्ड आमडो, बारधा एवं अन्य सुरक्षा श्रमिक के साथ गश्ती के दौरान बारधा जोड पी.डब्ल्यू.डी. मार्ग रेहटी से 02 मोटर साइकिल में अवैध परिवहन करते हुए सागौन चरपट 10 नग 0. 592 घ.मी. जप्त	परिक्षेत्र देलावाड़ी के दिनांक 27.01.26 को समय रात्रि 02.20 AM पर परिक्षेत्र सहायक झोलियापुर, बीटगार्ड आमडो, बारधा एवं अन्य सुरक्षा श्रमिक के साथ गश्ती के दौरान बारधा जोड़ पी.डब्ल्यू.डी. मार्ग रेहटी में अवैध परिवहन	देलावाड़ी

यदि कोई व्यक्ति उक्त वाहन के संबंध में हित रखता है तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज में प्रातः 11.00 उपस्थित होकर अपना वाहन संबंधी दस्तावेज एवं पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

सूचना पत्र आज दिनांक 16.02.26 को मेरी पद एवं मुद्रा से जारी किया गया।

(मयंक राज) स.व.स.
सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं अधीक्षक
रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य औबेदुल्लागंज

जी-26130/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

संक्षिप्त खबरें

आनंद विहार कॉलेज में उजास-2026 आज

जागरण, भोपाल। आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन का एनुअल फेस्ट 'उजास-2026' शनिवार से शुरू हो रहा है। तीन दिनों (21, 23 और 24 फरवरी) तक चलने वाले इस उत्सव में छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। फेस्ट के पहले दिन आज दोपहर 3 बजे से रंगोली, पाम पेंटिंग और डांस कॉम्पिटीशन का आयोजन होगा। आने वाले दिनों में फैशन शो, वधु श्रृंगार और फ्लेमलेस रेसिपी जैसे अट्रैक्टिव इवेंट्स भी होंगे। इस भव्य उत्सव का समापन 26 फरवरी को प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन के साथ होगा, जिसमें फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

800 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने किया रक्तदान

जागरण, भोपाल। सोशल रिस्पांसिबिलिटी को निभाते हुए शुक्रवार को आईइएस यूनिवर्सिटी कैंपस में एक विशाल 'ब्लड डोनेशन कैंप' आयोजित किया गया। हमीदिया हॉस्पिटल और जीएमसी भोपाल के ब्लड सेंटर के सहयोग से हुए इस कैंप में स्टूडेंट्स का गजब का उत्साह देखने को मिला। कैंपस में सुबह से ही लंबी कतारें लगी थीं और देखते ही देखते लगभग 800 से 900 स्टूडेंट्स ने पूरे जोश के साथ रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की चांसलर प्रो. डॉ. सुनीता सिंह, इंजी. डॉ. डी.एस. यादव और सीईओ जवाहर सिंह ने कैंप में मौजूद रहकर स्टूडेंट्स का हौसला बढ़ाया। यह कैंप आयुर्वेद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सचिन खेडेकर और डीन डॉ. अमोल पाटिल के साथ डॉ. के.एस. प्रसाद एवं डॉ. एच. वेंकटेश के गाइडेंस में आयोजित हुआ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से संघ प्रचारक की मौत,साथी घायल

जागरण,भोपाल। ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार संघ प्रचारक की मौत हो गई। हादसे में उसका साथी गंभीर घायल है। हादसा नेपानिया जोड़ के पास हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 55 वर्षीय दिनेश सिंह राजपूत पिता किशन मेघराकलां गांव का रहने वाला था। वह संघ के प्रचारक थे। वह दोस्त के साथ परिचित की शादी में शामिल होने के लिए ईटखेड़ी आया था। गुरुवार शाम को लौटते समय उनकी बाइक को नेपानिया जोड़ के पास अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दिनेश और उसका दोस्त समंदर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दिनेश को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके साथी की हालत नाजुक है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम पर झूठा वीडियो वायरल करने पर केस दर्ज

जागरण, भोपाल। अयोध्यानगर पुलिस ने सोशल मीडिया पर बच्चा चोरी का भ्रामक वीडियो वायरल करने के मामले में इंस्टाग्राम आईडी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इंस्टाग्राम आईडी प्रथ्वी बन्ना 744 से एक वीडियो पोस्ट किया गया था, जिसमें एक बालक को बांधकर उसे बच्चा चोरी करने वाला बताया गया। जब पुलिस ने वीडियो की तस्दीक की तो वह पुराना निकला और उसमें दिखाई गई घटना झूठी पाई गई। मामले में अयोध्यानगर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें बताया गया कि इस प्रकार के वीडियो समाज में भ्रम फैलाने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका पैदा करते हैं।

छेड़छाड़ मामले में तीन साल से फरार लिस्टेड बदमाश गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। कोलार रोड पुलिस ने छेड़छाड़ के मामले में तीन साल से फरार शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को मुखबिर की सूचना फरार आरोपी आकाश ओसपाल उर्फ एडी को गिरफ्तार किया। आरोपी घटना के बाद खंडवा चला गया था और लगातार ठिकाने बदल रहा था। सूचना मिलने पर उसे बंजारी क्षेत्र के पास से पकड़ा गया। आरोपी की पहचान आकाश ओसपाल उर्फ एडी निवासी बी-सेक्टर सर्वधर्म, कोलार के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ मारपीट, लूट, डकैती की तैयारी और एनडीपीएस एक्ट समेत कुल सात मामले दर्ज हैं, जिनमें छह मामलों में कोर्ट से स्थायी वारंट जारी थे।

भोपाल में मैराथन दौड़ आज, कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्सन

जागरण, भोपाल। बंसल न्यूज द्वारा रविवार को मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। दौड़ सुबह 5 बजे से टीटी नगर स्टेडियम से शुरू होगी। आयोजन के चलते शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यातायात पुलिस के अनुसार 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 6 किमी की अलग-अलग श्रेणियों में दौड़ आयोजित की जाएगी। सभी दौड़ टीटी नगर स्टेडियम से प्रारंभ होकर रोशनपुरा, मिंटो हॉल, खटलापुरा, पॉलिटेक्निक चौराहा, किलोल पार्क, राजा भोज सेतु, कोहेफिजा, लालघाटी सहित विभिन्न मार्गों से होकर गुजरेंगी और पुनः टीटी नगर स्टेडियम पर समाप्त होंगी।मैराथन के दौरान रोशनपुरा से पॉलिटेक्निक चौराहा, वीआईपी रोड, लालघाटी, खटलापुरा, स्मार्ट रोड और भदभदा रोड की ओर जाने वाले भारी वाहन व लोक परिवहन पूरी तरह डायवर्ट रहेंगे। देवास, सीहोर और इंदौर की ओर जाने वाले वाहन भदभदा चौराहा, नीलबड़, मुगालिया छाप, खजूरी बायपास होकर गुजर सकेंगे।

भोपाल में चार दिन में साइबर फ्रॉड के 53 केस दर्ज, 315 करोड़ की ठगी

ई-जोरी एफआईआर के जरिए शुक्रवार को पांच नए केस दर्ज, युवा से लेकर बुजुर्ग तक बने शिकार

जागरण,भोपाल। राजधानी में 4 दिन में साइबर फ्रॉड के 53 केस दर्ज हुए हैं। इसमें 3.15 करोड़ का फ्रॉड हुआ है। शुक्रवार को भी यह सिलसिला जारी रहा है। ई-जोरी एफआईआर पर थानों में यह केस दर्ज किए जा रहे है। इसमें युवा से लेकर बुजुर्ग तक ठगी के शिकार हुए है। बीते 24 घंटे के अंदर पांच नए केस दर्ज हुए है। कहीं शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 28.72 लाख रुपए ठगी की, तो कहीं वीडियो कॉल और फर्जी केस की धमकी देकर 8 लाख जालसाजों ने ऐंठ लिए, वहीं ऑनलाइन शॉपिंग के लालच देकर टीचर से 5.19 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने अलग-अलग थानों में मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस 1 शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 28.72 लाख की ठगी

बैरागढ़ थाना क्षेत्र में रहने वाले श्याम कुमार जगयानी (49) के साथ शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 28 लाख 72 हजार 755 रुपए की धोखाधड़ी हुई। पुलिस के अनुसार नवंबर 2025 में अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें कॉल कर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने की बात कही। इसके बाद एक ऐप डाउनलोड कराकर निवेश करवाया गया। शुरुआत में लाभ दिखाया गया, लेकिन बाद में पूरी राशि ठग हड़प ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

केस 2 बुजुर्ग महिला को एफआईआर की धमकी देकर 8 लाख ठगे

मिसरोद थाना क्षेत्र की भूमि गोल्डन हाईट्स तलैया में रहने वाली किरण नागी (65) के साथ वीडियो कॉल कर एफआईआर की धमकी देकर 8 लाख रुपए की ठगी की गई। पुलिस के अनुसार 4 दिसंबर 2025 को ठगों ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताते हुए कहा कि अफजल खान आतंकी केस में उनकी आईडी का इस्तेमाल हुआ है। केस से बचाने के नाम पर 20 लाख रुपए मांगे गए। डर के चलते महिला ने आरटीजीएस के जरिए से 8 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का अहसास होने पर थाने में शिकायत की गई।

केस 3 ऑनलाइन ऑफर में टीचर से 5.19 लाख ऐंठे

छोला मंदिर थाना क्षेत्र की नवजीवन कॉलोनी में रहने वाले निजी स्कूल के शिक्षक राजकुमार यादव (35) को फेसबुक मैसेज के जरिए वॉच कंपनी का ऑफर दिया गया। 10 हजार रुपए की खरीद पर दोगुना फायदा दिखाया गया। शुरुआत में कुछ लाभ मिलने के बाद उन्होंने 5 लाख 19 हजार 266 रुपए का ऑर्डर कर दिया। कई दिन बीतने के बाद भी जब सामान नहीं मिला तो उन्हें ठगी का पता चला और थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी थाना क्षेत्र के दामखेड़ा इलाके में रामप्रसाद नामक फरियादी से 14 जनवरी को 86 हजार 753 रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

केस 4 रिटायर्ड रेलकर्मी के खाते से कटे 1.07 लाख

बागसेवनिया थाना क्षेत्र के वैष्णव परिसर में रहने वाले रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी राघवेंद्र मिश्रा (60) से 1 लाख 7 हजार रुपए की ठगी हुई। पुलिस के अनुसार 10 दिसंबर 2025 को अनजान नंबर से कॉल आने के बाद उनका मोबाइल हैक हो गया। कुछ देर बाद उनके क्रेडिट कार्ड से 1.07 लाख रुपए कटने का मैसेज मिला।

खजुराहों के पत्थरों में बसते हैं प्राणः सीएम

अंतरराष्ट्रीय नृत्य समारोह का वचुर्अली किया सीएम ने शुभारंभ

विशेष संवाददाता भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार की शाम को खजुराहों में आयोजित 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नृत्य समारोह का भोपाल स्थित अपने आवास से वचुर्अल शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खजुराहों के पत्थरों में प्राण बसते है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदि संस्कृति के साथ सनातन संस्कृति को जोड़ने की दिशा में आह्वान किया है।

मध्यप्रदेश सरकार विविध कलाओं के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए मध्यप्रदेश के बजट में संस्कृति विभाग की गतिविधियों के लिये भी राशि में वृद्धि की गई है। खजुराहो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय धरोहर है। इस वर्ष 52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह भगवान नटराज को समर्पित किया गया है। समारोह का आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को देव नटेश भगवान शिव से जोड़ने का यह अनूठा प्रयास है। शुभारंभ अवसर पर संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (राज्य मंत्री) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और सांसद खजुराहो वी.डी. शर्मा सहित अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने चार पुस्तकों का विमोचन भी किया।

मैत्रेयी पहाड़ी एवं साथी की हुई पहली प्रस्तुति

शुभारंभ दिवस पर पहली प्रस्तुति संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी सुश्री मैत्रेयी पहाड़ी एवं साथी, दिल्ली द्वारा कथक नृत्य की हुई। सुविख्यात नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी ने प्रतिष्ठा : शाश्वत तत्वों का आह्वान नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी। यह आह्वान पंचतत्व - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश - को समर्पित है, वही शक्तियाँ जो जीवन और सृष्टि को धारण करती हैं। मृदुल गतियों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से नर्तक-नृत्यांगनाएं इन शाश्वत तत्वों को साकार करते हैं, जो संतुलन, ऊर्जा और सामंजस्य का प्रतीक हैं। इस पवित्र आरंभ से यात्रा धीरे-धीरे भगवान कृष्ण की दिव्य उपस्थिति की ओर ले जाती है - धर्म, प्रेम और करुणा के शाश्वत पथप्रदर्शक, जो प्रत्येक तत्व और प्रत्येक हृदय में विद्यमान हैं।

स्वप्न में शिव के अनेक रूपः कथक के शास्त्र के पश्चात चेन्नई की सुश्री अनुराधा वेंकटरमन ने भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति का प्रारंभ मंगलाचरण से किया, जिसमें उन्होंने स्वप्न में भगवान शिव के भव्य प्रवेश का दृश्य प्रस्तुत किया। यह रचना ललगुड़ी आर. श्रीगणेश द्वारा राग हंसध्वनि और आदि ताल में संयोजित की गई है। इस प्रस्तुति में नायिका अपने स्वप्न में शिव को विभिन्न रूपों में देखती है।

दो महिलाओं पर तलवार से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

स्ट्रीट डॉग को हटाने के लिए निगम से की थी शिकायत, घटना के बाद फरार थे आरोपी

जागरण,भोपाल। आवारा कुत्तों की शिकायत को लेकर दो महिलाओं पर तलवार से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को अयोध्या नगर पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में शामिल तलवार बरामद कर है।

पुलिस के अनुसार श्रवण कांता स्टेट कॉलोनी में रहने वाली महिलाओं ने नगर निगम से स्ट्रीट डॉग को पकड़ने की शिकायत की थी। इसके बाद नगर निगम की टीम ने 17 और 18 फरवरी को कॉलोनी से स्ट्रीट डॉग को पकड़कर हटाया था। बाद में पशु प्रेमियों ने हंगामा करते कर कुत्तों को टीम से छुड़ा लिया था। इसी बात को लेकर शारदा कुंज निवासी अशोक सिंह चौहान के परिवार और कॉलोनी वासियों के बीच विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे अशोक सिंह चौहान अपने एक साथी के साथ तलवार लेकर कॉलोनी में पहुंचा। जहां उसने रहवासियों से गाली-गलौज की। इस दौरान कुत्तों को हटाने की शिकायत करने वाली महिलाओं वंदना सेन और लक्ष्मी ठाकुर पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया।

हमले में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग गए थे। पीड़िताओं की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान अशोक सिंह चौहान (55) निवासी किरण नगर, पिपलानी और उसके साथी नफीस अंसारी (29) निवासी आष्टा,सीहोर के रूप में हुई। आरोपी अशोक निलंबित शासकीय कर्मचारी है।

दुबई गई महिला के सूने मकान से लाखों के जेवरात चोरी

जागरण, भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में दुबई गई एक बुजुर्ग महिला के सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात बदमाशों ने लाखों रुपए के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अनुसार लालघाटी में रहने वाली सुषमा जैन (60) 22 दिसंबर को अपने मकान में ताला लगाकर बच्चों के पास दुबई चली गई थी। गुरुवार को जब वह वापस लौटी और घर पहुंचीं तो अंदर के कमरों के ताले टूटे मिले और सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखे करीब पांच ग्राम सोने की मूर्ति, चार ग्राम सोने का सिक्का, डायमंड रिंग, दो जोड़ी चांदी की पायल, चांदी के बर्तन (थाली, गिलास, लोटा, कटोरी, चम्मच), चांदी का पान, चांदी की मूर्ति, पांच हाथ घड़ियां, एक स्मार्ट वॉच, 10 हजार रुपए नकद और शादी में पहनने वाले कपड़े समेत लाखों रुपये का सामान गायब मिला। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है।

दुष्यंत संग्रहालय में डॉ. वीणा सिन्हा की पुस्तिका का विमोचन

कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीति को दर्शाता है नाटक 'तुम फिर जीना लड़की'

जागरण, भोपाल। दुष्यंत कुमार पांडुलिपि स्मारक संग्रहालय में शुक्रवार को सामाजिक संवेदनशीलता और काव्य का अनूठा संगम देखने को मिला। अवसर था वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. वीणा सिन्हा की चयनित कविताओं की पुस्तिका के विमोचन और उन पर आधारित लघु नाटक 'तुम फिर जीना लड़की' के मंचन का। स्वर रंग आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीति पर कड़े प्रहार किए। राहुल शर्मा 'राहुल्य' के निर्देशन और अंतर्राष्ट्रीय सितार वादिका स्मिता नागदेव के सजीव संगीत ने मंचन को बेहद प्रभावी बनाया। मंच पर नन्हीं कलाकार लावण्या सहित प्राची, सौम्या, खुशी और गीतांशी के अभिनय ने दर्शकों को भावुक कर दिया। नाटक की पंक्तियों ने समाज में बेटियों के प्रति नफरत पर कड़वे सवाल छोड़े। इससे पहले वरिष्ठ साहित्यकार हरि भटनागर ने डॉ. सिन्हा की संपादित पुस्तिका का विमोचन किया। कवि निरंजन श्रोत्रिय ने स्त्री के दैनंदिन जीवन, राग तेलंग ने सामाजिक संस्कृति में स्त्री की भूमिका और अपर्णा पात्रीकर ने अपनी गजलों के माध्यम से महिला मुद्दों को स्वर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विशाखा राजुरकर ने किया।

वुडन आर्ट और मेटल इंस्टॉलेशन ने खींचा ध्यान

एनआईडी के 'ओपेसिटी' फेस्ट में दिखा डिजाइन्स का जादू

जागरण, भोपाल। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) कैंपस शुक्रवार को क्रिएटिविटी के रंगों से सराबोर रहा। संस्थान के एनुअल फेस्ट 'ओपेसिटी' की शुरुआत के साथ ही स्टूडेंट्स की असीमित कल्पनाशीलता देखने को मिली। इस फेस्ट का उद्घाटन करते हुए संस्थान की निदेशक डॉ. विद्या राकेश ने कहा कि यह उत्सव युवा प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच है। कैंपस में स्टूडेंट्स द्वारा तैयार किए गए शानदार इंस्टॉलेशन वर्क्स आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। कहीं लकड़ी से बनी कलाकृतियां थीं, तो कहीं मेटल से तैयार किए गए खूबसूरत फ्लॉवर इंस्टॉलेशन। स्टूडेंट्स ने ऑटो-रिक्शा के लुक वाला एक भव्य इंस्टॉलेशन भी तैयार किया, जिसकी बारीकियों ने आगंतुकों को हैरान कर दिया। दिन के समय जहां एडीआई के तहत आयोजित डिज़ाइन टॉक में पुणे के एक्सपर्ट वसीम खान ने डिजाइन करियर के नए मौकों पर चर्चा की, वहीं रात को कैंपस का नज़ारा बदल गया। रात में 'हंटिंग द हेवेन्स' सत्र के तहत टेलिस्कोपिक स्काई गेजिंग का आयोजन हुआ, जिसमें स्टूडेंट्स ने सितारों की दुनिया को करीब से देखा। कैंपस में लगे आर्ट, क्राफ्ट और फूड स्टॉल्स ने इस फेस्ट की रौनक को दोगुना कर दिया।

विज्ञान जागृति उत्सव का आगाज

प्राचीन भारतीय पद्धतियों में छात्रों ने खोजा आधुनिक विज्ञान

जागरण, भोपाल। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) में दो दिवसीय 'विज्ञान जागृति उत्सव' का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के सहयोग से आयोजित इस उत्सव का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार को बढ़ावा देना है। उत्सव के पहले दिन 'प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक पद्धतियां' विषय पर रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रंगोली में जहां 11 प्रतिभागियों ने वैदिक गणित, आयुर्वेद और प्राचीन वेधशालाओं को रंगों से उकेरा, वहीं पोस्टर प्रेजेंटेशन में 25 छात्रों ने खगोल विज्ञान और धातु विज्ञान जैसे विषयों पर शोधपरक तथ्य पेश किए। निर्णायक मंडल में शामिल डॉ. रुचिरा चौधरी, डॉ. हर्षा जलोरी और डॉ. संध्या त्रिवेदी ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक समझ की सराहना की। उत्सव के दूसरे दिन यानी शनिवार को विज्ञान प्रश्नोत्तरी (क्विज) और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है।

निफ्ट में 'मिडनाइट कार्निवल' की धूम

302 स्टूडेंट्स ने 48 स्टॉल्स पर दिखाई अपनी कलाकारी

जागरण, भोपाल। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) में इंटर-कॉलेज फेस्ट 'स्पेक्ट्रमः मिडनाइट कार्निवल' का धमाकेदार आगाज हुआ। शुक्रवार को आयोजित इस फेस्ट में करीब 302 स्टूडेंट्स ने अपनी कला और हुनर का प्रदर्शन किया। कैंपस में लगे कुल 48 स्टॉल्स स्टूडेंट्स की मेहनत और रचनात्मकता की कहानी बयां कर रहे थे, जिसमें ज्वेलरी मेकिंग, डूडल आर्ट, नक्काशी और पाक कला (कुकिंग) के शानदार नमूने देखने को मिले। निदेशक अखिल सहाय की मौजूदगी में शुरू हुए इस कार्निवल में डांस, म्यूजिक, टैटू मेकिंग और पॉटरी जैसे कॉम्पिटीशन्स में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 'ट्रेजर हंट' जैसे गेम्स ने कैंपस में रोमांच भर दिया। आर्ट के साथ-साथ कैंपस में स्पोर्ट्स का जोश भी चरम पर रहा। स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित वॉलीबॉल मैच और 100 मीटर की दौड़ में खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती दिखाई। पूरे आयोजन का संयोजन बैसाखी दलपति और मोहम्मद रिजवान अहमद द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अगले दिन पदक देकर सम्मानित किया जाएगा।

पितृसत्ता से संघर्ष और सृजन की गूंज

जीवन की पथरीली राहों पर थमना नहीं दम-खम से जीना सीखें : विभारानी

जागरण, भोपाल। राजधानी के गांधी भवन स्थित एकता परिषद सभागार में शुक्रवार को सामाजिक संस्था 'सरोकार' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'स्वर, संघर्ष और सृजन' संपन्न हुआ। लैंगिक समानता और मानवीय मूल्यों पर केंद्रित इस विमर्श में साहित्य, सिनेमा और जीवन संघर्ष का प्रेरणादायी संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, प्रख्यात लेखिका और अभिनेत्री विभारानी ने अपने संबोधन में कहा कि कलाकार का सृजन उसके संघर्षों की कोख से जन्म लेता है। उन्होंने अपने सफर को साझा करते हुए बताया कि कैसे एक स्त्री के रूप में उन्होंने पितृसत्तात्मक व्यवस्था और सामाजिक कुरीतियों का डटकर मुकाबला किया। विभारानी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा, 'राहें पथरीली होंगी, सुख-दुख का सफर भी आएगा, लेकिन हमें रुकना नहीं है। जीवन को पूरे दम-खम के साथ जिएं।' संस्था की सचिव कुमुद सिंह और प्रज्ञा शर्मा ने विभारानी के जीवन के अनछुए पहलुओं पर संवाद किया। वहीं, डॉ. वीणा ने बेटियों को सम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का संदेश दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नन्हीं पीतांबरा रहीं, जिन्होंने अपनी शिक्षा के प्रति लगन साझा करते हुए सबका दिल जीत लिया।

भारत भवन में लोक-रंग और शास्त्रीय सुरों का संगम

ऋतुगीतों से मंच पर जीवंत हुआ मालवा का अंचल

जागरण, भोपाल। भारत भवन के 44वें वर्षगांठ समारोह की आठवीं संध्या सुरों और लोक-संस्कृति के नाम रही। शुक्रवार को अंतरंग सभागार में राग, रस और लोकधुनों का ऐसा अद्भुत संगम सजा कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। मालवा की सोंधी महक और भोजपुरी लोक-संस्कृति के बाद शास्त्रीय गायन की आध्यात्मिक प्रस्तुति ने समारोह को एक नई ऊंचाई प्रदान की। संस्कृति के इस महाकुंभ में जैसे-जैसे रात ढली, सुरों की शुद्धता और भावाभिव्यक्ति की गहराई ने दर्शकों के दिलों को छू लिया।

रागों का जादू : संगीत संध्या का चरमोत्कर्ष विख्यात शास्त्रीय गायक पंडित संजीव अभ्यंकर की प्रस्तुति के साथ आया। उन्होंने राग 'मरवा' के गंभीर आलाप से शुरुआत की। विलंबित और दुरुत लय की बंदिशों ने पूरे वातावरण को एक आध्यात्मिक और अविस्मरणीय अनुभव में बदल दिया।

मालवा की माटी की महक

शाम की पहली प्रस्तुति प्रियंका सेन और उनके साथियों की रही। उन्होंने महाकाल वंदना 'महाकाल दी राजा...' से शुरुआत कर माहौल को भक्तिमय कर दिया। इसके बाद 'मेघी राजा आईजा रे...' और किसानों के सम्मान में 'ओ पिया जी कंचन सी माटी...' जैसे ऋतुगीतों ने मालवा के ग्रामीण अंचल को मंच पर जीवंत कर दिया। इसके बाद चंदन तिवारी ने भोजपुरी लोकगीतों से पूर्वांचल की विरासत को पेश किया। 'ठड्यां सुमिरो, भुइयां सुमिरो...' और 'एह पार गंगा जी, ओह पार जमुना...' जैसे गीतों में श्रृंगार और विरह का अनूठा मेल दिखा। हारमोनियम, बेंजो और ढोलक की जुगलबंदी ने दर्शकों में एक नई ऊर्जा का संचार किया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

राजकोष को कमजोर कर रहीं मुफ्त की योजनाएं

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही कही जाएगी कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनाव जीतने का जरिया ही बना लिया है। मतदाताओं को चंद आर्थिक लाभ व सुविधाएं देकर मुफ्त की रेवड़ियों को सफलता का शॉर्टकट माना जाने लगा है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में आसन्न चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं की संस्कृति के वर्चस्व को देखते हुए देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणी की है। जिससे यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श में शामिल हो गया है।

उल्लेखनीय है कि अगले दो-तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत ने इस बाबत चेतावनी दी है कि मुफ्त की योजनाओं का अनियंत्रित विस्तार राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकता है।

निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राजनेता मुफ्त की बिजली, मुफ्त बस यात्रा और नकद राशि बांटने की होड़ में शामिल हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि लोकलुभावनवाद के आगे राजकोषीय विवेक कमजोर पड़ रहा है।

निस्संदेह, देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस बाबत तार्किक प्रश्न पूछा है कि राज्य मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बजाय रोजगार सृजन और कौशल विकास के लिये बजट प्रस्ताव क्यों नहीं पेश करते? इसमें दो राय नहीं कि रोजगार के नये अवसर पैदा करना जन साधारण के सशक्तीकरण का एक स्थायी रूप है। जो लोगों को स्वावलंबी बनाता है। वहीं दूसरी ओर वोटरों को लुभाने के लिये सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों द्वारा लगातार जारी की जा रही मुफ्त की योजनाएं लोगों को अकर्मण्य बना देती हैं। लोग परिश्रम से आर्थिक उपलब्धि हासिल करने के बजाय सरकारी सुविधा पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। अब चाहे कोई बड़ा राजनीतिक दल इसमें शामिल क्यों न हो।

निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। वहीं दूसरी ओर स्वस्थ लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि देश का मतदाता परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करके लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करे।

प्रसंगवश

ऊर्जा की खपत के रूप में चुकानी होगी कीमत

यह सच है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज की दुनिया में एक क्रांतिकारी तकनीक के रूप में उभर रही है, पर इस तकनीकी क्रांति की एक छिपी हुई कीमत भी है, जो है- बड़े पैमाने पर पानी और ऊर्जा की खपत। इससे पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं। जब लाखों लोग प्रतिदिन इन स्वचालित प्रणालियों का उपयोग करते हैं, तब इसके पर्यावरणीय प्रभाव उतने ही खतरनाक होते हैं।

एआई की बढ़ती मांग ने आंकड़े जमा करने वाले केंद्रों की संख्या और आकार में अभूतपूर्व वृद्धि की है। अभी दुनिया भर में लगभग 11,000 ऐसे केंद्र संचालित हैं और इनकी जल खपत चौंकाने वाली है। एक मध्यम आकार का केंद्र रोजाना लगभग 3 लाख गैलन पानी की खपत करता है, जो करीब 1,000 परिवारों की वार्षिक आवश्यकता के बराबर है। बड़े केंद्र तो प्रतिदिन 50 लाख गैलन तक पानी खर्च करते हैं, जो 10,000 से 50,000 लोगों के एक छोटे शहर की जरूरत के बराबर है। अमेरिका में 2024 में आंकड़ा भंडारण केंद्रों ने प्रतिदिन लगभग 44.9 करोड़ गैलन पानी का उपयोग किया था, जो सालाना 163.7 अरब गैलन के बराबर है। टेक्सास राज्य में स्थिति और भी चिंताजनक है। वहां के केंद्रों ने 2025 में 49 अरब गैलन पानी का उपयोग किया, जो 2030 तक बढ़कर 399 अरब गैलन तक पहुंच सकता है। भारत का दृष्टिकोण 'पीपुल, प्लैनेट और प्रोग्रेस' पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि तकनीक का विकास मानव केंद्रित हो, पर्यावरण के अनुकूल हो और सतत प्रगति को बढ़ावा देने वाला हो। यह व्यापक एजेंडा दर्शाता है कि भारत तकनीकी शक्ति को केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे सामाजिक न्याय और वैश्विक समानता से जोड़ना चाहता है। विशेष रूप से 'मिनी एआई' की अवधारणा इस सोच को और स्पष्ट करती है। ऐसे मॉडल, जो कम संसाधनों में भी प्रभावी हों, बहुभाषी हों और कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी काम कर सकें, वे विकासशील देशों के लिए वरदान सिद्ध हो सकते हैं। इससे जब एआई गांवों, छोटे उद्यमों और स्थानीय भाषाओं तक पहुंचेगा, तभी उसका लोकतंत्रीकरण संभव होगा। भारत एआई के समावेशी इस्तेमाल की वकालत कर रहा है।

एम्स्टर्डम के एक शोध के अनुसार, 2025 में केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों का जल पद-चिह्न 312.5 से 764.6 अरब लीटर तक था, जो विश्वभर में बोतलबंद पानी की वार्षिक खपत के बराबर है। वैसे, इन केंद्रों की ऊर्जा खपत भी चिंता का विषय है। एक पारंपरिक केंद्र 10,000 से 25,000 घरों जितनी बिजली का उपयोग करता है, लेकिन नए एआई-केंद्रित विशालकाय भंडारण केंद्र एक लाख या उससे अधिक घरों जितनी बिजली खर्च करते हैं। 2024 में इन केंद्रों ने दुनिया में लगभग 415 टेरावाट-घंटे बिजली की खपत की, जो थाईलैंड जैसे देश की वार्षिक ऊर्जा खपत के बराबर है। माना जा रहा है कि यह आंकड़ा 2030 तक बढ़कर 945 टेरावाट-घंटे हो जाएगा, जो जापान की वर्तमान बिजली मांग के बराबर है।

साफ है, अगर भारत में एआई भंडारण केंद्र बनाने पर जोर दिया जाएगा, तो यहां भी पानी और बिजली की खपत बढ़ेगी, जिसका अर्थ है कि कार्बन-उत्सर्जन में भी तेजी आएगी। अपने देश में, जहां पहले से ही उत्सर्जन अधिक है, वहां इस तरह की नीति हमारी आबोहवा को और खराब कर देगी। ऐसे में, हमें एआई में इस तरह आगे बढ़ना चाहिए कि यह धरती आने वाली पीढ़ियों के लिए रहने योग्य बची रहे।

बदलता ट्रेंड

चैटजीपीटी के युग में पढ़ाई बदल रहा परंपरागत तरीका

> कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में जेनेरेटिव एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने पढ़ाई और परीक्षा की परंपरागत व्यवस्था को चुनौती दी है। रिसर्च बताती है कि अब छात्रों की केवल याददाश्त नहीं, बल्कि यह परखना जरूरी है कि वे एआई का जिम्मेदारी से और समझदारी के साथ उपयोग कैसे करते हैं।

आजकल कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में जेनेरेटिव एआई (जैसे चैटजीपीटी) का इस्तेमाल आम बात हो गई है। पढ़ने-पढ़ाने के लिए इसका खूब इस्तेमाल हो रहा है। इस नई टेक्नोलॉजी ने हमारे सीखने और परीक्षा लेने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। कनाडा के 28 प्रोफेसर्स और जानकारों के साथ किए गए एक रिसर्च से पता चला है कि शिक्षा के क्षेत्र में एक बहुत बड़ा बदलाव आ गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कंप्यूटर का प्रोग्राम (एआई) इंसानों की तरह सोच सकता है और काम कर सकता है, तो हमें छात्रों की किस काबिलियत को परखना चाहिए? क्या हमें उनकी याददाश्त देखनी चाहिए या यह कि वे इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कैसे करते हैं?

एआई और शैक्षणिक अखंडता पर शोध

पिछले 15 वर्षों की रिसर्च से यह साफ हो गया है कि एआई एक दोधारी तलवार की तरह है, जिसके अपने फायदे और नुकसान हैं। एक तरफ जहां एआई इंसानों जैसी भाषा लिखने में इतना माहिर हो चुका है कि नकल पकड़ना मुश्किल हो गया है। वहीं दूसरी तरफ यह विकलांग छात्रों और नई भाषा सीखने वालों के लिए एक बेहतरीन मददगार भी साबित हो रहा है। चूंकि अब हर एआई टूल को ब्लॉक करना नामुमकिन है, इसलिए स्कूलों को अपना सारा ध्यान सिर्फ नकल पकड़ने पर खर्च करने के बजाय अपने नियमों को सुधारना चाहिए और छात्रों व शिक्षकों को यह सिखाना चाहिए कि वे इस टेक्नोलॉजी का सही और जिम्मेदारी से इस्तेमाल कैसे करें।

मूल्यांकन के तीन प्रमुख क्षेत्र

रिसर्च में शामिल शिक्षकों का मानना है कि उनका काम सिर्फ नकल पकड़ना नहीं, बल्कि ईमानदारी से पढ़ाई को बढ़ावा देना है। उन्होंने ऐसे तीन मुख्य तरीके बताए हैं जहां हम देख सकते हैं कि छात्र अपनी बुद्धि का इस्तेमाल कर रहे हैं या नहीं।

सही आदेश देना (प्रॉम्प्ट) भी एक कला

पहला है प्रॉम्प्टिंग, यानी एआई को सही निर्देश देना। अब इसे भी एक हुनर माना जा रहा है क्योंकि एआई से सही काम करवाने के लिए छात्र को अपनी बात साफ-साफ कहनी पड़ती है। दूसरा तरीका है आलोचनात्मक सोच (क्रिटिकल थिंकिंग)। चूंकि एआई कई बार गलत या मनगढ़ंत बातें भी सच बोलकर बता देता है, इसलिए छात्रों को अब यह सिखाना जरूरी है कि वे एआई की बातों पर आंख बंद करके भरोसा न करें, बल्कि उसमें कमियां और गलतियां ढूंढें।

ब्रेनस्टॉर्मिंग में एआई ठीक लेकिन विचार खुद के हों

सबसे ज्यादा बहस लिखने (राइटिंग) को लेकर है। यहां शिक्षकों ने साफ लक्ष्मण रेखा खींची है। लिखने के लिए नए विचार जुटाने (ब्रेनस्टॉर्मिंग) में एआई की मदद लेना ठीक है, बशर्ते विचार छात्र के अपने हों। अपनी लिखी हुई बात की ग्रामर सुधारने (एडिटिंग) के लिए भी एआई का इस्तेमाल तब सही है जब छात्र ने मूल बात खुद लिखी हो। लेकिन एआई से पूरा का पूरा लेख या ड्राफ्ट लिखवाना (ड्राफ्टिंग) बिल्कुल गलत माना गया है, क्योंकि शिक्षकों का मानना है कि जब छात्र खुद लिखने के लिए संघर्ष करता है, तभी उसका दिमाग असली मायने में विकसित होता है।

पोस्ट-प्लैजिरिज्म युग क्या है?

अब हम एक ऐसे दौर में पहुंच गए हैं जहां इंसान और एआई मिलकर लिख रहे हैं, और इसे पोस्ट-प्लैजिरिज्म का नाम दिया गया है। इसका असली मतलब यह है कि अगर कोई इंसान एआई की मदद लेकर कुछ नया बना रहा है, तो उसे सीधे तौर पर नकल या चोरी नहीं कहा जा सकता। आज की जरूरत यह है कि एक साथी बनाकर उसके साथ मिलकर नई चीजें बनाना (को-क्रिएट) सीखें।

भविष्य के लिए सिद्धांत

सबसे पहले, नियम बिल्कुल साफ होने चाहिए। टीचर को पहले ही बता देना चाहिए कि किसी होमवर्क या प्रोजेक्ट में एआई की मदद लेनी है या नहीं, और अगर लेनी है तो कितनी। दूसरा, हमें सिर्फ अंतिम रिजल्ट नहीं, बल्कि काम करने के तरीके को देखना चाहिए। यानी छात्र ने शुरुआत कैसे की, नोट्स कैसे बनाए और खुद कितनी मेहनत की। तीसरा, छात्रों को ऐसे काम देने चाहिए जिनमें दिमाग ज्यादा लगे, जैसे कि किसी गंभीर समस्या पर अपनी राय देना या अपने आसपास के माहौल के हिसाब से फैसला लेना, जो एआई आसानी से नहीं कर सकता।

चौथी बात यह कि छात्रों को एआई की कमियां पहचानना सिखाना होगा, ताकि वे जान सकें कि एआई कहां गलती कर रहा है या कहां पक्षपात कर रहा है। और आखिरी सबसे जरूरी बात- छात्र की अपनी सोच को अहमियत देना। परीक्षा इस बात की होनी चाहिए कि छात्र ने कोई चीज कैसे सीखी और उसके बारे में उसकी अपनी क्या राय है।

फ्यूचर गैजेट

एआई पावर्ड वियरेबल डिवाइस

गले में पहने, कैमरा खुद क्लिक करेगा फोटोज

> एपल तीन नए एआई-पावर्ड वियरेबल डिवाइस लाने पर काम कर रहा है। एआई स्मार्ट ग्लास, कैमरा वाला पेंडेंट और कैमरा वाले एयरपॉड्स शामिल हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बढ़ते चलन को देखते हुए एपल कंपनी तीन वियरेबल एआई डिवाइस जल्द लॉन्च कर सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये डिवाइस नए और अपग्रेडेड सिरी से चलेंगे, जिसमें जैमिनी और चैट जीपीटी के एआई-पावर्ड वॉइस असिस्टेंट जैसी स्मार्ट क्षमताएं होंगी।

कैमरे वाला पेंडेंट

कंपनी जल्द लोगों के लिए ऐसा पेडेंट लेकर आएगी, जिसमें कैमरा लगा होगा। उसे हार की तरह गले में पहना जा सकेगा। जो फोटोज क्लिक करता रहेगा। आपको अलग से फोन निकाल कर फोटोज क्लिक करने की जरूरत नहीं होगी। उम्मीद है कि यह कमांड पर काम करेगा।

स्मार्ट ग्लासेस भी होंगे कमाल

सबसे दिलचस्प प्रोडक्ट स्मार्ट ग्लास हैं। कुछ साल पहले आए हाई-एंड विजन प्रो हेडसेट से अलग ये स्मार्ट ग्लास हल्के होंगे और रोजाना के काम के लिए आसानी से इस्तेमाल किए जा सकेंगे। कंपनी के स्मार्ट वियरेबल्स की खासियत में कैमरों को एआई के साथ जोड़ना बताया जा रहा है ताकि डिवाइस वो देख सके जो आप देख रहे हैं।

कैमरा वाले एयरपॉड्स

ग्लासेस और पेडेंट के अलावा एक और प्रोडक्ट कैमरों वाले नए एयरपॉड्स लोगों का ध्यान खींच रहा है। यह सुनना पहली बार में अजीब लग सकता है। इनमें लगा कैमरा स्मार्टफोन की तरह ही एआई के जरिए आस-पास के माहौल को समझने में यूजर की मदद कर सकते हैं। आगे आने वाले समय में इन प्रोडक्ट्स से संबंधित कई जानकारी सामने आ सकती है।

युवाओं का चैटजीपीटी अड्डा

कुत्ता नहीं, ये एआई का अवतार है,
कैंपस में घूमे, पूरा स्टार है।
न भौंके, न काटे, न मांगे बिस्किट,
फिर भी हर रील का ये ही सुपरस्टार है...

लाइब्रेरी में साइलेंस का रखवाला रोबोट आया,
पूंछ हिलाई, कैमरा घुमाया।
हमने पूछा-अटेंडेंस लगाओगे क्या?
बोला-फेस स्कैन फेल, फिर आगे बढ़ गया...

हेल्थ अलर्ट

ऐसे खाए चिया बीज तो अस्पताल पहुंच जाएंगे...

अमेरिकी डॉक्टर ने चेतावनी दी है कि सुपरफूड चिया बीज को गलत तरीके से खाने से आप अस्पताल पहुंच सकते हैं। चिया बीज एक सुपरफूड के रूप में लोकप्रियता में बढ़ गए हैं, उनके पोषण संबंधी लाभों के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है। हालाँकि, उन्हें सूखा खाने से जोखिम होता है, जैसा कि डॉ. सलहब ने बताया है, संभावित रूप से एसोफैजियल ब्लॉकेज की ओर ले जाता है जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता होती है। चिया बीजों को भिगोना बहुत ज़रूरी है; यह पाचन में सहायता करता है, असुविधा को रोकता है, और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है, जिससे उनकी पूरी क्षमता का उपयोग होता है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि चिया बीज एक मल्टीविटामिन गोली का प्राकृतिक संस्करण है! कुछ साल पहले, शायद ही कोई हार्डकोर स्वास्थ्य हलकों के बाहर चिया बीज के बारे में बात करता था। अब, वे हर जगह दिखाई दे रहे हैं - आपके पसंदीदा स्मूदी बाउल से लेकर रात भर के पुडिंग तक जो इंस्टाग्राम पर धूम मचा रहे हैं। चिया के बीज धीरे से एक खास स्वास्थ्य भोजन से मुख्यधारा के सुपरफूड सनसनी में बदल गए हैं। फाइबर, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट के साथ, ये छोटे काले और सफेद बीज अब दुनिया भर में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रसोई में एक प्रमुख खाद्य पदार्थ बन गए हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ 10 घंटे हर दिन काम करने वाले प्रोफेशनल्स के लिए भी चिया के बीजों का समर्थन करते हैं क्योंकि वे हृदय स्वास्थ्य, पाचन स्वास्थ्य, वजन प्रबंधन और यहां तक कि रक्त शर्करा नियंत्रण में भी सहायक हो सकते हैं।

वजन कम करने में असरदार

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो चिया बीज आपकी मदद कर सकते हैं क्योंकि ये बहुत ज़्यादा पेट भरते हैं और फाइबर से भरपूर होते हैं। मधुमेह वाले लोगों को भी इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि ये रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने में मदद करते हैं। एथलीट और जिम जाने वाले लोग इन्हें अपनी ऊर्जा बढ़ाने और मांसपेशियों की रिकवरी के लाभों के लिए पसंद करते हैं। अगर आप कब्ज से जूझ रहे हैं, तो चिया बीज में मौजूद फाइबर कमाल का काम कर सकता है।

चिया बीज खाने के स्वस्थ तरीके

चिया बीज प्रोबायोटिक के रूप में कार्य करके आंत के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रोबायोटिक्स ऐसे यौगिक होते हैं जो आपके आंत में लाभकारी बैक्टीरिया को पोषण देते हैं, उन्हें पनपने और संतुलित माइक्रोबायोम बनाए रखने में मदद करते हैं। पाचन, प्रतिरक्षा कार्य और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम का होना आवश्यक है। चिया बीज आपकी सुबह की दिनचर्या में एक बहुमुखी और पौष्टिक जोड़ है। इनका आनंद लेने का एक लोकप्रिय तरीका है रात भर भिगोए हुए ओट्स या दही में एक बड़ा चम्मच मिलाना, जिससे फाइबर युक्त नाश्ता बनता है जो आपको लंबे समय तक भरा रखता है। आप बीजों को रात भर दूध या पौधे-आधारित विकल्पों में भिगोकर चिया पुडिंग भी बना सकते हैं, फिर सुबह फल या शहद के साथ ऊपर से डाल सकते हैं। एक त्वरित विकल्प के लिए, अपने दिन की शुरुआत में हाइड्रेशन और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए उन्हें स्मूदी या एक गिलास नींबू पानी में मिलाएँ।

ट्रैवल अपडेट

भारत की साइलेंट सिटी, न ट्रैफिक, न गाड़ियों का शोर

> अगर आप किसी शांत जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, तो आइजोल परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां सड़कों पर शांत वातावरण पर्यटकों का मन मोह लेता है। बड़े शहरों से यहां आने वाले लोगों को यहां के ट्रैफिक एटिकेट्स जरूर सीखने चाहिए। छुट्टियों पर शहरों में सड़क पर घंटों तक लगे जाम और हॉर्न से होने वाली आवाजों का शोर छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है। ऐसे में शांति से छुट्टियां बिताने के लिए आइजोल बेस्ट डेस्टिनेशन है।

मिजोरम की राजधानी आइजोल भारत की एकमात्र साइलेंट सिटी है। इसका मतलब ये नहीं कि यहां कोई बोलता नहीं है, बल्कि इस शहर को अपने ट्रेफिक एटिकेट्स के कारण जाना जाता है। भीड़ भाड़ होने और जाम में फंसे होने के बाद भी लोग शिष्टाचार का पालन करते हैं। यहां बड़े शहरों की तरह न तो खूब ट्रैफिक होता है और न ही लोगों में एक दूसरे को ओवरटेक करने की होड़। कोई भी यहां आकर अपने थके हुए दिमाग को रिलेक्स कर सकता है।

लैंड ऑफ हाइलैंडर्स

आइजोल शहर बेहद खूबसूरत और प्रदूषण से मुक्त शहर है। यहां किसी भी जगह खड़े होकर आप घंटों तक आसपास की सुंदरता को निहार सकते हैं। यह शहर ऊंची ऊंची पहाड़ियों और घाटियों से घिरा है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 1132 मीटर है। शहर की खूबसूरत वादियों के कारण ही इसे लैंड ऑफ हाइलैंडर्स कहते हैं।

लोगों से सीखने चाहिए ट्रैफिक एटिकेट्स

- यहां लोग सड़कों पर अपने व्हीकल के साथ एक ही लेन में चलते हैं।
- एक दूसरे को ओवरटेक नहीं करते।
- यहां कोई हॉर्न नहीं बजाता। यहां के लोगों का मानना है कि लगातार हॉर्न बजाना, तेजी से दूसरे व्हीकल को ओवरटेक करना एक शर्मनाक हरकत है। जो लोग ट्रैफिक रूल्स फॉलो नहीं करते वे असभ्य होते हैं।
- यहां पीक ऑवर्स के दौरान भी हर कोई एक दूसरे के साथ विनम्र रहता है।

दो और चार पहिया वाहनों के लिए अलग लेन

यहां पर बाई लेन में भी दो और चार पहिया वाहनों के लिए अलग-अलग लाइने हैं। दाई और बाईं लेन को अलग करने के लिए कोई डिवाइडर नहीं बनाया गया है। सिर्फ एक सफेद रंग की पट्टी के साथ इन्हें अलग किया गया है। कोई जल्दी में है और सामने वाले व्हीकल को पार करना चाहता है, तो उसे सामने वाले व्हीकल को बताने के लिए हल्की सी बीप देनी होती है। अगर संभव है, तो व्हीकल उन्हें आगे जाने की इजाजत दे देता है।

नहीं हैं ट्रैफिक लाइट

यहां की ट्रैफिक व्यवस्था इतनी अच्छी है, कि यहां ट्रैफिक लाइट की जरूरत महसूस नहीं होती। इसलिए इस शहर में जाने के बाद आपको शायद ही सड़कों पर ट्रैफिक लाइट देखने को मिले। यहां बिना ट्रैफिक लाइट के भी लोग सभ्य तरीके से सड़कों पर सुरक्षित रूप से चलते हैं।

आइजोल में घूमने की जगह

आइजोल में घूमने की बहुत सी जगह हैं। यहां आकर आप सोलोमन मंदिर, मिजोरम स्टेट म्यूजियम, रिक और बारा बाजार को एक्सप्लोर कर सकते हैं। रिक एक छोटा लेकिन बहुत ही सुंदर गांव है, जो आइजोल से कुल 10 किमी की दूरी पर स्थित है। इस गांव की खूबसूरत दुनियाभर के पर्यटकों का मन मोह लेती है।

फिल्मी संगीत का नया दौर

नयी फिल्मों में पुराना म्यूजिक आज भी हावी

> आज के दौर के फिल्म संगीतकारों को 90 के दशक का संगीत शिद्दत से याद आने लगा है। आजकल पुरानी फिल्मों के सुपरहिट गानों को नयी फिल्म में सिचुएशन के हिसाब से फिट किया जा रहा है। यूं भी पुराने हिट गानों के मुखड़े लोगों को ज़्यादा याद रहते हैं।

● असीम चक्रवर्ती ●

हाल-फिलहाल की फिल्मों पर गौर फरमाएं तो बॉलीवुड फिल्मों में संगीत का स्लॉट भरने के लिए सिचुएशन-बेस्ड पुरानी फिल्मों के गानों को रखा जा रहा है। खास तौर पर 90 के दशक का संगीत हमारे फिल्मवालों को शिद्दत से याद आने लगा है। सच्चाई ये है कि भारतीय फिल्म संगीत का सुनहरा दौर 90 के दशक के सुरीले समय के बाद से लगभग शांत हो चुका है। इसी के चलते अब फिल्मों में पुराना 90 का संगीत हावी होने लगा है। ताजा उदाहरण है आदित्य धर की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर'।

ज़्यादातर संगीतकार व गायक कुछ नया करने में अक्षम साबित हो रहे हैं। इंतहा ये कि 'मोहरा' का तू चीज़ बड़ी है मस्त-मस्त, 'तेज़ाब' का एक दो तीन या 'जुड़वां' का चलती है क्या नौ से बारह जैसे कई लोकप्रिय गानों के अपने सस्ते रीमिक्स को नया बता कर चला रहे हैं।

रीमिक्स के बिना भी

पुराने सुपरहिट फिल्मी गानों का दबदबा भी ज़बरदस्त बना हुआ है। रीमिक्स की बात छोड़ दें तो अक्सर 60, 70 और 80 के दशक के हिट गानों को फिल्मों में भी धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। एक फिल्मनिर्माता कहते हैं, 'कई बार कुछ सिचुएशन-बेस्ड गानों में पुरानी फिल्मों का कोई गाना फिट बैठता है। ऐसे में कॉपीराइट विवाद सुलझाते हुए ऐसे हिट गानों का इस्तेमाल किया जा रहा है।'

रीमिक्स ने किया नुकसान

रीमिक्स गानों ने बॉलीवुड फिल्मों का बहुत कबाड़ा किया। इनमें कई दिग्गज नाम शामिल हैं। एक-दो पंक्तियां गुनगुनाने की बजाय पुराने गाने का मुखड़ा ही क्यों गाया जाता है, एक दिग्गज का जवाब दिलचस्प होता है, 'पुराने हिट गानों के मुखड़े लोगों को ज़्यादा याद रहते हैं। इसलिए मैंने कुछ फिल्मों में कुछ नया क्रिएट करने की बजाय पुराने गानों की हिट लाइन को रखना ज़्यादा ठीक समझा।'

पुराने दिग्गजों की याद

टीवी रियलिटी शो में जुगाड़ कर 90 के लोकप्रिय गायक या पुराने किसी संगीतकार को आमंत्रित जज के तौर पर याद किया जाता है। ऐसे में गायक उदित नारायण, अलका याज्ञिक, साधना सरगम, कुमार शानू, सुरेश वाडकर, रूप कुमार राठौड़ और अभिजीत को उनकी मुंहमांगी फीस पर बुलाया जाता है। प्रायोजकों को यह बात समझ में आ गई है कि अगर वे अपने चार-पांच हिट गाने भी गा देते हैं, तो अच्छी टीआरपी मिल जाती है।

कुछ ही नए संगीतकारों में दम

नए संगीतकारों की निरर्थकता के चलते ही 90 के हिट गानों को एंट्री मिली है। असल में अमित त्रिवेदी, साजिद-वाजिद, विशाल-शेखर, अंकित तिवारी, प्रीतम जैसे नए दौर के संगीतकारों में जैसे ही कुछेक संगीतकार हैं, जो कभी-कभी कर्णप्रियता का दामन थाम लेते हैं।

निर्देशक भी कम जिम्मेदार नहीं

अपरिपक्व निर्देशक भी संगीत को संभालने में विफल साबित हुए। एकमात्र संजय लीला भंसाली ही इस मामले में काफ़ी उम्मीद जगाते हैं। उनकी फिल्मों में हमेशा दो-तीन सुरीले गाने होते हैं। फिल्म 'धुरंधर' में तीन-चार पुराने हिट गानों का बेहद बेहतरीन इस्तेमाल हुआ है। इसके निर्देशक आदित्य धर कहते हैं, 'सिचुएशन-बेस्ड नए गाने बनवाने की बजाय मुझे यह तरीका ज़्यादा अच्छा लगा। इसलिए मैंने हिट क़व्वाली 'ना तो कारवां की तलाश है' जैसे गानों को सिचुएशन के मुताबिक रखा।'

अब न्यूट्रल में गड़बड़ी से वायरिंग में लगी आग, उपभोक्ताओं को हुआ भारी नुकसान

19 जगह नए ट्रांसफारमर लगाने के बाद बिजली की समस्या कायम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। कभी ट्रांसफामर में आग, तो कभी बिजली के खम्बों से उठता धूवां, संत हिरदाराम नगर में बिजली समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले दिनों मिनी मार्केट के एक खम्बे में आग लग गई तो, उसके बाद कैलाश डेयरी के पास ट्रांसफारमर तक बिछाई गई नई केबिल धू-धूकर जलने लगी, और इस बार वन ट्री हिल्स क्षेत्र में खम्बो के न्यूटल में आई खराब के बाद कुछ घरों में वायरिंग जल गई, जिससे हजारों का नुकसान होने की खबर है, इधर 1.50 से उपनगर में ट्रांसफारमर लगने का सिलसिला तो जारी है, लेकिन बिजली की समस्या से फिर भी मुक्ति नहीं मिल रही है, कभी बिना सूचना के लाइट बंद हो रही है, तो कभी पावर की समस्या लोग शिकायत कर रहे हैं।

19 जगह नए ट्रांसफार्मर

इधर केन्द्र सरकार की एक स्कीम के बाद पिछले एक साल से संत हिरदाराम नगर में 1.50 करोड़ की लागत से विभिन्न जगहों पर ट्रांसफारमर बदलने का काम चल रहा है। अनेक जगहों पर नए ट्रांसफारमर भी लगाए गए हैं ऐसी कुल 19 जगहों हैं, जहां अतिरिक्त खम्बे लगाकर वहां ब्लू रंग के ट्रांसफारमर लगाए गए हैं, न केवल ट्रांसफारमर लगाए गए हैं बल्कि उनकी सुरक्षा के लिए लोहे की जाली के कवर भी स्थापित किए गए हैं, बावजूद इसके बिजली की समस्या का समाधान क्यों नहीं हो रहा है, इसका जवाब फिलहाल अधिकारियों के पास नहीं है, उनका कहना है कि कभी कभी 11 एवं 33केवी की लाइनों में फाल्ट के कारण बिजली बंद हो जाती है।

जल गए स्वीच और फिज

शुक्रवार को पाश ऐरिया वन ट्री हिल्स कालोनी के किसी खम्बे के न्यूटल में खराबी आ गई और उसने आग पकड़ी ली। हाद्सा इतना खतरनाक था, कि इस आग से कुछ घरों की बिजली की फिटिंग पर असर पड़ा। इस कालोनी में रहने वाले नव युवक सभा के अध्यक्ष समाज सेवी वासुदेव वाधवानी के घरों के बिजली के बटन जल गए और फ्रिज का कम्प्रेसर खराब हो गया इसके अलावा इंटरनेट की वायर भी पूरी तरह से जल गई, जिससे हजारों का नुकसान हुआ है गनीमत है कि आग ने खिड़की व दरवाजों के पर्दे को चपेट में नहीं लिया वरन् बहुत बड़ी घटना से बचना मुश्किल हो जाता। इस घटना के बाद वन ट्री हिल्स के पूरे इलाके की बिजली भी गुल हो गई।

उच्च शक्ति वाला सब स्टेशन

इधर बुधवार को विधान सभा में पेश बजट में उर्जा क्षेत्र में जहां जहां उच्च शक्ति के वाले विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण किया जाना है, उसमें कोलार के अलावा संत हिरदाराम नगर को भी शामिल किया गया है, अब बजट के आवंटन के बाद संभवतः इसी साल जून में इसका निर्माण कार्य प्रारंभ होने की उम्मीद है, जिसके बाद हो सकता है, कि इस क्षेत्र को लम्बे समय से चली आ रही बिजली की समस्या से मुक्ति मिले।

"शुक्रवार को वन ट्री हिल्स क्षेत्र में खम्बे के न्यूटल में खराबी के बाद हमारे घर का फ्रिज खराब हो गया, इंटरनेट की वायर जल गई और बटन भी जल गए इससे हजारों का नुकसान हुआ है।

वासुदेव वाधवानी, अध्यक्ष, नव युवक सभा

"खम्बे के न्यूटल में तकनीकी खराब से एक घर के इंटरनेट की वायर जलने की सूचना है, लेकिन न्यूटल में आई खराबी हो तत्काल दुरूस्त कर दिया गया कहीं पर भी अधिक नुकसान की खबर नहीं है।

- रजनीश रावत, प्रभारी अधिकारी बिजली विभाग

1100 मीटर लंबी चुनरी नर्मदा मैया को अर्पित, धार्मिक कार्यक्रम भी हुए

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। उपनगर के सैनिक कालोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर की तरफ से नर्मदा मैया को 1100 मीटर लम्बी चुनरी ओढ़ाई गई। बुधनी में क्षेत्र में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला। मंदिर के पुरानी रवि पटेरिया ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा बड़े उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई यह ऐतिहासिक चुनरी यात्रा बुधनी घाट आश्रम पहुंची, जहां ब्रह्मलीन संत सिद्ध योगी की पावन स्मृति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजन-पाठ संपन्न कराया गया। यात्रा की शुरुआत नुक्कड़ वाली माता मंदिर से हुई। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और नर्मदे हर के जयघोष के साथ सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष, युवा और बुजुर्ग श्रद्धालु हाथों में चुनरी थामे नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए घाट तक पहुंचे। पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंगा नजर आया। श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। आश्रम परिसर में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा विशेष पूजन, हवन और वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इसके उपरांत 1100 मीटर लंबी चुनरी को श्रद्धा और भावनाओं के साथ नर्मदा नदी को समर्पित किया गया। इस दौरान उपस्थित भक्तों ने मां नर्मदा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। आचार्य पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि यह पहली बार है जब मां नर्मदा को पूर्ण रूप से 1100 मीटर लंबी चुनरी अर्पित की गई है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक चेतना और सामूहिक आस्था का प्रतीक है। आयोजन के दौरान रामचरितमानस का पाठ किया गया तथा हवन-पूजन के साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हिंदू फैंस क्लब के अध्यक्ष हीरो हिंदू रोहित परमार, दयामेर, भूपेंद्र सिंह गुर्जर, राजू अहिरवार, अजय जैन, रामजी ठाकुर, अनीता मिश्रा, दीपाली दुबे, आचार्य जीवन प्रसाद तिवारी, सुरेंद्र राठौर सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित थे।

अंकसूचियां गुम सूचना

स्वामी दयानंद सरस्वती स्कूल ऑफ नर्सिंग भोपाल के सत्र 2020-21 ए.एन.एम द्वितीय वर्ष की अंकसूची मध्य प्रदेश नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल द्वारा दिनांक 09/06/2025 की जावक क्रमांक 8893 स्पीड पोस्ट ट्रैकिंग नंबर EI7900 56645IN विद्यालय में भेजी गई थी परंतु आज दिनांक तक प्राप्त नहीं है तथा मध्य प्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल भी वापस नहीं पहुंचा है।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील-सुठालिया जिला-राजगढ़ (म.प्र.)

E-mail : tehsuthaliya@gmail.com

क्रमांक 299/प्रवा./2025-26 दिनांक : 12.02.2026

प्रकरण क्रमांक-0104/अ-20(3)/2025-26

विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यकारी संचालक, एमपीआईडीसी भोपाल के द्वारा निर्धारित प्रारूप-01 पर ऑनलाइन आवेदन संख्या क्रमश: 0226030202048-APP-26924732 एवं मूल आवेदन पत्र के माध्यम से ग्राम कानडियाखेड़ी तहसील सुठालिया स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 11 रकबा 2.706 हैक्ट., 33/1 रकबा 4.275 हैक्ट., 63 रकबा 2.314 हैक्ट., 77 रकबा 0.848 हैक्ट., 161/2/2 रकबा 1.000 हैक्ट., 14 रकबा 2.314 हैक्ट., 39 रकबा 1.378 हैक्ट., 65 रकबा 0.076 हैक्ट., 79 रकबा 1.607 हैक्ट., 12/1/2 रकबा 4.244 हैक्ट., 33/2 रकबा 0.506 हैक्ट., 64 रकबा 0.645 हैक्ट., 78 रकबा 5.629 हैक्ट., 162 रकबा 1.429 हैक्ट., 15 रकबा 0.342 हैक्ट., 41 रकबा 0.595 हैक्ट., 69/1/1 रकबा 5.000 हैक्ट., 84/1/1 रकबा 0.760 हैक्ट., 1/1 रकबा 0.718 हैक्ट., 30 रकबा 0.417 हैक्ट., 49 रकबा 0.974 हैक्ट., 69/1/4 रकबा 5.591 हैक्ट., 158 रकबा 1.354 हैक्ट., 4 रकबा 0.519 हैक्ट., 32 रकबा 0.266 हैक्ट., 55 रकबा 0.404 हैक्ट., 76/1 रकबा 25.570 हैक्ट., 161/2/1 रकबा 1.470 हैक्ट., 20 रकबा 1.467 हैक्ट., 47 रकबा 0.253 हैक्ट., 69/1/4 रकबा 5.591 हैक्ट., 158 रकबा 1.354 हैक्ट., 4 रकबा 0.519 हैक्ट., 32 रकबा 0.266 हैक्ट., 55 रकबा 0.404 हैक्ट., 76/1 रकबा 25.570 हैक्ट., 161/1/1 रकबा 1.470 हैक्ट., 20 रकबा 1.467 हैक्ट., 47 रकबा 0.253 हैक्ट., 69/1/3 रकबा 4.000 हैक्ट., 155/1 रकबा 4.871 हैक्ट., 1/2 रकबा 2.000 हैक्ट., 31 रकबा 13.961 हैक्ट., 51 रकबा 0.354 हैक्ट., 69/2 रकबा 9.813 हैक्ट., 161 रकबा 10.061 हैक्ट. की भूमि औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को औद्योगिक विभाग की गतिविधियों के संचालन हेतु हस्तांतरित किये जाने हेतु प्राप्त हुआ है।

अत: भूमि हस्तांतरण किये जाने में किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से **दिनांक 25.02.2026 तक** को न्यायालय तहसीलदार तहसील सुठालिया जिला राजगढ़ (म.प्र.) में प्रात: 1.00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि उपरांत प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

इश्तहार आज दिनांक 12.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

न्यायालयीन मुद्रा

हस्ता/-
तहसीलदार
तहसील सुठालिया, जिला राजगढ़ (म.प्र.)

म.प्र. माध्यम/124564/2026

बाल विवाह रोकने प्रशासन अलर्ट, बैठक ली

जागरण, मंडीदीप। विवाह सीजन के चलते संभावित बाल विवाह की घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी तंत्र को सक्रिय कर दिया है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 3 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में महिला एवं बाल विकास

विभाग और कृषक सहयोग संस्थान (केएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में स्टेक होल्डर से बैठक की गई। बैठक में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। केएसएस के निदेशक डॉ. एचबी सेन ने बताया कि प्रोहिबिशन आफ चाइल्ड मैरिज एक्ट के तहत 21 वर्ष से कम आयु के युवक और 18 वर्ष से कम आयु की युवती का विवाह अवैध एवं दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की सूचना मिलते ही एसडीएम, थाना प्रभारी, परियोजना अधिकारी, चाइल्डलाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराई जानी चाहिए। यह केवल कानूनी दायित्व ही नहीं, बल्कि समाज की नैतिक जिम्मेदारी भी है। बैठक में बताया गया कि 'बाल विवाह मुक्ति' अभियान के तहत गांव-गांव जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य अभिभावकों को संवेदनशील बनाना और विवाह आयोजकों को कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना है। शौर्य दल एवं बाल संरक्षण समितियों को भी सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। सेक्टर सुपरवाइजर एम.एस. अहिरवार सहित 28 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर रोक तभी संभव है, जब समाज और प्रशासन मिलकर ठोस कदम उठाएं।

पौधरोपण की पांचवीं वर्षगांठ पर शिवराज को बधाई

जागरण संवाददाता, औबेदुल्लागंज। रोजाना पौधारोपण अभियान की पांचवीं वर्षगांठ पर नगर के भाजपा नेता गौरीशंकर नागर और कमलेश चौहान ने राजधानी पहुंचकर केंद्रीय

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को शुभकामनाएं प्रेषित की। आपको बता दें कि प्रकृति संरक्षण की दिशा में शिवराज सिंह चौहान का रोजाना पौधारोपण अभियान विगत पांच साल से जारी है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जन्मदिन, पुण्यतिथि और वैवाहिक आयोजन में सभी देशवासियों से एक पौधा लगाने की अपील विगत पांच साल से करते आ रहे हैं, उनके पदचिन्हों पर चलकर आज की युवा पीढ़ी उनके रोजाना पौधारोपण का अनुसरण करती देखी जा रही है।

परिशिष्ट B- संख्यांक 13

जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल

सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र, न्यायाधीश भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

आरसीएस ए/1392/2025

श्रीमती संगीता सिंह बनाम प्रतीक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल

NEXT DATE: 23-03-2026

प्रेषिती:- 1. श्रीमती नंदनी आकवंशी श्री दीपक आकवंशी पता-मकान नंबर-310, ई-6, अरेरा कालोनी, जनता कालोनी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र.। 2. श्रीमती दिव्या बावानी श्री अश्वनी बावानी पता-म.नं.-एच-7/14, वन ट्री हिल्स रोड, संत हिरदाराम नगर बैरागढ, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र.। 3. मिन्यूसिपल कार्पोरेशन भोपाल पता-द्वारा-अमित कुमार दुबे संरक्षिका उर्मिला दुबे निवासी म.नं.-22-बी, सईद हेमू कालानी, सहयोग विहार भोपाल म.प्र.।

यहकि प्रार्थी श्रीमती संगीता सिंह ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए/1392/2025 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 14-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

दीपक बंसल
सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 6600010240 आवेदन क्रमांक-11015, आवेदन दिनांक-09/02/2026

क्रमांक 1033/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 13/02/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की रक्षविहार योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक-240 सेक्टर-ए, आवंटी श्री पी.के. तिवारी एवं श्रीमती सविता तिवारी के संयुक्त नाम पर आवंटित है। संयुक्त आवंटी में से श्री पी.के. तिवारी का स्वर्गवास दिनांकः 04/03/2021 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसों में उनकी पत्नी श्रीमती सविता तिवारी, पुत्र श्री मनीष तिवारी एवं पुत्री श्रीमती प्रिया चंद्र शेखर पत्नी/पुत्र/पुत्री स्वर्ग. श्री पी.के. तिवारी द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसों की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड क्रमांक-240 सेक्टर-ए, का अपने संयुक्त नामों पर नामांतरण चाहा गया है। आम सूचना 02 समाचार पत्रों में प्रकाशित करावे। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

जुआ सट्टा के खिलाफ अभियान, 15 दिनों में 55 लाख का माल जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश पुलिस ने 15 दिनों जुआ एवं सट्टा के खिलाफ कार्यवाही कर 55 लाख रूपए से अधिक की नगदी, वाहन, मोबाइल एवं अन्य सामग्री जप्त की है। पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार गुना में क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले गिरोह के 22 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर 15 लाख का माल बरामद किया गया। इसी तरह दतकिया में 26 आरोपियों से 4 लाख 10 हजार, मंडला में 7 जुआरियों से 3 लाख की नगद राशि जप्त की गई। इसके अलावा पन्ना, बैतूल, ग्वालियर में भी पुलिस ने दबिश देकर लाखों का माल बरामद किया है।

श्रीमद् भागवत कथा के लिए हुआ ध्वजारोहण

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। चैत्र माह की शुरूआत के पहले ही जगह जगह धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया है, जहां एयरपोर्ट के समीप इन दिनों श्रीमद भागवत कथा का आयोजन चल रहा है, वहीं संत

हिरदाराम नगर के ओल्ड डेयरी फार्म स्थित ग्राउंड पर 10 से 16 मार्च तक भव्य श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत ने बताया कि इस आयोजन को भव्य स्वरूप देने एवं सफलता के लिए वरिष्ठ जनों एवं सदस्यों द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न हो ऐसी प्रार्थना की। राहुल राजपूत आयोजन समिति के अध्यक्ष हैं, ने बताया कि आगामी 10 मार्च से संत हिरदाराम नगर में चित्रकूट से राष्ट्रीय संत आचार्य कृपाशंकर महाराज जी के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसका शहर के धर्मप्रेमी बंधु लाभ उठाएँगे। ध्वजारोहण स्थापना में गणमान्य नागरिक आरएन वर्मा, राजकुमार अग्रवाल, कमल विघानी, मोहन लालवानी, राजू वर्मा, प्रदीप विश्वास, जगदीश नागर, पंडित मनोज शास्त्री ,आरएस मारण, शिव मिश्रा, शंकर मेंघानी, सोनू सिंह, मनीष शर्मा आदि मौजूद थे।

न्यायालय अपर तहसीलदार राजधानी परियोजना टी टी नगर भोपाल

(शेड नं. 06 बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल)

न.अ.प्र.क्र. 40/अ-20(1)/2025-26

/ / इश्तहार / /

आयुक्त नगर निगम भोपाल द्वारा ग्राम शहर भोपाल स्थित भूमि खसरा नंबर 1416, 1421, 1947/1413, 1414, 1415, 1422 में से रकबा 24.353 हे. भूमि शहरी गरीबो के लिये आवास निर्माण हेतु नगर निगम भोपाल के पक्ष में भूमि आवंटन हेतु नजूल निर्वर्तन निर्देश 24/09/2020 के अनुसार प्रारूप 1 में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकरण में 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
टी.टी. नगर वृत्त भोपाल

नंबर ए-34015/4/2021-ईएसटीटी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

दिनांक, 20 फरवरी, 2026

प्रतिनियुक्ति रिक्ति नोटिस नंबर 02/2026

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में प्रतिनियुक्ति आधार पर नीचे दी गई खाली जगहों को भरने के लिए आवेदन मंगाए गए हैं।

सं.क्र.	पोस्ट का नाम	पे स्केल	पोस्ट की संख्या
1	रजिस्ट्रार (लॉ)	लेवल-15 (182200-224100)	01

2.विस्तृत पात्रता अर्हता और आवेदन पत्र का प्रारूप एनएचआरसी की वेबसाइट [www.nhrc.nic.in] पर उपलब्ध है।

3. जिन पात्र आवेदकों को चयन के बाद तुरंत नियुक्त किया जा सकता है, उनके आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों के साथ 31.03.2026 तक अंडर सेक्रेटरी (एस्टैब्लिशमेंट) एनएचआरसी, मानव अधिकार भवन,'सी' ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स,नई दिल्ली-110023 को भेजे जा सकते हैं।

(मुकेश कुमार)
अंडर सेक्रेटरी (ईएसटीटी)
फोन: 011-24663278

CBC 53101 /11 / 0009 /2526

SUDOKU 154

	8					2	4	
1	3				6			7
			2	8		3		
		4					8	
7	9	3				6	1	2
	1					4		
		1		5	4			
5			9				2	4
	4	8					7	

SOLUTIONS 153

7	2	1	4	5	9	8	6	3
5	3	9	7	6	8	4	1	2
6	8	4	2	1	3	9	7	5
2	4	6	3	9	7	5	8	1
9	1	8	5	4	6	2	3	7
3	7	5	1	8	2	6	4	9
1	9	3	8	2	4	7	5	6
4	6	7	9	3	5	1	2	8
8	5	2	6	7	1	3	9	4

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : मन थोड़ा बेचैन रह सकता है। खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं, जिससे टेंशन हो सकती है। कुछ ऐसे काम करने पड़ सकते हैं जो आपको पसंद न हों, लेकिन मजबूरी में करना पड़ेगा।

वृषभ : पैसों के मामले में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। अचानक पैसा आने की खुशी मिलेगी, लेकिन खर्च भी उसी तेजी से निकल सकता है।

मिथुन : सेहत थोड़ी ढीली रह सकती है। थकान, नींद की कमी या सिरदर्द परेशान कर सकता है। नौकरी में आज नए काम की शुरुआत न करें।

कर्क : सेहत पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी है। लव लाइफ और बच्चों से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है, जिससे मन हल्का रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर सफाई देनी पड़ सकती है।

सिंह : आज पेट से जुड़ी दिक्कत या कमजोरी महसूस हो सकती है। चोट लगने या फिसलने से बचें। जीवनसाथी के साथ समय बिताएं, रिश्ते मजबूत होंगे। खानपान पर ध्यान दें।

कन्या : आज आपके व्यवहार में सख्ती दिख सकती है। नए निवेश से फिलहाल दूरी रखें। कामकाज ठीक रहेगा, पर नया बिजनेस शुरू न करें।

तुला : दांपत्य जीवन में खटास आ सकती है। गलतफहमी से दूरी बढ़ सकती है। सेहत मध्यम रहेगी। ऑफिस या राजनीति से जुड़े लोगों को आज पहचान और प्रभाव मिल सकता है।

वृश्चिक : बेचैनी और उलझन बनी रह सकती है। खर्च ज्यादा होंगे, जिससे मन परेशान रहेगा। सट्टा या जोखिम वाले निवेश से दूर रहें। धैर्य से काम लेंगे तो नुकसान से बच सकते हैं।

धनु : आज गुस्सा कंट्रोल में रखना जरूरी है। पैरों में दर्द या चोट लगने की आशंका है। सेहत थोड़ी कमजोर रह सकती है।

मकर : बच्चों की सेहत या पढ़ाई को लेकर चिंता रह सकती है। लव लाइफ में मनमुटाव हो सकता है। घर का माहौल थोड़ा भारी रह सकता है।

कुंभ : आज सेहत कमजोर रह सकती है। नाक, कान या गले से जुड़ी दिक्कत हो सकती है। भाई-बहन को लेकर मन परेशान रहेगा।

मीन : खर्च बढ़े रहेंगे। सिरदर्द, आंखों में जलन या घबराहट महसूस हो सकती है। लव लाइफ और बच्चों से जुड़ी बातों में परेशानी रहेगी। मन में डर या बेचैनी बनी रह सकती है।

आज का पंचांग: 21 फरवरी शनिवार 2026। दिशाशूल : पूर्व कल की भद्रा : दोपहर 01 बजकर 02 मिनट तक। **विशेष : पंचक** (सायं 07 बजकर 08 मिनट तक) विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 13 घंटे 02 मिनट तक, तत्पश्चात पंचमी रेवती नक्षत्र 19 घंटे 08 मिनट तक, तत्पश्चात अश्विनी नक्षत्र शुभ योग 15 घंटे 51 मिनट तक, तत्पश्चात शुक्ल योग मीन के चंद्रमा 19 घंटे 08 मिनट तक तत्पश्चात मेष में।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक 195/का.यं.-1/ई-निविदा/ भोविप्रा/2026 भोपाल, दिनांक : 20.02.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदारों एवं मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित फर्मों से पंजीयन मानदंडों को पूर्ण करने की शर्त पर ऑनलाइन प्रतिशत दर निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :-

निविदा का सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत पी.ए.सी. (रुपये)	अर्नेस्ट मनी डिपोजिट ई.एम.डी. (रुपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	कार्य पूर्ण करने हेतु निर्धारित समयावधि
2026_DTCP_484087	जोन क्रमांक 21 वार्ड क्र. 32 में टी.टी. नगर गुरुद्वारे के पास सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य।	8,47,451.00 लाख + जी.एस.टी.	16,950/-	2000/- + जी.एस.टी.	06 माह वर्षाकाल सहित

1. इच्छुक निविदाकार निविदा सूचना **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** वेबसाइट पर देख सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं पोर्टल फीस की राशि के माध्यम से उल्लेखित वेबसाइट पर भुगतान कर दिनांक 21.02.2026 को 15:30 बजे से दिनांक 06.03.2026 को 15:00 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं, अन्य Key Dates उल्लेखित वेबसाइट/निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती हैं।
3. निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित न करते हुए केवल उल्लेखित वेबसाइट पर ही सूचित किए जाएंगे।
4. राशि रु. 100/- मूल्य का शपथ पत्र (एफिडेविट) जो एनेक्सर - बी अनुसार प्रारूप में नोटरीकृत हो, तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज एवं इलेक्ट्रॉनिक निविदा राशि (EMD) ऑनलाइन निविदा के साथ अनिवार्यत: अपलोड किया जाएं। यदि कोई निविदाकर उपरोक्तानुसार दस्तावेज अपलोड करने में असफल रहता है तो उसकी निविदा/प्रस्ताव अयोग्य घोषित कर दी जावेगी।
5. परफार्मेंस सिक्योरिटी/एडिशनल परफार्मेंस सिक्योरिटी हेतु बैंक गारंटी के स्थान पर FDR/TDR जमा किया जाना अनिवार्य है।

कार्यपालन यंत्री
संभाग क्र. 1, भोपाल

म.प्र. माध्यम/124571/2026

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

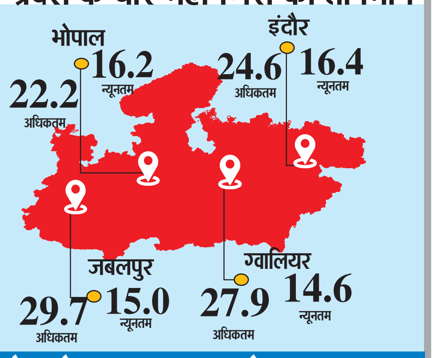

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.4	12.8
मुंबई	32.9	22.1
चेन्नई	36.0	19.5
कोलकाता	31.6	19.2

सूर्यास्त 6:19 PM
सूर्योदय 6:50 AM
चन्द्रोदय 08:26 AM
चन्द्रास्त 09:08 PM

सिस्टम की छत में छेद, एक हाथ से भीगने से बचाई कॉपी दूसरे से लिखा भविष्य, शाजापुर में बदहाली की बोर्ड परीक्षा!

जागरण शाजापुर। मध्यप्रदेश में स्कूल चलें हम और सब पढ़ें, सब बढ़ें, जैसे नारों की जमीनी हकीकत क्या है? इसकी एक शर्मनाक तस्वीर शुक्रवार को शाजापुर के एक गांव से सामने आई। जब सूबे के नौनिहाल अपने जीवन की अहम बोर्ड परीक्षा दे रहे थे, तब उनके सिर पर पक्की छत नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग की लापरवाही टपक रही थी। बच्चों को टाटपट्टी पर बैठाकर परीक्षा ली जा रही थी और ऊपर से बारिश का पानी उनके पर्चों को भिगो रहा था। यह वही स्कूल है जिसने महज तीन दिन पहले बच्चों के हाथों में झाड़ू थमाकर उनसे शौचालय साफ करवाया था।

बदहाली के बीच बोर्ड का इम्तिहान

ग्राम पिपलिया गोपाल स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया था। दोपहर 2 बजे से 5 बजे की पाली में 144 विद्यार्थी हिंदी का अपना पहला पेपर देने पहुंचे थे। स्कूल में न तो बैठने के लिए बेंच थीं और न ही पर्याप्त इंतजाम। मजबूरन बच्चों को नीचे फर्श पर टाटपट्टी बिछाकर बैठाया गया।

बाल्टी और मग के सहारे सिस्टम

परीक्षा शुरू हुए कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। बारिश आते ही स्कूल की जर्जर इमारत जवाब दे गई और छत से पानी क्लासरूम में टपकने लगा। हालात इतने बेकाबू हो गए कि शिक्षकों को पानी रोकने के लिए क्लास के बीचों-बीच बाल्टी और मग रखने पड़े।

तस्वीरों में कैद दर्द

छत से टपकता पानी सीधे बच्चों के कपड़ों और उनकी कॉपियों पर गिर रहा था। नीचे बिछी टाटपट्टी और फर्श पूरी तरह जलमग्न हो गए थे। बच्चे 3 घंटे तक सिकुड़कर, एक हाथ से अपनी कॉपी बचाते परीक्षा देने को मजबूर रहे। भारी अव्यवस्था पर जब स्कूल की शिक्षिका शबाना परवीन से सवाल किया तो उनका जवाब भी सिस्टम की तरह ही गैर-जिम्मेदाराना था। उन्होंने कहा, हमें बारिश होने का अंदेशा नहीं था। जैसे ही परीक्षा शुरू हुई, अचानक बारिश आ गई और छत के रास्ते क्लास में पानी भरने लगा। यह बयान अपने आप में सवाल खड़े करता है कि क्या बारिश न होने पर ही ये जर्जर छतें सुरक्षित मानी जाती हैं?

अवैध कनेक्शन हटाने गई बिजली टीम से मारपीट की, जान बचाने थाने पहुंचे

दमोह में जांच के दौरान पथराव, सात पर केस

जागरण, दमोह। प्रदेश में सरकारी अमले पर हमले के मामले बढ़ते जा रहे हैं। दमोह कोतवाली थाना क्षेत्र के गढ़ी मोहल्ला में शुक्रवार दोपहर बिजली विभाग की टीम पर हमला किया गया। अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन हटाने गए कर्मचारियों के साथ मारपीट और पथराव किया। जान बचाने के लिए टीम भागकर थाने पहुंची। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस ने मामले में करीब सात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। मेंटेनेंस अधिकारी एमएस राय ने बताया कि अधिकारियों के निर्देश पर उनकी टीम गढ़ी मोहल्ला में चेकिंग के लिए गई थी। वहां बूटी खान नामक महिला खंभे से सीधे डोरी डालकर अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रही थी। कर्मचारियों ने जब यह डोरी हटाई, तो महिला और उनके परिजनों शायरा बानो, अजीज खान, सोनू और सप्पू ने विवाद शुरू कर दिया।

आरोपियों ने मारपीट कर पथराव किया और मोबाइल फोन तोड़ दिए। हमले में कनिष्ठ अभियंता शिवानी गुप्ता, पूजा, राजेश व्यास, लाइनमैन गुरदीप सिंह और हेमराज शामिल थे। स्थानीय लोगों ने बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपी लगातार मारपीट करते रहे। घटना के दौरान कर्मचारियों ने अपने मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की, जिसे आरोपियों ने छीन लिया। हालांकि, अन्य कर्मचारियों की ओर से बनाए गए वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। अपनी जान बचाकर भागे सभी कर्मचारी कोतवाली पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सीएसपी एचआर पांडे ने बताया कि सात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

शिवलिंग पर बाघ ने रगड़ा सिर, जंगल की ओर नहीं जाने की चेतावनी दी

जागरण, कटनी। जिले की ढीमरखेड़ा तहसील के सडार जंगल का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक बाघ जंगल में स्थित प्राचीन शिवलिंग के पास पहुंचकर काफी देर तक अपना सिर और जीभ रगड़ता दिखाई दे रहा है। घटना स्थल गांव से महज 400 मीटर दूर बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में दहशत और चर्चा है। कुछ लोग इसे आस्था से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि वन विभाग का कहना है कि जंगली जानवर अक्सर अपनी गंध छोड़ने या खुजली मिटाने के लिए पत्थर या ठोस सतहों से शरीर रगड़ते हैं। पान उमरिया रेंज अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि गश्ती दल लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहा है। ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने और सतर्क रहने की सलाह दी है। सडार और आसपास के इलाकों में बाघों की आवाजाही पहले भी देखी जाती रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यांत्रिक विभाग), भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 93/यां.वि./2026 भोपाल, दिनांक 17/2/2026

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्रमांक	निविदा क्रमांक	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रु. में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
1	2026_UAD_483285_1	ASPHALTING WORK AT BALMUKUND BAGIYA TO JAIN MANDIR SQUARE WARD NO.21 Z-02	7,61,160/-	04-Mar-2026	05:30 PM
2	2026_UAD_483162_1	ASPHALTING OF ROAD AT DAYANAND CHOWK TO PITAL NAGRI SQUARE PEER GATE WARD NO.21 Z 02	6,85,044/-	04-Mar-2026	05:30 PM
3	2026_UAD_483106_1	ASPHALTING WORK AT MALIPURA ROAD TO PEER GATE SQUARE WARD NO.21 Z 02	4,18,893/-	04-Mar-2026	05:30 PM
4	2026_UAD_483085_1	CONSTRUCTION OF C.C. ROAD FROM MATA MANDIR TO CHOKSEY JI HOUSE AT CHOKSEY NAGAR WARD 15 ZONE 04	7,88,882/-	04-Mar-2026	05:30 PM
5	2026_UAD_482842_1	ASPHALTING WORK AT ANCHETRA TO SIDHI MARKET SQUARE PURANA KABADKHANA WARD NO 21 Z 02	22,83,480/-	17-Mar-2026	05:30 PM
6	2026_UAD_482880_1	CONST. OF C.C ROAD AT MATHUR SAB SQUARE TO BHAGAT SINGH PARK GATE WARD NO 10 Z 02	30,10,602/-	17-Mar-2026	05:30 PM
7	2026_UAD_482898_1	CONST.OF C.C ROAD AT MANDIR TO BHAGAT SINGH PARK DR. COLONY IDGAH HILLS WARD NO 10 Z 02	27,08,041/-	17-Mar-2026	05:30 PM
8	2026_UAD_482854_1	ASPHALTING WORK AT SWETA BHOJNALAY TO MANNUMAL DHARMSHALA LAKHERAPURA ROAD WARD NO 21 Z 02	12,05,170/-	17-Mar-2026	05:30 PM
9	2026_UAD_482832_1	ASPHALTING WORK AT DAYANAND CHOWK TO KAJIPPURA TO BALAJI CHAT BHANDAR SQUARE WARD NO 21 Z 02	11,41,740/-	17-Mar-2026	05:30 PM

नोट – संशोधन वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

नि.क्र. 3185/025/026

कार्यपालन यंत्री (सिविल),
नगर निगम भोपाल

मंदिर में शपथ लेकर ब्राह्मण-क्षत्रियों ने किया जाटव समाज का बहिष्कार

भिंड में एससी-एसटी एक्ट में दर्ज एफआईआर का विरोध

जागरण, भिंड। ब्राह्मण-क्षत्रियों ने मंदिर में शपथ लेकर जाटव समाज के सामाजिक बहिष्कार का ऐलान किया। मामला भिंड जिले के कोंहार गांव का है। यहां शुक्रवार सुबह गांव के हनुमान मंदिर पर जुटे ब्राह्मण-क्षत्रिय समाज सहित अन्य वर्गों के लोगों ने शपथ लेकर सामाजिक संबंध समाप्त करने की घोषणा की। ग्रामीणों ने इसे हाल ही में दर्ज हुई एससी-एसटी एक्ट की एफआईआर और कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में उठाया गया कदम बताया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि जाटव समाज के कुछ लोगों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं तथा ब्राह्मण-क्षत्रिय समाज और मनुवाद को लेकर विरोध जताया। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से शपथ ली कि वे जाटव समाज के लोगों के साथ सामाजिक मेलजोल नहीं रखेंगे। इसमें उनके घर आना-जाना बंद करना, सभी संबंध समाप्त करना तथा खेतों में कामकाज से जुड़े संपर्क भी खत्म करने जैसे निर्णय लिया गया है।

रिटायर्ड फौजी ने खुद को गोली मारी, तीन फीट दूर मिली आंख

सिर पर राइफल सटाकर दबाया ट्रिगर, चेहरा-सिर का हिस्सा उड़ा

जागरण, ग्वालियर। शराब के नशे में एक रिटायर्ड फौजी ने अपनी लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बिस्तर पर बैठकर लाइसेंसी राइफल की नली सिर के पास सटाकर ट्रिगर दबा दिया। गोली लगते ही सिर और चेहरे का ऊपर का हिस्सा उड़ गया। मांस के चीथड़े दीवार और छत पर चिपके मिले और एक आंख 3 फीट दूर मिली है। मृतक की पहचान श्याम बिहारी भदौरिया निवासी शताब्दीपुरम के रूप में हुई। वे मूल रूप से भिंड जिले के तुकेड़ा, मालनपुर के निवासी थे। घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मामला महाराजपुरा थाना क्षेत्र का है। परिजनों ने बताया कि रात को खाना खाने के बाद वे अपने कमरे में सोने चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। रात करीब 1.30 से 2 बजे कमरे से गोली चलने की आवाज आई। आवाज सुनकर पत्नी और बच्चे कमरे में पहुंचे। दरवाजा खोलते ही उन्होंने देखा कि श्याम बिहारी बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े थे, उनके पास में .315 बोर की राइफल पड़ी थी। परिजन ने फौरन महाराजपुरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटना के बाद जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। फोरेंसिक टीम ने बिस्तर और दीवार, छत से सबूत जुटाए हैं। साथ ही राइफल से फिंगरप्रिंट लिए हैं। स्पॉट से तीन फीट दूर उसकी आंख पड़ी मिली है। पुलिस ने परिजनों से वारदात के बारे में पूछताछ की।

मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल

M.P. Online Help Line 0755-6720200

भोपाल के विभिन्न स्थानों पर भवन/भूखण्ड/ऑफिस हॉल एवं रायसेन में ईडब्ल्यूएस भवन यथा स्थिति में ऑफर के माध्यम से विक्रय हेतु उपलब्ध

ई-ऑफर 16.03.2026 (रात्रि 23:59 बजे तक)

क्र.	योजना का नाम	उपलब्ध भवन क्रमांक	भवन का निर्मित क्षेत्रफल (व.मी.)	युक्तियुक्तकरण में अपसेट मूल्य (रु. लाख)	धरोहर राशि (रु. लाख)	आवेदन शुल्क (रु./जी.एस.टी. सहित)
	द्वारिका परिसर अरविन्द विहार बागमुगालिया भोपाल में फ्लैट					
1.	HIG 2BHK (4th Floor)	516, 517	92.68	32.12	6.43	2360/-
2.	HIG 2BHK (5th Floor)	615, 616, 618, 619, 620 (कुल 05)	92.68	32.12	6.43	2360/-
3.	Office Hall (Block-E)	2, 4, 8, 10, 12 (कुल 05)	186.00	157.72	23.66	4720/-
4.	Office Hall (Block-E)	3, 7, 9, 11 (कुल 04)	195.00	157.72	23.66	4720/-
5.	पूर्वांचल परिसर बागमुगालिया के फ्लैट 3BHK	301, 304, 402 403 (कुल 04)	110.50	35.31	7.06	2360/-
6.	कृषि उपज मंडी के पास रायसेन में ई.डब्ल्यू.एस. आवासीय भवन.	23, 28, 35 से 39, 66 से 74, 76 से 80, 87 से 89 एवं 91 से 93, 83, 84, 86, 94 से 97, 100, 101, 21, 40, 65, 82 एवं 101-ए	20.28	4.19 से 4.44 तक	0.84 से 0.89 तक	590/-
7.	"आम्रपाली आर्केड व्यावसायिक परिसर" बागमुगालिया एक्सटेंशन भोपाल में ऑफिस चैम्बर.	ए-9 एवं ए-10, ए-12, ए-2 एवं ए-11, ए-5 एवं ए-8, ए-6 एवं ए-7, सी-1, सी-2, सी-4, सी-5, सी-6 सी-8	16.94 से 37.62	9.96 से 22.15 तक	1.99 से 4.43 लाख तक	1770/-

व्यावसायिक/शाला भूखण्ड, अयोध्या नगर, भोपाल

क्र.	योजना का नाम	उपलब्ध भूखण्ड का क्षेत्रफल (व.मी.)	युक्तियुक्तकरण में अपसेट मूल्य (रु. लाख)	धरोहर राशि (रु. लाख)	आवेदन शुल्क (रु./जी.एस.टी. सहित)
1.	भूखण्ड एम-सेक्टर (सरस्वती स्कूल के पास)	भूखण्ड का क्षेत्रफल- 2352.00 व.मी.	रु. 916.67लाख	रु. 137.50 लाख	5900/-
2.	भूखण्ड के-सेक्टर (एच.आई.जी. 20 के पास)	भूखण्ड का क्षेत्रफल-1848.00 व.मी.	रु. 721.06 लाख	रु. 108.16 लाख	5900/-
3.	शाला भूखण्ड जी-सेक्टर	भूखण्ड का क्षेत्रफल-4298.70 व.मी.	रु. 247.07 लाख	रु. 37.06 लाख	2360/-

नोट :- (1). ऑफर स्वीकृत होने पर रु. 50.00 लाख या उससे अधिक की अपसेट मूल्य की संपत्ति की शेष राशि 3 आसान किस्तों में भुगतान करने की विशेष सुविधा। (2). संपत्ति के ऑफर स्वीकृति उपरांत ऑफरकर्ता द्वारा ऑफर निरस्त कराने पर मण्डल नियमानुसार धरोहर राशि की 50 प्रतिशत राशि जब्त कर ली जावेगी। (3). ऑफर प्रस्तुत करने के पूर्व स्थल/संपत्ति का अवलोकन कर लें। (4). शासन/मण्डल द्वारा निर्धारित लीजरेन्ट एवं प्रकोष्ठ भवनों के मूल्य का 5% कार्पस फंड एवं अन्य कर/शुल्क पृथक से देय होंगे। (5). आवेदन शुल्क एवं धरोहर राशि ONLINE /RTGS से जमा होगी। रजिस्टर्ड मोबाइल पर BID-ID प्राप्त होगी। (6). आवेदन धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि 16.03.2026. (7). ऑफर डालने की अंतिम तिथि 17.03.2026 सायं 5.00 तक। (8). ऑफर दिनांक 18.03.2026 को सायं 3.00 बजे खोले जावेगे। (9). मण्डल/शासन के नियम/शर्त लागू। (10) योजना की विस्तृत जानकारी वेबसाइट **www.mphousing.in** पर उपलब्ध।

संपर्क :- एम.पी. खरे (सहायक यंत्री) मो. 9827290842 (अयोध्या हेतु), संतोष चतुर्वेदी (उपयंत्री) मो. 9406912066 (बागमुगालिया हेतु), श्रीमती स्नेहा सोनी (संपदा प्रबंधक) मो. 9713055625, श्रीमती राजकुमारी मालयान (संपदा प्रबंधक) मो. 9826853657.

Visit us : www.mphousing.in
म.प्र. माध्यम/124576/2026

(राजेश शुक्ला, संपदा अधिकारी)
प्रक्षेत्र-2, भोपाल। मो. 9425012768

ऑनलाइन भुगतान में असुविधा होने पर
Whatsapp Helpdesk Number 7974264023

पंजीकृत आवंटी अब अपनी समस्त देय राशि का भुगतान मंडल के मोबाइल एप (MPHIDB_GEO जो Google Play Store पर उपलब्ध है) के माध्यम से भी कर सकते हैं। दिये गये QR-Code को स्कैन कर भी एप डाउनलोड कर सकते हैं।

Follow us on
/mphidb
/mphidb

बिजनेस प्लस

आईडीबीआई की 'आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट' योजना शुरू

नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक ने ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 'आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट' योजना शुरू की है। यह एक अनोखी सावधि जमा योजना है, जिसमें सुनिश्चित प्रतिफल के साथ स्वास्थ्य बीमा कवरेज भी दिया जाता है। इस योजना के तहत ग्राहक 370 दिनों के लिए 7.50 लाख की निश्चित राशि जमा कर सकते हैं। इसके बदले उन्हें फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज के साथ 15 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। यह बीमा कवर बैंक के बीमा भागीदार *केयर हेल्थ इंश्योरेंस* द्वारा प्रदान किया जाएगा। यह योजना 18 वर्ष से 58 वर्ष 11 माह तक की आयु के निवासी व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।

टाटा ईवी ने नए पंच ईवी के साथ मुख्यधारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को दी नई गति

नई दिल्ली। टाटा ईवी ने भारत में नए पंच ईवी को लॉन्च कर इलेक्ट्रिक वाहनों को आम उपभोक्ताओं के और करीब ला दिया है। यह कार किफ़ायती कीमत, बेहतर रेंज और भरोसेमंद बैटरी समाधान के साथ पेश की गई है। लगभग 355 किलोमीटर की वास्तविक उपयोग रेंज, तेज़ चार्जिंग क्षमता और अनलिमिटेड किलोमीटर वाली लाइफटाइम बैटरी वारंटी इसे रोज़मर्रा और अंतरशहरी यात्राओं के लिए उपयुक्त बनाती है। इसकी शुरुआती कीमत 9.69 लाख रुपए रखी गई है, वहीं बैटरी-एज़-ए-सर्विस विकल्प के तहत कम शुरुआती लागत का विकल्प भी उपलब्ध है। नई पंच ईवी आधुनिक एक्टी ईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित है और दो बैटरी विकल्पों के साथ आती है, जिससे रेंज की चिंता कम होती है। टाटा ईवी का व्यापक चार्जिंग नेटवर्क और सुपरफास्ट चार्जिंग हब ग्राहकों को सहज और भरोसेमंद अनुभव प्रदान करते हैं। यह लॉन्च भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

फोनपे ने यूपीआई भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया शुरू

नई दिल्ली। फ़ोनपे ने यूपीआई भुगतान को और तेज, सुरक्षित और आसान बनाने के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण सुविधा लॉन्च की है। इस नए फीचर के ज़रिए उपभोक्ता अब पांच हजार रुपए तक के लेनदेन के लिए यूपीआई पिन की जगह उंगली के निशान या चेहरे की पहचान का उपयोग कर सकेंगे। यह सुविधा स्मार्टफ़ोन में मौजूद डिवाइस-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली पर आधारित है, जिससे भुगतान का अनुभव एक-स्पर्श में पूरा हो जाएगा। इस पहल का उद्देश्य पिन भूलने, गलत पिन डालने या भीड़भाड़ में पिन दिख जाने जैसी समस्याओं को खत्म करना है। साथ ही, यदि किसी कारणवश बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण असफल होता है, तो उपयोगकर्ता के पास पिन के माध्यम से भुगतान करने का विकल्प भी रहेगा।

भारत-विस्तार प्लेटफॉर्म 24×7 किसानों को देगा मदद

जयपुर। कृषि क्षेत्र में एआई आधारित डिजिटल क्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जयपुर में भारत-विस्तार प्लेटफॉर्म का औपचारिक शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित यह एआई-संचालित किसान-केंद्रित डिजिटल प्लेटफॉर्म देशभर के किसानों को 24*7 स्मार्ट सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया। लॉन्च समारोह राज्य संस्थान कृषि प्रबंधन, दुर्गापुरा (जयपुर) में आयोजित हुआ, जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, सांसद, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान वर्चुअली और प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए। लॉन्च के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत-विस्तार किसानों के लिए एक डिजिटल कृषि सलाहकार की तरह कार्य करेगा, जो फोन कॉल, चैटबॉट और भविष्य में मोबाइल ऐप के माध्यम से मौसम, मंडी भाव, कीट-रोग प्रबंधन, मिट्टी की जानकारी, फसल सलाह और सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा एआई फॉर एग्रीकल्चर रोडमैप का भी अनावरण किया गया। साथ ही एआई हैकथॉन और एग्रीकोष की घोषणा कर कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल की गई। प्रारंभिक चरण (फेज-1) में यह सुविधा हिंदी और अंग्रेज़ी भाषाओं में शुरू की गई है तथा महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात सहित कई राज्यों के लाखों किसानों को इससे जोड़ा है। आगामी चरणों में इसे अधिक भारतीय भाषाओं और अन्य राज्यों तक विस्तार देने की योजना है, ताकि यह राष्ट्रीय स्तर का कृषि डिजिटल नेटवर्क बन सके।

बाजार पर नजर

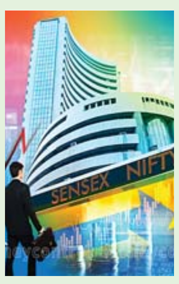

शेयर बाजार में आज

316

82,814

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Hindalco	937.70	3.32%
NTPC	373.65	2.68%
Larsen	4,390.00	2.34%
SBI Life Insura	2,083.30	1.81%
Coal India	425.50	1.78%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Tech Mahindra	1,477.30	-1.51%
Infosys	1,365.00	-1.28%
Grasim	2,890.00	-1.10%
HCL Tech	1,455.00	-0.96%
Eternal	272.50	-0.85%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	90.980
यूरो	107.06
येन	0.5856
पौंड	122.54

अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने करीब 11 करोड़ रुपये का किया घोटाला

नई दिल्ली, जेएनएन। अपने देश में कर्मचारियों के बिना काम पर गए सैलरी लेने के मामले आते रहते हैं। लेकिन अमेरिका में एक गजब मामला देखने को मिला है। भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने अपने दोस्त को ऐसी नौकरी दिलाई कि उसे बिना किसी काम के हर साल 90 लाख रुपये मिलते रहे। चार साल की नौकरी के दौरान उसने कोई काम नहीं किया और उसे सैलरी के साथ-साथ हर साल इंक्रिमेंट और बोनस भी मिला। नौकरी दिलाने वाले शख्स ने अपने दोस्त को इस नौकरी पर रखने के लिए उससे हर साल आधी सैलरी वसूली। मिनीपोलिस में यूएस एटॉर्नी ऑफिस के मुताबिक 47 साल के करण गुप्ता को

फेडरल कोर्ट ने इस घोटाले का दोषी पाया है। गुप्ता अमेरिका की एक हेल्थकेयर फर्म में यूनाइटेड हेल्थ की सहयोगी कंपनी ऑप्टम में डेटा एनालिटिक्स विभाग में सीनियर डायरेक्टर था। इसी दौरान उसने अपने दोस्त को यह नौकरी दिलाई थी और इसके बदले में 45 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। ऑप्टम में गुप्ता की सालाना सैलरी 260,000 डॉलर यानी करीब 2.3 करोड़ रुपये थी। लेकिन ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में वह बुरी तरह फंस गया।

कैसे किया घोटाला?

कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक गुप्ता ने 2015 में अपने एक दोस्त को ऑप्टम में डेटा इंजीनियरिंग विभाग में मैनेजेरियल रोल में भर्ती किया। हालांकि उसका दोस्त के पास इस नौकरी के लिए जरूरी क्वालिफिकेशन नहीं थी। गुप्ता ने फर्जी रेज्यूम बनाकर अपने दोस्त को यह नौकरी दिलाने में मदद की। दोस्त की रिपोर्टिंग सीधे गुप्ता के पास थी और वह कंपनी में किसी और से नहीं मिलता था। करीब चार साल तक दोस्त ने कोई काम नहीं किया। इस दौरान उसे शुरू में सालाना 1 लाख डॉलर का पैकेज मिला जो हर साल बढ़ता गया। हर साल गुप्ता ने अपने दोस्त की आधी सैलरी हड़पी। दोनों ने फर्जी भुगतान को छिपाने के लिए भी गजब के तरीके अपनाए। शुरुआत में दोस्त न्यू जर्सी में कैश निकालता था और इसे गुप्ता के बैंक ब्रांच में जमा करता था ताकि वह कैलिफोर्निया में इसे एक्सेस कर सके। बाद में दोस्त ने अपनी सैलरी के लिए नया चेकिंग अकाउंट खोला।

कैसे खुला मामला?: इस घोटाले का खुलासा 2019 में तब हुआ जब ऑप्टम ने एक फ्रॉड के लिए गुप्ता को नौकरी से निकाला। कंपनी के इंटरनल रिव्यू में गुप्ता के कारनामे की पोल खुली। कंपनी ने इस बारे में फेडरल अथॉरिटीज को जानकारी दी। जांचकर्ताओं के मुताबिक गुप्ता ने कंपनी को कुल 11 करोड़ रुपये का चूना लगाया। एफबीआई ने गुप्ता की करतूत को पद का दुरुपयोग बताते हुए कहा कि इस तरह के घोटालों से मेहनती अमेरिकी लोगों पर बोझ पड़ता है।

एआई समिट में भारत-अमेरिका के बीच पैक्स सिलिका समझौता

चिप सेक्टर में 10 लाख नौकरियां, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की जल्द होगी मुलाकात

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आखिरी दिन भारत और अमेरिका ने पैक्स सिलिका डिक्लेरेशन पर साइन किए हैं। इस समझौते का मकसद दुनिया भर में सेमीकंडक्टर और एआई की सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना और गैर-मित्र देशों पर निर्भरता कम करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अमेरिकी आर्थिक मामलों के सचिव जैकब हेलबर्ग ने इसपर साइन किए। उन्होंने कहा कि भारत अब पैक्स सिलिका का हिस्सा बन गया है, जिससे देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर को बड़ा फायदा होगा। उन्होंने बताया- भारत में पहले से ही 10 प्लांट्स पर काम चल रहा है। देश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट में चिप का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। वैष्णव ने यह भी साझा किया कि भारतीय इंजीनियर अब देश में ही एडवांस 2-नैनोमीटर चिप डिजाइन कर रहे हैं।

अमेरिका बोला- भारत का प्रवेश सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं

समिट में शामिल अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस गठबंधन में भारत की एंट्री को रणनीतिक रूप से अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा, भारत के पास ऐसा टैलेंट है जो किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकता है। भारत की इंजीनियरिंग गहराई इस गठबंधन के लिए बहुत जरूरी है।

सेमिकंडक्टर इंडस्ट्री को 10 लाख प्रोफेशनल्स की जरूरत

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को आने वाले समय में करीब 10 लाख अतिरिक्त स्किल्ड प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी और दुनिया की यह उम्मीद भारत से ही है। उन्होंने कहा, देश के पास अब एक साफ दिशा और लक्ष्य है। हमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडरशिप लेनी है। सर्जियो गोर ने समिट को बेहद प्रभावशाली बताया। जब उनसे पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संकेत देते हुए कहा- मुझे यकीन है कि सही समय पर यह मुलाकात जरूर होगी। भारत और अमेरिका के बीच हुए पैक्स सिलिका समझौते के दौरान गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि इस समझौते का मकसद सुरक्षा और भरोसेमंद सप्लाई चेन सुनिश्चित करना है।

सेंसेक्स में 316 अंक का उछाल, निफ्टी 25,550 के पार

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजारों में तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 316 अंक की बढ़त के साथ जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ। बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी, व्यापार समझौते में प्रगति को लेकर आशावाद के साथ 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से बाजार को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत चढ़कर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक उछलकर 25,663.55 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशकों द्वारा शेयर की अंधाधुंध बिकवाली से बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 1,236.11 अंक और एनएसई निफ्टी 365 अंक टूट गया था। शुक्रवार को सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, टाइटन, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और इंडिगो के शेयर में सबसे अधिक तेजी रही। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, इटर्नल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अदाणी पोर्ट्स के शेयर नुकसान में रहे।

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

धनबाद कोचिंग कॉम्प्लेक्स परिसर में बूट मॉडल पर मेकेनाइज्ड लौंड्री की स्थापना एवं संचालन, जिनमें धनबाद मंडल के कोच/ट्रेन से गंदे लिनेन का संग्रह/परिवहन एवं कोच/ट्रेन में धुले एवं पैक किये हुए लिनेन का परिवहन/लोडिंग हेतु ठेका।

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/ संवेदकों "टू पैकेट बिड" पर ई-निविदायें आमंत्रित है। **i) निविदा संख्या एवं दिनांक:** e-tender Notice No. MC-09-Open-2025-26 दिनांक 18/02/2026, **ii) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद कोचिंग कॉम्प्लेक्स परिसर में बूट मॉडल पर मेकेनाइज्ड लौंड्री की स्थापना एवं संचालन, जिनमें धनबाद मंडल के कोच/ट्रेन से गंदे लिनेन का संग्रह परिवहन एवं कोच/ट्रेन में धुले एवं पैक किये हुए लिनेन का परिवहन/लोडिंग हेतु दस वर्षो का ठेका (क्षमता-04 टन/शिफ्ट, दो शिफ्ट प्रतिदिन यानि 8 TPD)। कार्य समापन अवधि-10 वर्ष। **iii) कार्य की अनुमानित लागत :** रू. 68,42,77,088.75 (अड़सठ करोड़ बयालीस लाख सतहत्तर हजार अट्ठासी रूपये और पचहत्तर पैसे) मात्र। **iv) बयाना राशि :** रू. 35,71,400.00 (पैंतीस लाख इकहत्तर हजार चार सौ रूपये) मात्र। **v) ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** तारीख 11/03/2026 को 17:00 बजे, **ई-निविदा खुलने की तारीख एवं समय :** तारीख 12/03/2026 को 12:00 बजे, **vi) प्री-बिड मिटिंग दिनांक एवं समय:** 24.02.2026 – 11:00 बजे प्री-बिड मिटिंग स्थानः सीनियर सी.डी.ओ./धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/पू.म.रे./धनबाद, **vii) वेबसाईट विबरण:** https://www.ireps.gov.in ई-निविदा के तहद मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

ए.एम.इ. (समाडी-II), पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1816/डीएचएन/एमईसीएच/टी/25-26/52

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर चला सुप्रीम कोर्ट का हथौड़ा

अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ को रद्द कर दिया। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट के बड़े फैसले के बाद बाजार में नई हलचल शुरू हो गई। कोर्ट के इस कदम से निवेशकों का ध्यान अमेरिका की सरकारी आय और फाइनेंशियल कंडीशन पर गया। यही वजह है कि डॉलर थोड़ा कमजोर हुआ। वहीं, अमेरिकी बॉन्ड यानी ट्रेजरी यील्ड बढ़ गई और शेयर बाजार में हल्की तेजी देखी गई। डॉलर इंडेक्स में 0.2 प्रतिशत की कमी आई। बाजार को उम्मीद थी कि टैरिफ से सरकारी खजाने में अरबों डॉलर का रेवेन्यू आएगा, जिससे अमेरिका की फाइनेंशियल कंडीशन मजबूत होगी। लेकिन कोर्ट के फैसले ने इस फाइनेंशियल बैकअप पर सवालिया निशान लगा दिया है, जिससे निवेशकों का भरोसा थोड़ा डगमगाया है। फैसले से पहले डॉलर मजबूत हो रहा था।

प्रथम पृष्ठ के शेष

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ...

6 बनाम 3 के बहुमत से आया फैसला: ज्यादातर जजों ने फैसले में कहा कि संविधान 'बहुत साफ तौर पर' कांग्रेस को टैक्स लगाने की पावर देता है, जिसमें टैरिफ भी शामिल हैं। चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने लिखा, संविधान बनाने वालों ने टैक्स लगाने की पावर का कोई भी हिस्सा एग्जीक्यूटिव ब्रांच को नहीं दिया था। जस्टिस सैमुअल अलिटो, क्लेरेंस थॉमस और ब्रेट कैवनॉ ने असहमति जताई। कैवनॉ ने असहमति में लिखा, यहां जिन टैरिफ पर बात हो रही है, वे समझदारी वाली पॉलिसी हो भी सकती है और नहीं भी।

प्रदेश में बदलेंगे भूमि....

हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई जमीनों पर लोग 3-3 पीढ़ियों से लोग रह रहे हैं अथवा व्यापार कर रहे हैं। इस अवधि में परिवार और जरूरत बढ़ने पर कुछ लोगों ने जमीनें बांट ली तो कुछ ने लीज स्थानांतरित कर लीं। जबकि नियमों में लीज स्थानांतरण का प्रावधान ही नहीं है, यह सीधे-सीधे अपराध है। **सबनानी ने उठाई न्यू मार्केट की समस्या:** भोपाल दक्षिण से भाजपा विधायक भगवान दास सबनानी ने सदन में बताया कि न्यूमार्केट में अलग-अलग अवधि की लीज दी जा रही है। मेन रोड की दुकानों की लीज 30 साल की है तो अंदर की दुकानों को तीन साल की लीज पर दिया जा रहा है। इसमें एकरूपता होना चाहिए।

सरल होगी प्रक्रिया: विजयवर्गीय ने कहा, अचल संपत्ति अधिनियम 2000 के तहत फ्री-होल्ड का अधिकार कमिश्नर को दिया गया है। वर्ष 2021 में नियमों में संशोधन कर कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार 2 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। इंदौर नगर निगम ने इसे 5 प्रतिशत तक किया है, लेकिन अन्य नगर निगमों में अमल नहीं हो पा रहा है। अपर मुख्य सचिव को निर्देश देंगे कि सभी नगर निगम कमिश्नरों की बैठक बुलाकर इस विषय पर चर्चा करें। तीन महीने का समय ज्यादा है, लेकिन व्यस्तताओं को देखते हुए तीन महीने के भीतर नियमों के सरलीकरण और आवश्यक संशोधन कर समाधान निकाला जाएगा। नए नियमों में प्रावधान किया जाएगा कि तीन बार नवीनीकरण के बाद जमीन फ्री होल्ड हो जाए। उन्होंने बताया कि झाबुआ, मनावर, कुक्षी में तो लोग जाते ही नहीं थे। व्यापार बढ़ाने लोगों को लीज पर जमीन देकर बसाया गया था, लेकिन अब उन्होंने जमीन बेच दी या लीज स्थानांतरित कर दी तो उन पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ नियम बनाए जाएंगे। एक ही परिवार के बीच जमीन बांटने का प्रावधान किया जाएगा।

काटरे ने दिया उपनेता ...

की कमी का उल्लेख किया है। इधर, सूत्रों का कहना है कि कटारे के अचानक इस्तीफे की मूल वजह राज्यसभा चुनाव को लेकर हो रही चर्चा के उपरांत दवाब बनाने की है। अप्रैल में राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उनके स्थान पर किसी किस नेता को दिल्ली भेजा जाए, इस पर पिछले एक पखवाड़े से चर्चा की जा रही है। इसके लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी व पूर्व सीएम कमलनाथ का नाम लिया जा रहा है। बीते गुरुवार कमलनाथ की डिनर पार्टी में इस पर चर्चा भी हुई थी, जिसमें कटारे ने नाथ को राज्यसभा भेजने की बात कही थी। इसे लेकर कटारे से किसी वरिष्ठ नेता द्वारा प्रतिकूल टिप्पणी की गई है, जिससे नाराज होकर कटारे ने इस्तीफा लिख दिया, जिसे दवाब बनाने के तौर पर भी देखा जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-13/2025-26 दिनांक 17.02.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, झांसी द्वारा निम्नलिखित मद के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की दिनांक
GEM/2026/B/7210587	सेफ्टी फुटवियर फॉर रेलवे ट्रेकमेन	8162 Nos	03.03.2026

नोट- उपरोक्त ई -प्रापण निविदा का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियामित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 388/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)

हाऊसिंग फॉर ऑल प्रकोष्ठ (HFA CELL)

तृतीय तल, आई.एस.बी.टी. भवन, होशंगाबाद रोड, हबीबगंज, भोपाल-462023

NIT No. - 01/HFA/BMC/2026 Date - 19-02-2026

:: निविदा आमंत्रण ::

निविदा क्रमांक 2025_UAD_404016_6

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गंगा नगर परियोजना (रेरा पंजीयन क्र. P-BPL-24-5259) स्थल के 72 आवासों में से शेष 01 आवास का व्ययन उच्चतम निविदा दर के आधार पर किये जाने हेतु ई-निविदा पद्धति के अन्तर्गत www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदाऐं दिनांक 23.02.2026 समय 14:30 PM से 23.03.2026 समय शाम 05:30 PM बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 25.03.2026 को प्रात: 10:30 AM बजे निविदा की तकनीकी बिड खोली जावेंगी। निविदा प्रपत्र, अनिवार्य शर्तें एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को मध्यप्रदेश शासन के ई-निविदा के पोर्टल www.mptenders.gov.in पर प्राप्त होंगी। यदि निविदा में किसी प्रकार का कोई संशोधन इत्यादि होता है तो वह पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

नोट- ऑनलाईन, ई-निविदा में समस्या होने पर मोबाइल नंबर - 9424499880, पर संपर्क करें अथवा ईमेल- bmcmp.hfa@gmail.com पर मेल करें।

नि.क्र. 3199/025/026

जोनल अधिकारी (HFA)
हाऊसिंग फॉर ऑल
नगर पालिक निगम, भोपाल

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक:WCR-CRWS-CAMPING20-25-03R

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का नाम : कनवर्जन ऑफ कोचेस इन टू कैंपिंग कोचेस एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल । **कार्य की लागत :** रु. 3,72,05,516.60, **निविदा फॉर्म का मूल्य :** रु. 0.00, **धरोहर राशि :** रु. 3,36,100.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह, **ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय :** 04.03.2026/18.03.2026 को 15.00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय :** 18.03.2026 को 15.30 बजे निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेब साइट "www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रवन्धक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

(हस्ता.)
मुख्य कारखाना प्रबंधक
सडिपुका, निशातपुरा, पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

Kalyan Singh Super Specialty Cancer Institute

C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
(An Autonomous Institute of the Govt. of Uttar Pradesh)
Website: https://cancerinstitute.edu.in Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through Custom bid on GeM portal **GeM bids No.**

1- **GEM/2026/B/7227381 dated: 17.02.2026** for the item: **Film Array System**

2- **GEM/2026/B/7266376** for the item- **Tube Stripper**

3- **GEM/2026/B/7266504** for the item-**Tube Sealer Hand Held**

4- **GEM/2026/B/7267503** for the item- **Tube Sealer Bench Top &**

5- **GEM/2026/B/7087713 Dated 19-02-2026 for the Customized AMC/CMC for Pre-owned Products -CAMC of Modular Operation Theatres.** from Original Equipment Manufacture/ Direct Importers/Authorized Distributors (declared by principal firm only) for the supply & installation.

The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bids system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal with terms and conditions as mentioned against bidding documents.

For more detailed information you may please visit the Gem portal www.gem.gov.in or our website https://cancerinstitute.edu.in, for reference only. The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.

Advt. No. KSSSCI/Tender-25/2025-26 DIRECTOR

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.

Office of The General Manager (O&M) Circle, Ashoknagar
E-mail ID : mpczgmashoknagar@gmail.com

No. GM/CIRCLE/Ashoknagar/PUR/E-TEN/25-26/292 Ashoknagar, Dated : 20.02.2026

TENDER NOTICE

MPMKVVCL, Ashoknagar invites bids for following item through e-tendering :-

Particulars	Approx. Value (In. Lakh)	Tender Fee (Rs.)	Opening Date of Tender
"Rate Contract For Supply & Installation of peripherals for Computer, Printer, CCTV and Networking equipment's, Repairing of computers & printers, CCTV and toner Refilling in various type of printers" for Offices Situated under MPMKVVCL Ashoknagar for 2025-26.	8.00	1000+ 18% GST	15.03.2026 at 15:00 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in** & **https://mptenders.gov.in** or the under signed office.

M.P. Madhyam/124578/2026 GM (O&M)

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL NARMDAPURAM (MP)

NIT No/1156/E-Tendering/NPN/2026 cmohoshangabad@mpurban.gov.in Narmadapuram Date 19/2/26

// Notice Inviting Tenders //
(1st Call)

Online Percentage rate bids for the following works are invited from Centralized registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria -

SL No.	Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Document	Period of Completion
1.	2026_UAD_483077_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 18 HOUSINGH BOARD COLONY SUBHAS SHUKLA TO RAGHUVANSHI JI HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	2122380/-	15918/-	5000/-	03 Months (with rainy season)
2.	2026_UAD_483097_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 18 SHIV COLONY NEERAJ JAIN TO RAJPUT JI HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	497963/-	4980/-	2000/-	03 Months (with rainy season)
3.	2026_UAD_483114_1	PAVER BLOCK WORK AT WARD NO 21 SHRI SARVESHWAR RADHA PARK MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	162260/-	3245/-	1000/-	01 Months (with rainy season)

The Bid Document can be Download only online from 17/02/2026 (14.00) to 05 and 20/03/2026 (17.30) hour for more Information:- https://mptenders.gov.in

Chief Municipal Officer
Municipal Council Narmadapuram

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्र./नामा. शा./न.नि./2025-26/210 **-:: सूचना ::-** सागर दिनांक 17/2/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिए गए भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। अत: इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अन्दर आयुक्त, नगर पालिक निगम सागर के नाम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयनामा/दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1	1901/25-26	तिली	रजि. बैनामा, शपथपत्र	मन्जू पति राजकुमार जैन	संजय पिता हरलाल चौधरी
2	1902/25-26	तिली	रजि. बैनामा, शपथपत्र	रोहित पिता नरेन्द्र कुमार जैन	निकिता पिता चतुर्भुज अहिरवार
3	1903/25-26	तिली	रजि. बैनामा, शपथपत्र	अशोक कुमार, अम्बिका प्रसाद, शशिबाई, चन्दाबाई, राजकुमारी सभी पिता परमा अहिरवार	सरोज पति राकेश गोस्वामी
4	1904/25-26	पन्तनगर	रजि. बैनामा, शपथपत्र	सरिता सिद्ध, सुमन तिवारी पति सिद्ध सुमन तिवारी पुत्री निरंजन प्रसाद तिवारी	दीपा पति लखन सोनी
5	1905/25-26	मोतीनगर	रजि. बैनामा, शपथपत्र	दिलीप पिता घासीराम केशरवानी	निधि पति दिलीप केशरवानी
6	1906/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	सीमा पति प्रदीप जैन	संदीप पिता रामशंकर पचौरी
7	1907/25-26	चन्द्रशेखर	मृत्यु-प्रमाण पत्र, शपथपत्र	भैयालाल पिता दम्मू काछी	हरगोविन्द पिता स्व. सुन्दरलाल काछी
8	1908/25-26	जवाहरगंज	मृत्यु-प्रमाण पत्र, शपथपत्र	मल्थूराम पिता स्व. बालचन्द जैन	विजय कुमार, मुन्नालाल, ताराचन्द सभी पिता स्व. मल्थूराम जैन
9	1909/25-26	तिली	रजि. बैनामा, शपथपत्र	हिमान्शु पिता लक्ष्मीचन्द सोनी	नन्दलाल पिता रामलाल जौहरी
10	1910/25-26	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथपत्र	गजेन्द्र एवं राजेन्द्र पिता डेलन सिंह ठाकुर	अनीता पति रामानन्द चतुर्वेदी

कृते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, सागर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आमंत्रण केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से लमसम आधार पर किया जाता है।

नि.सं.क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की अनु. लागत	प्रतिभूति राशि	ऑन लाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	निविदा क्रय एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
2026_UAD_483254_1	Balance Work of Augmentation Water Supply System of Ujjain town under AMRUT 2.0	263559000/-	1317795/-	50000/-	12 माह	23-03-2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑन लाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

स्पिन गेंदबाजों का दबदबा, भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ विशेष प्लान बना रही दक्षिण अफ्रीकी टीम

विश्व कप सुपर-8 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला कल अहमदाबाद में

जेएनएन, अहमदाबाद

टी-20 विश्व कप में अब स्पिन गेंदबाजों का दबदबा साफ नजर आने लगा है। भारतीय टीम को इस बात का बखूबी अंदाजा है कि वह अब तक पावरप्ले में वह आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई है, जो टूर्नामेंट से पहले द्विपक्षीय सीरीज में उसकी ताकत हुआ करती थी। अहमदाबाद में गुरुवार को हुए अभ्यास सत्र में रविवार को होने वाले सुपर-8 मुकाबले की रणनीतिक तैयारी साफ दिखी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मारक्रम ने बल्लेबाजी की बजाय गेंदबाजी पर ज्यादा पसीना बहाया। उन्होंने राउंड द विकेट लंबा स्पेल डाला और पिच में मौजूद रफ वाले हिस्सों का फायदा उठाने की कोशिश की। मारक्रम ने कंसल्टेंट कोच एलबी मॉर्केल को काफी देर तक गेंदें फेंकी। मॉर्केल ने भी स्पिन का सामना आक्रामक अंदाज में किया। वे जगह बनाकर इनसाइड आउट शॉट खेलने के अलावा लेंथ गेंदों पर सीधा प्रहार कर रहे थे। यह ड्रिल साफ तौर पर टीम इंडिया की चुनौती से निपटने के लिए तैयार की गई थी। दक्षिण अफ्रीका की तैयारी यहीं नहीं रुकी। उन्होंने स्थानीय स्पिनरों को पिच पर हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करने को कहा, ताकि वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाजों के खतरे से निपटा जा सके। उनका मकसद बल्लेबाजों को अपनी ताकत से गेंद को दूर मारना और सीधे शॉट खेलने के लिए तैयार करना था।

■ आंकड़े भी मिडिल ओवर्स में बढ़ते दबाव की गवाही दे रहे हैं। 7 से 10 ओवर के बीच भारत का रन रेट महज 7.12 रहा है, जो सुपर-8 की टीमों में नीचे से तीसरे नंबर पर है। इसके उलट दक्षिण अफ्रीका 10.37 की औसत से इस मामले में टॉप पर है।

■ विरोधी टीमें पावरप्ले के बाद भारत की रन गति पर ब्रेक लगाने में कामयाब रही हैं। वे लेंथ को थोड़ा पीछे खींचकर बल्लेबाजों को खुद की ताकत से शॉट खेलने पर मजबूर कर रहे हैं। द्विपक्षीय सीरीज में भारत इन्हीं ओवरों (7-10) में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ करीब 9 की औसत से रन बना रहा था, मगर इस टूर्नामेंट में उसे पहले पारी संवारने पर ध्यान देना पड़ रहा है।

स्पिनरों पर काउंटर अटैक करके उन्हें दबाव में लाना प्राथमिकता: मॉर्केल

सुपर-8 के इस मोड़ पर स्पिन की भूमिका अहम हो गई है। नीदरलैंड के खिलाफ अभिषेक शर्मा के दो बार स्पिन पर आउट होने के बाद यह बहस और तेज हो गई है। जब टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्केल से स्पिन के खिलाफ रणनीति पर सवाल हुआ, तो उन्होंने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया। मॉर्केल ने कहा कि हमारे पास साफ प्लान है। पहली प्राथमिकता स्पिनरों पर काउंटर अटैक करके उन्हें दबाव में लाने की है। हालांकि, अक्लमंदी इसी में है कि हम हालात को जल्द भांप लें। सच तो यह है कि अब तक हमें ऐसी पिचें मिली हैं, जहां धीमी गेंदों पर बड़े हिट लगाना चुनौतीपूर्ण रहा है। मिडिल ओवर्स में लय बरकरार रखने के लिए मशहूर भारतीय टीम के लिए यह गिरावट चिंताजनक लग सकती है, लेकिन मॉर्केल इसे परिस्थितियों के हिसाब से ढलने की कोशिश मानते हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में यूएसए के खिलाफ हमने आक्रामक होने की कोशिश की थी और मुसीबत में फंस गए। इसलिए एक मजबूत बेस तैयार करना जरूरी है, ताकि अंत में तेजी से रन बटोरे जा सकें। टीम ने अब तक स्पिन के खिलाफ वैसी बल्लेबाजी नहीं की है जैसा हम चाहते थे, लेकिन जैसे ही सही पिच मिलेगी, हम अपनी पुरानी लय में लौट आएंगे। मॉर्केल को भरोसा है कि मिडिल ओवर्स में रफ्तार बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि इन मुश्किल चरणों के बावजूद हम 190-200 का स्कोर बना पा रहे हैं। हमारी बोलिंग यूनिट के रहते यह स्कोर मैच जीतने के लिए काफी है।

तिलक वर्मा, इशान और रिंकू ने की स्पिन के खिलाफ लंबी बल्लेबाजी

करीब एक घंटे बाद भारतीय नेट्स पर भी कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। वरुण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर सहित ऑफ स्पिनरों ने बाएं हाथ के बल्लेबाजों को जमकर अभ्यास कराया। तिलक वर्मा, इशान किशन और रिंकू सिंह ने स्पिन के खिलाफ लंबी बल्लेबाजी की। इस दौरान हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव पिच का मुआयना करने में व्यस्त रहे। दोनों पिच की सतह को गहराई से परख रहे थे और आपस में चर्चा कर रहे थे। दूसरी ओर, तेज गेंदबाज अभ्यास के पहले घंटे में ज्यादातर समय बाउंड्री पर कैचिंग ड्रिल और हल्की रनिंग करते ही नजर आए।

मैदान से हटकर

शादी कर रहे धवन, आयरलैंड की सोफी को बनाएंगे दुल्हन

शिखर धवन जिन्हें क्रिकेटप्रेमी गब्बर के नाम से पुकारते हैं एक बार फिर सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि वो अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले हैं। क्रिकेटर ने इंस्टाग्राम पर अपनी मंगेतर सोफी के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटो में धवन ऑफ व्हाइट कलर की इंडियन आउटफिट में दिख रहे हैं। सोफी ने गोल्डन कलर का शिमरी लहंगा पहना है। कपल एक-दूजे में खोया हुआ दिख रहा है। शिखर होने वाली हमसफर का हाथ थामे खुले आसमान के नीचे चलते दिख रहे हैं। कपल के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान है, जो दिल जीत लेने वाली है। क्रिकेटर ने अपने प्यार के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा- संगीत नाइट. Almost the Dhawans कैप्शन पढ़कर फैंस के बीच खलबली मच गई है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्रिकेटर शादी करने जा रहे हैं। कैप्शन उनकी जिंदगी की नई शुरूआत की गवाही दे रहा है। हालांकि, उन्होंने ऑफिशियली शादी पर कुछ नहीं बोला है। सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली मॉडल हैं। शिखर और सोफी का रिश्ता 2025 में दुबई में हुई चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान शुरू हुआ था। दोनों को स्टैंड्स में साथ स्पॉट किया गया, जिसके बाद मई 2025 में इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर रिश्ते को कन्फर्म किया। शिखर सोफी से उम्र में पांच साल बड़े हैं। (जेएनएन)

9.4 ओवर में जीती ऑस्ट्रेलिया, विश्व कप इतिहास में सबसे तेज रन चेज किया

कंगारू टीम ने ओमान को नौ विकेट से हराकर विजयी विदाई ली

जेएनएन, पाल्लेकल

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप में अपने निराशाजनक सफर का समापन ओमान के खिलाफ 9 विकेट से जीत हासिल करते हुए किया। जिम्बाब्वे और श्रीलंका से अप्रत्याशित हार के बाद ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया है। उनकी इस जीत में एडम जम्पा (21 रन देकर चार विकेट) और कप्तान मिचेल मार्श (33 गेंदों में नाबाद 68 रन) ने अहम भूमिका निभाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान ने सिर्फ 16.3 ओवर बल्लेबाजी की और 104 रन बनाए। इस लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया की टीम ने सिर्फ एक विकेट गंवाकर 9.4 ओवर में हासिल कर लिया, जो एक रिकॉर्ड है। 105 रनों का पीछा करते हुए मार्श और ट्रेविस हेड (32 रन) की जोड़ी ने सिर्फ 4.1 ओवर में 50 रन पूरे किए और इसके बाद भी वे नहीं थमे। पावरप्ले की आखिरी गेंद पर मार्श ने अर्धशतक पूरा किया। टी-20 में यह उनका 13वां अर्धशतक था, जो सिर्फ 26 गेंदों में आया। ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले में कुल 69 रन बनाए। नौवें ओवर में ओमान के शकील अहमद को पहली सफलता मिली, लेकिन तब तक 89 रन बन चुके थे। शकील ने अपने चार ओवर के स्पैल में सिर्फ 29 रन दिए और हेड को आउट किया। दूसरी पारी में यह सबसे किफायती स्पैल रहा। उनके अलावा हर गेंदबाज ने 10.50 से ज्यादा की इकॉनमी के साथ गेंदबाजी की।

प्लेयर ऑफ द मैच: जम्पा चार विकेट

■ ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 9.4 ओवरों में यह लक्ष्य हासिल कर लिया है। टी-20 विश्व कप में 100 से अधिक रन के रनचेज में यह संयुक्त रूप से सबसे तेज रन चेज है। इससे पहले इंग्लैंड ने 2024 के विश्व कप में 9.4 ओवर में ही 117 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

■ टी-20 विश्व कप में पहली बार किसी टीम के पहले चार बल्लेबाज बोल्ड होकर आउट हुए। बाकी टी-20 अंतरराष्ट्रीय की बात करें तो 11वीं बार ऐसा हुआ है।

■ एडम जम्पा अब टी-20 विश्व कप में सबसे अधिक चार विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा अब इस टूर्नामेंट में उनके नाम कुल 44 विकेट हैं, जो सिर्फ शाकिब अल हसन (50 विकेट) से कम हैं।

ताश के पत्तों की तरह बिखरी ओमान की पारी

जेवियर बार्टलेट (2 विकेट) ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लेते हुए ओमान के सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम (0) को पवेलियन वापस भेज दिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी कैच का मौका था, लेकिन मैक्सवेल ने दूसरे स्लिप पर आसान सा कैच टपका दिया। ओमान ने पावरप्ले में भले ही तीन विकेट गंवाए थे, लेकिन उन्होंने 43 रन भी बनाए थे। इसके बाद जब जम्पा ने चार विकेट झटके। 12वें ओवर के बाद ओमान ने सिर्फ 23 रन बनाए और पांच विकेट गंवाए। उनके पास 150 तक पहुंचने का अच्छा मौका था, लेकिन उन्होंने इस मौके को गंवा दिया। वसीम अली (32), कप्तान जतिंदर सिंह (17), हम्माद मिर्जा (16) और करण सोनावले (12) दहाई का अंक छू सके।

सुपर 8 में पाकिस्तान की फिरकी से बच कर रहना चाहेगा न्यूजीलैंड

पाक और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला शाम सात बजे से कोलंबो में

जेएनएन, कोलंबो

न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को टी-20 विश्व कप के सुपर आठ चरण ग्रुप-2 के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी, तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं, जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं, जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। पाकिस्तान के गेंदबाज, खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं, जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं।

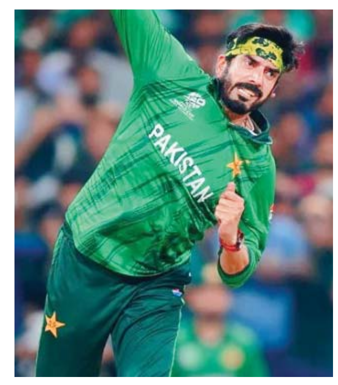

■ न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा, जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है।

पिच और परिस्थितियां प्रेमदासा की पिच सिन्हलीज स्पोर्ट्स क्लब के मुकाबले स्पिनरों को कहीं ज्यादा मदद देती है। यहां बाउंड्री बड़ी होने के कारण रन बटोरना आसान नहीं होता। हालांकि, गुरुवार को जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच हाई-स्कोरिंग मैच देखने को मिला था, जो बल्लेबाजी के लिए बेहतर पिच पर हुआ था। शाम के वक्त हल्की बारिश खेल में खलल डाल सकती है।

खेल एक नजर

पाक हॉकी टीम के कप्तान पर लगा दो साल का प्रतिबंध हटा

लाहौर, जेएनएन। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया और इस कदम को 'अवैध और असंवैधानिक' करार दिया। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले गुरुवार को तारिक बुगती ने हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कुप्रबंधन के खिलाफ कप्तान के पीएचएफ की आलोचना करने के लिए बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन पीएचएफ के संरक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहयदीन अहमद वानी ने इस फैसले को पलट दिया और कहा कि यह बुगती का 'अवैध और असंवैधानिक कदम' था। राष्ट्रीय टीम के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद हुए विवाद के मद्देनजर बुगती ने इस्तीफा दे दिया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम को 'लॉजिस्टिक' की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था और उन्हें एयरबीएनबी के घरों में रहना पड़ा था, जबकि सरकार द्वारा संचालित पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने कैनबरा में एफआईएच प्रो लीग मैचों के दौरान टीम के पांच सितारा होटल में रहने के लिए पीएचएफ को एक करोड़ रुपए दिए थे। खेल से जुड़े सभी मामलों को देखने वाली अंतर-प्रांतीय समन्वयक मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री शरीफ ने तुरंत बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को पीएचएफ का तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

ऑस्ट्रेलिया टूर विवाद

शकील बट ने की थी पीएचएफ की आलोचना

ऑस्ट्रेलिया में पहली सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला टीम

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच निर्णायक टी-20 आज दोपहर 1:45 बजे से

एडिलेड, जेएनएन। भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक सीरीज जीतनी है, तो उसके बल्लेबाजों को शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी। स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईं, जिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया, लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है।

श्रीलंका को हराकर भारत-ए फाइनल में, खिताबी भिड़ंत बांग्लादेश से होगी

प्लेयर ऑफ द मैच: राधा

बैंकॉक, जेएनएन। भारत-ए ने श्रीलंका को 39 गेंद शेष रहते पांच विकेट से हराकर महिला राइजिंग स्टार्स टी-20 एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फाइनल में 22 फरवरी को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा। बांग्लादेश ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 54 रन से शिकस्त दी। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर आउट कर दिया। बाएं हाथ की स्पिनर कप्तान राधा यादव ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। स्पिनर तनुजा कंवर (20 रन देकर दो विकेट) और लेग स्पिनर प्रेमा रावत (नौ रन देकर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन उसने बचे आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। संजना काविंदी (31) और हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की साझेदारी हुई।

■ भारत ने एक समय 21 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद उसे ज्यादा परेशानी नहीं हुई। वृंदा दिनेश 42 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। लेकिन राधा ने 18 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 31 रन बनाए, जिससे भारत ने 13.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

एशियाई कप: भारतीय फुटबाल टीम में छह नए खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार को घोषित 26 सदस्यीय टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम का लक्ष्य ग्रुप चरण से आगे बढ़कर क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना है। टीम में शामिल 26 खिलाड़ियों में आठ खिलाड़ी (स्वीटी देवी नगमबाम, शिल्की देवी हेमा, संजू, अंजू तामांग, प्यारी खाखा, ग्रेस डांगमेई, मनीषा कल्याण और सुमिया नारायणासामी) पिछले एशियाई कप 2022 के सदस्य थे, जो भारत में आयोजित हुआ था। उस टूर्नामेंट में भारत को सिर्फ एक मैच खेलने के बाद टीम में कोविड-19 का मामला मिलने के कारण प्रतियोगिता से हटना पड़ा था। टीम में शामिल डिफेंडर सरिता युमनाम और सुष्मिता लेप्चा, मिडफील्डर जसोडा मुंडा, सन्फिदा नोंगरम और अवेका सिंह तथा फॉरवर्ड कविया पक्किरिसामी को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का इंतजार है।

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे को 3-0 से हराया, सेल्टिक हारी

लंदन, जेएनएन। नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की। फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई, जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया। वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली। विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वतः ही अंतिम 16 में पहुंच गई, जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी। दूसरा चरण अगले गुरुवार को होना है।

प्रो लीग: होबार्ट चरण में भारतीय हॉकी टीम की नजरें वापसी पर

होबार्ट, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत में नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नई शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा, जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है। हाल में राउरकेला चरण भारतीयों के लिए सीखने का दौर साबित हुआ, जिसमें उन्हें अर्जेंटीना और बेल्जियम से हार मिली। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए आने वाले मैचों से ब्रेक लिया है। टीम इन मुकाबलों को आने वाले एफआईएच विश्व कप और उसके बाद के एशियाई खेलों से पहले संयोजन को परखने और लय बनाने के एक जरूरी मौके के तौर पर देख रही है। स्पेन के खिलाफ पहले मैच के बाद रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला होना है। 24 फरवरी को उनका सामना फिर स्पेन से होगा।

ट्रंप की खुली चेतावनी, ईरान ने एटमी डील नहीं की तो नतीजे अच्छे नहीं होंगे

वाशिंगटन में गाजा पीस बोर्ड की पहली बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को 10 दिन का दिया अल्टीमेटम

वाशिंगटन, जेएनएन। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त अल्टीमेटम दिया है। वाशिंगटन में गाजा पीस बोर्ड की पहली बैठक के दौरान ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि तेहरान को एक सार्थक परमाणु समझौते पर सहमत होना होगा, वरना उसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इशारों-इशारों में ट्रंप ने ईरान को 10 दिन का अल्टीमेटम भी दे दिया है। ट्रंप ने कहा, हमें ईरान के साथ एक सार्थक समझौता करना है। बातचीत चल रही है, लेकिन अगर डील नहीं हुई तो नतीजे अच्छे नहीं होंगे। अब समय है कि ईरान हमारे साथ शांति के रास्ते पर आए. अगर वे शामिल होते हैं तो अच्छा होगा, अगर नहीं होते तो भी एक अलग रास्ता होगा, लेकिन वे पूरे क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में नहीं डाल सकते। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले करीब 10 दिनों में कुछ बड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा, हमें एक कदम और आगे जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं। हो सकता है हम समझौता कर लें। आप अगले 10 दिनों में जान जाएंगे।

महायुद्ध के मुहाने पर खड़ा मिडिल ईस्ट

ट्रंप यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में परोक्ष वार्ता जारी है। अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर मध्यस्थों के जरिए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरकची से बातचीत कर रहे हैं, ताकि परमाणु विवाद खुले टकराव में न बदले। स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई है और एक्सपर्ट्स अंदेशा जता रहे हैं कि कभी भी युद्ध जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अमेरिका ईरान से उसके परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने या उसमें बड़ा कटौती करने की मांग कर रहा है। वॉशिंगटन का तर्क है कि यूरेनियम एनरिंचमेंट और बढ़ते भंडार से परमाणु प्रसार का खतरा पैदा होता है।

ब्रिटेन के एयरबेस देने से इनकार पर हुए ट्रंप नाराज

ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया है। अमेरिका इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन ब्रिटेन ने इनकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसमें चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की बात थी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल करना चाहता है। डिएगो गार्सिया, चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है। दरअसल पुराने समझौतों के मुताबिक, ब्रिटेन के किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री इसकी मंजूरी दें। अंतरराष्ट्रीय कानून भी कहता है कि अगर कोई देश जानता है कि सैन्य कार्रवाई गलत है और फिर भी मदद करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

एपस्टीन फाइल्स मामला

किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू 12 घंटे बाद रिहा

लंदन, जेएनएन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के 2 महीने बाद दुनिया में पहली गिरफ्तारी हुई। ब्रिटिश पुलिस ने गुरुवार सुबह किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को गिरफ्तार किया। करीब 12 घंटे की गिरफ्तारी के बाद भारतीय समयानुसार रात 1.15 बजे पुलिस ने एंड्रयू को उनके घर जाने दिया। हालांकि इस मामले की जांच अभी जारी रहेगी। पुलिस ने इस कार्रवाई के बारे में राज परिवार को पूर्व सूचना नहीं दी थी। दोषी साबित होने पर एंड्रयू को उम्रकैद हो सकती है। 66 साल के एंड्रयू का गुरुवार को जन्मदिन भी था। उन पर सार्वजनिक पद के दुरुपयोग का आरोप है। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था। हालांकि, एंड्रयू ने ग्रिफे के सभी आरोपों को खारिज किया था। एंड्रयू को पुलिस ज्यादा से ज्यादा 96 घंटे तक हिरासत में रख सकती थी, लेकिन इसके लिए सीनियर पुलिस अधिकारियों और अदालत से इजाजत लेनी पड़ती। आम तौर पर ऐसा कम ही होता है। ज्यादातर मामलों में किसी भी संदिग्ध को 12 या 24 घंटे तक रखा जाता है।

एआई समिट : नई दिल्ली ग्लोबल लीडर बोले माइक्रोसॉफ्ट प्रेसिडेंट

भारत में है दुनिया का सबसे बड़ा एआई क्लासरूम

नई दिल्ली, जेएनएन। नई दिल्ली में इन दिनों इंडिया एआई इम्पैक्ट का आयोजन हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के प्रेसीडेंट ब्रैड स्मिथ भारत पहुंचे हैं। उन्होंने एआई के सेक्टर में भारत के बढ़ते नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश ग्लोबल एआई एजेंडा को लगातार आकार दे रहा है। उन्होंने एक बातचीत में इंडिया एआई इम्पैक्ट इवेंट को लेकर कहा कि इस कार्यक्रम के लिए पूरी दुनिया भारत आई थी और ग्लोबल एआई डिस्कशन अब स्मार्ट मशीनें बनाने से हटकर ऐसी टेक्नोलॉजी डेवलप करने की तरफ बढ़ रही है जो लोगों, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के लोगों की बेहतर सेवा करे। स्मिथ ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट इन्वेस्टमेंट के जरिए ग्लोबल साउथ का समर्थन कर रहा है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एआई इन सेक्टरों तक पर्याप्त तेजी से नहीं पहुंचती है, तो उत्तर और दक्षिण के बीच आर्थिक अंतर और बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा हम ग्लोबल साउथ में एआई लाने के लिए अब से लेकर इस दशक के अंत तक 50 अरब डॉलर का इन्वेस्टमेंट करने की दिशा में अग्रसर हैं। भारत से अधिक महत्वपूर्ण कोई देश नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा एआई क्लासरूम भारत में है। स्मिथ ने माइक्रोसॉफ्ट को भारत का लॉन्ग टाइम पार्टनर और भारतीय अर्थव्यवस्था में टेक्नोलॉजी का को क्रिएटर बताया।

यूथ कांग्रेस ने किया टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन

भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा है- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

शाह मानहानि केस : राहुल का आरोपों से इनकार

सुल्तानपुर, जेएनएन। गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। सुनवाई पूरी होने पर राहुल ने धन्यवाद भी कहा। जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा-हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी।

सुल्तानपुर के बाद अब भिवंडी कोर्ट में होगी पेशी-सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने के बाद आज 21 फरवरी को राहुल को ठाणे जिले की भिवंडी कोर्ट में हाजिर होना होगा। मामला साल 2014 के लोस चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई एक विवादित टिप्पणी से जुड़ा है।

शाह दो दिन के राज्य के दौरे पर, बोले-

असम में 64 लाख घुसपैठियों से राज्य की डेमोग्राफी बदली

धेमाजी, जेएनएन। असम में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। उससे पहले प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने दो दिनों के असम के दौरे के दौरान शुक्रवार को धेमाजी में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि असम में कांग्रेस के शासनकाल के दौरान सात जिलों में डेमोग्राफी पूरी तरह से बदल गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ही प्रदेश में घुसपैठ को रोक सकती है। अमित शाह ने दावा किया कि कांग्रेस के 20 साल से ज्यादा के शासन में असम के सात जिलों में घुसपैठियों की आबादी बढ़कर 64 लाख हो गई, जिससे इन क्षेत्रों में पूरी डेमोग्राफी को बदल दिया। इससे स्थानीय समुदायों को नुकसान उठाना पड़ा। शाह ने असम के कछार जिले में जनसभा में कहा कि कांग्रेस के शासन में असम में कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ। आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। शाह दो दिन के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछार के नाथनपुर गांव से 6,900 करोड़ रुपए की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत की।

बीजेपी सरकार रोकेगी घुसपैठ

शाह के अनुसार, मोदी सरकार के नेतृत्व में लगातार दो बीजेपी सरकारों ने लगभग 1.26 लाख एकड़ भूमि को घुसपैठियों द्वारा किए गए अतिक्रमण से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ को रोकना केवल बीजेपी सरकार ही कर सकती है।

पाक रक्षा मंत्री ने कहा

मुनीर मेरे बॉस नहीं, सेना अब सरकार नहीं चलाती

म्यूनिख, जेएनएन। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनके बॉस नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि उनके बॉस प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। 18 फरवरी को फ्रांस 24 इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया था कि क्या आसिम मुनीर ही पाकिस्तान की सरकार चला रहे हैं। उन्होंने माना कि अतीत में सेना ने सीधे शासन संभाला था। आसिफ ने कहा, पाकिस्तान का एक सिस्टम है। हमारे इतिहास में ऐसे दौर रहे हैं, जब सेना का सरकार पर नियंत्रण रहा। एक समय ऐसा भी था जब सेना ने दखल देकर सत्ता की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान अफगानिस्तान से खतरे, आतंकवाद, भारत के साथ तनाव और कमजोर अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तानी सेना सरकार का समर्थन कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर नेवी में शामिल होगी पनडुब्बी अरिधमन

समुद्र में और बढ़ेगी भारत की सैन्य ताकत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय नौसेना इस साल अप्रैल-मई के करीब अपने तीसरे स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी, आईएनएस अरिधमन को कमीशन करने की तैयारी कर रही है जिस समय कमीशन करने की तैयारी हो रही है, यह वक्त ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के साथ मेल खाता है। नौसेना प्रमुख दिनेश के. त्रिपाठी ने दिसंबर में इस पनडुब्बी के 2026 में कमीशन होने की पुष्टि की थी। मौजूदा वक्त में यह पनडुब्बी समुद्री परीक्षणों के अंतिम चरण में है, जहां सिस्टम वेरिफिकेशन और हथियारों के एकीकरण का काम पूरा होने वाला है। शिप बिल्डिंग सेंटर में निर्मित यह पनडुब्बी भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता और सेकंड स्ट्राइक क्षमता को काफी मजबूती देगी। आईएनएस अरिधमन का कमीशन होना भारत के न्यूनतम विश्वसनीय निवारण के परमाणु सिद्धांत का एक प्रमुख स्तंभ है।

पिछली पनडुब्बियों से बड़ी और पावरफुल

गोपनीय एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल कार्यक्रम के तहत बनी आईएनएस अरिधमन (एस 4) अपने से पहले की सबमरीन की तुलना में ज्यादा सक्षम है। इसका डिस्प्लेसमेंट करीब 7,000 टन है, जो आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात के 6,000 टन के विस्थापन से काफी ज्यादा है। यह पनडुब्बी लंबी दूरी की एस-4 बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जाने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो भारत की मारक क्षमता को बढ़ाती है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 500/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

सतना-मैहर में बाघों की गणना 23 फरवरी से

जागरण, सतना। सतना और मैहर जिलों में अखिल भारतीय बाघ गणना के तहत 410 अत्याधुनिक ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे। यह कार्य तीन दिन में पूरा होगा, जिसके बाद 23 फरवरी से बाघ गणना विधिवत प्रारंभ हो जाएगी। 6 वन परिक्षेत्रों की 205 ग्रिड में ये कैमरे स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक ग्रिड का दायरा 2 वर्ग किलोमीटर है। बाघों के प्राकृतिक गलियारों, संभावित रहवासों, पगडंडियों और जल स्रोतों को इसके लिए चिह्नित किया है।

खरगोन में भोंगरिया हाट 24 फरवरी से

जागरण, खरगोन। जिले के आदिवासी अंचल में होली से पहले लगने वाला प्रसिद्ध भोंगरिया हाट 24 फरवरी को पीपलझोपा और मोहना हाट से शुरू हो रहा है। इस दौरान जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और दूषित खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। शुक्रवार दोपहर 2 बजे जयस के प्रतिनिधियों ने हाट में व्याप्त समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

धर्मेंद्र प्रधान
केंद्रीय शिक्षा मंत्री

कांग्रेस पार्टी इस देश की तरक्की को, इस देश की समृद्धि को, गौरव को कभी भी सहन नहीं कर पाई है, जो पार्टी केवल एक परिवार के महिमामंडन में लगी रहती है, एक खानदान की प्रशंसा में लगी रहती है वो देश की प्रशंसा नहीं सह सकती है। उन्होंने अपनी विरोधी मनोवृत्ति को वैश्विक स्तर पर दिखा दिया है। विश्व के अतिथि हमारे यहां आए हैं, बहुत सफलता के साथ एआई समिट संपन्न हो रहा है, उस समय कांग्रेस ने इस प्रकार का निंदनीय काम किया है।

संक्षिप्त खबरें

परासिया नपाध्यक्ष की जमानत याचिका खारिज

जागरण, छिंदवाड़ा। परासिया नपा अध्यक्ष विनोद मालवीय की जमानत याचिका स्पेशल एट्रोसिटी कोर्ट से खारिज हो गई। कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में वापस जेल भेजने के आदेश दिये। नपाध्यक्ष के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट, आईटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है। सरकारी पक्ष ने कोर्ट में दलील दी कि मामला गंभीर प्रकृति का है और आरोपी की ओर से प्रकरण में दबाव बनाने का प्रयास भी किया है। ऐसे में जमानत देना उचित नहीं होगा। शासन की ओर से अधिवक्ता मोहम्मद आरिफ खान ने कोर्ट में पक्ष रखते हुए कहा कि मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए आरोपी को राहत नहीं दी जानी चाहिए। कोर्ट ने दलीलों से सहमति जताते हुए जमानत अर्जी खारिज कर दी।

ओंकारेश्वर में रक्तदान करने वाले कर सकेंगे फ्री में वीआईपी दर्शन

जागरण, खंडवा। रक्तदान को बढ़ावा देने खंडवा जिला प्रशासन ने एक अनोखी पहल की है। अब जो श्रद्धालु भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में रक्तदान करेंगे, उन्हें मंदिर में फ्री वीआईपी प्रोटोकॉल दर्शन की सुविधा दी जाएगी। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि तीर्थस्थल ओंकार महाराज की नगरी ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था शुरू की जा रही है। इच्छुक दर्शनार्थियों को पहले रक्तदान करना होगा, इसके बाद उन्हें प्रोटोकॉल के तहत फ्री दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दर्शन के साथ रक्तदान जैसे महादान से बड़ा पुण्य कार्य कोई नहीं है।

कचरा प्रबंधन पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख लापरवाही की तो अब चलेगा क्रिमिनल केस

एक अप्रैल से लागू होने वाले सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 से पहले सुप्रीम कोर्ट जारी किए कड़े निर्देश

जागरण संवाददाता, भोपाल। कचरा प्रबंधन पर होने वाली लापरवाही को लेकर सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कचरा प्रबंधन के स्पष्ट दिशा निर्देश जारी कर दिए। इन नियमों या निर्देशों का भविष्य में पालन न करने पर शीर्ष कोर्ट ने भविष्य में क्रिमिनल केस तक चलाने की बात कही। इन नियमों के तहत पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करने पर तीन स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले प्रथम स्तर पर नियमों का शुरुआती उल्लंघन करने पर तत्काल आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। दूसरे स्तर पर भी नियमों की अनदेखी पाए जाने पर पर्यावरण कानूनों के तहत क्रिमिनल केस (आपराधिक मामला) चलाया जाएगा, जबकि तीसरे स्तर पर भी उल्लंघन पाए जाने पर उन अधिकारियों के खिलाफ भी मुकदमा चलेगा, जो अपनी निगरानी की ड्यूटी निभाने में विफल पाए जाते हैं। शीर्ष कोर्ट ने मामले में कलेक्टर और जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी तय कर दी है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनवाई नगर निगम की उस याचिका को लेकर की है, जिसमें नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सेंट्रल जोन बैंच द्वारा आदमपुर डंपिंग साइट पर बार बार लगने वाली आग को लेकर नगर निगम पर 1.80 करोड़ का जुर्माना किया गया था। एनजीटी की सेंट्रल जोन बैंच में यह याचिका शहर के पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी पांडेय द्वारा लगाई गई थी। जुर्माने के खिलाफ नगर निगम ने शीर्ष कोर्ट का रुख किया था। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की बैंच ने मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट पर कुछ हद तक संतोष जताते हुए कहा कि भोपाल और इंदौर जैसे शहरों ने कचरा संग्रहण में सुधार किया है, लेकिन कचरा प्रोसेसिंग में अभी भी बड़ी बाधा है। जो नियम भोपाल पर लागू हैं, वे अब पूरे देश की नगर पालिकाओं और पंचायतों पर समान रूप से लागू होंगे। मामले में अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी। जिसमें अधिकारियों को शपथ लेकर बताना होगा कि वे 1 अप्रैल से लागू हो रहे सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट-2026 के लिए कितना तैयार हैं?

तय की गई जिम्मेदारी

- शीर्ष कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कचरा प्रबंधन को जन-आंदोलन बनाने के लिए महापौर, नगर निगम अध्यक्ष और वार्ड पार्षद की जिम्मेदारी तय की है। कोर्ट ने कहा कि जनता ने इन्हें लीड फैसिलिटेटर के रूप में चुना है। इनका कर्तव्य है कि अपने शहर और वार्ड के हर नागरिक को नए नियमों के प्रति जागरूक करें और नए नियमों को बारीकी से लागू करवाएं।
- सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि वे जिला कलेक्टरों के माध्यम से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के बुनियादी ढांचे का ऑडिट कराएं। नगरीय निकायों को अब अपनी कंप्लायंस रिपोर्ट के साथ फोटोग्राफिक सबूत भी ईमेल करने होंगे, ताकि कचरा हटाने की जमीनी सच्चाई को वेरिफाई किया जा सके।

केंद्र और राज्य को यह काम भी करने होंगे

- शिक्षा मंत्रालय को कचरा प्रबंधन को स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की समय सीमा तय करनी होगी।
- नियमों का स्थानीय भाषाओं में अनुवाद कर घर-घर नोटिस और सोशल मीडिया के जरिए जानकारी देनी होगी।
- राज्य स्तर पर मुख्य सचिव और जिला स्तर पर मजिस्ट्रेट हर तिमाही में कार्य की प्रगति की समीक्षा करेंगे।
- भोपाल नगर निगम को आदमपुर छावनी डंपसाइट के टेंडर फाइनल करने के लिए दो हफ्ते का अतिरिक्त समय दिया गया है।

बल्क वेस्ट जेनरेटर के लिए लेना होगा सर्टिफिकेट

एसडब्ल्यूएम 2026 के नियम डिजिटल-फर्स्ट एप्रोच पर आधारित हैं। इसमें बल्क वेस्ट जेनरेटर के लिए सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा, जिससे कचरा प्रबंधन का आर्थिक बोझ स्थानीय निकायों से हटकर कचरा पैदा करने वाले बड़े संस्थानों पर आ जाएगा। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और स्पेशल केयर) को अलग-अलग करने के लिए बुनियादी सुविधाएं जल्द चालू करने का निर्देश दिया गया है। अस्पताल, होटल, स्कूल और बड़ी सोसायटियों जैसे बल्क वेस्ट जेनरेटर के लिए अब नियम और सख्त होंगे। उन्हें एक सेंट्रलाइज्ड पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। यदि वे अपने परिसर में गीले कचरे की प्रोसेसिंग नहीं करते, तो उन्हें एसडब्ल्यूएम सर्टिफिकेट लेना होगा। 31 मार्च 2026 तक सभी बल्क जेनरेटर्स को अपनी व्यवस्था दुरुस्त करने की अंतिम चेतावनी दी गई है।

कैग का खुलासा: अफसरों ने चहेतों को बांट दिए कड़कनाथ

सदन में कैग रिपोर्ट पेश, कई विभागों की बताई गड़बड़ियां

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में पोल्टी पालन परियोजना में जमकर फर्जीवाड़ा किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने ऐसे 408 लोगों को कड़कनाथ परियोजना का लाभ दिला दिया,जो पात्रत्रा के मापदण्ड के पूरा नहीं करते थे। जिससे एक करोड़ की योजना का लाभ न तो वास्तविक हितग्राहियों को मिल सका और न हीं चिन्हित क्षेत्रों में रहने वाले पात्र की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई।

इस बात का खुलासा शुक्रवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में पेश कैग की रिपोर्ट में किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत सरकार ने वर्ष 2029-20 में कड़कनाथ परियोजना के लिए मध्यप्रदेश को 1 करोड़ की राशि स्वीकृत की थी। इसके लिए राज्य के चार जिले शिवपुरी,श्योपुर,छिंदवाड़ा के 1,770 हितग्राहियों को चिन्हित कर उन्हें परियोजना के तहत लाभ पहुंचाना था,जिससे उनकी वार्षिक आय 12 हजार से दोगुनी यानि कि 24 हजार तक बढ़ाई जा सके। भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए जो मापदण्ड तय किए थे,उसमें परियोजना का लाभ गरीबी रेखा से नीचे एवं पी.वी.टी.जी वर्ग में आने वाले अनुसूचित जनजाती वर्ग के समुदायों को देना था। इन सभी पात्रों को लाभ देने से पहले संबंधित ग्राम सभाओं से उनका अनुमोदन कराना अनिवार्य था। इसके लिए चिन्हित पात्रों को छह माह के अंतराल पर दो बैचों में 24 कड़कनाथ चूजे,15 दिनों के आहार सहित उपलब्ध कराए जाने थे,जिसमें प्रत्येक लाभ पैकेज की लागत 2 हजार रुपए आंकी गई थी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस संबंध में जब लेखापरीक्षा में पाया गया कि श्योपुर और शिवपूरी जिलों 100 हितग्राहियों के प्रकरण में पहले चरण में ही 40 चूजों का वितरण ही किया गया। इतना ही नहीं लेखापरीक्षा को एवं शिवपुरी जिले में 400 हितग्राहियों के प्रकरण में अभिलेख नहीं प्रस्तुत नहीं किए गए इसी तरह छिंदवाड़ा में पी.वी.टी.जी. के लिए निर्दिष्ट भौगौलिक क्षेत्रों से बाहर रहने वाले 408 व्यक्तियों को लाभ दिया गया।

स्कूल एवं पंचायत विभाग में भी फर्जीवाड़ा

रिपोर्ट में यह भी कहा है कि कई सरकारी विभागों द्वारा पंचायतों और निकायों के बजट पर अपना नियंत्रण रखा है,जिससे निकाय और पंचायतों का समग्र विकास नहीं हो पा रही है। बड़ा फर्जीवाड़ा स्कूल शिक्षा विभाग का बताया है, जहां कैग की रिपोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग के फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए कहा है कि विभाग कई वर्षो से यह दावा कर रहा है कि उसके द्वारा राज्य के स्कूल भवन, भूमि और स्टाफ का पूरी तरह से निकायों को हस्तांतरित कर दिया है, लेकिन हकीकत तो यह है कि न तो जमीनें ही हस्तांतरित की गई है और न ही कर्मचारियों का नियंत्रण निकायों को दिया गया। रिपोर्ट में कहा कि इस तरह कृत्य पूरी तरह से संविधान के 73वें संशोधन का उल्लंघन करने जैसा है। इस संशोधन में पंचायतों और निकायों को स्वशासी सरकार बनाने की बात कही गई है। राज्य में 1995 से लेकर 2018 तक स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बिना किसी अधिसूचना और पालन प्रतिवेदन के ही हस्तांतरण होने की बात करता रहा है।

इंदौर एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए 200 नई सीटें लगेंगी

मुख्य टर्मिनल पर दबाव होगा कम, बढ़ेंगी यात्री सुविधाएं

जागरण, इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए टर्मिनल भवन में 200 अतिरिक्त सीटें लगाने का फैसला लिया गया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि यह व्यवस्था अप्रैल 2026 तक लागू कर दी जाएगी। पीक ऑवर्स में यात्रियों को बैठने में हो रही परेशानी को देखते हुए यह कदम उठाया है। प्रबंधन के अनुसार नई सीटिंग व्यवस्था से यात्रियों को फ्लाइट के इंतजार के दौरान बेहतर सुविधा मिलेगी और वेटिंग एरिया अधिक व्यवस्थित होगा।

एयरपोर्ट के पुराने टर्मिनल का रिनोवेशन 41 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। यह काम 6,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में हो रहा है और अंतिम चरण में है। इसके पूरा होने से यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी और टर्मिनल की उपयोग क्षमता बढ़ेगी। टर्मिनल-2 शुरू होने के बाद रोजाना संचालित होने वाले 72 सीटर एटीआर विमानों को यहां से संचालित किया जाएगा। वर्तमान में इंदौर एयरपोर्ट से रोजाना करीब 100 उड़ानों का संचालन हो रहा है, जिनमें 36 एटीआर विमान शामिल हैं। इससे मुख्य टर्मिनल पर दबाव कम होगा।

नए परिसर में चेकइन काउंटर और बोर्डिंग गेट

टर्मिनल-2 में यात्रियों के लिए 14 चेकइन काउंटर, 3 बोर्डिंग गेट, 3 लाउंज और 2 कन्वेयर बेल्ट की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही फूड जोन और पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार अभी एयरपोर्ट से हर साल करीब 40 लाख यात्री यात्रा करते हैं। टर्मिनल-2 शुरू होने के बाद क्षमता बढ़कर 50 लाख यात्री प्रतिवर्ष हो जाएगी। इससे यात्रियों को टर्मिनल में होने वाली भीड़ से राहत मिलेगी।

नए टर्मिनल निर्माण की प्रक्रिया जारी

एयरपोर्ट पर 492 करोड़ रुपए की लागत से नया टर्मिनल बनाने की योजना है। इसका क्षेत्रफल करीब 82,000 वर्ग मीटर होगा। इसके निर्माण के बाद एयरपोर्ट की क्षमता बढ़कर एक करोड़ यात्री प्रतिवर्ष हो जाएगी।

फर्जी मार्कशीट से नौकरी पाने वाले आरक्षक को जेल

जागरण, सागर। जिले के बहेरिया थाना क्षेत्र में फर्जी अंकसूची लगाकर पुलिस आरक्षक की नौकरी हासिल करने के मामले में अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई पंचम अपर सत्र न्यायाधीश सुधांशु सक्सेना की कोर्ट में हुई।

न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी आशीष सूर्यवंशी को 5 वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं, मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया। अभियोजन के अनुसार, आरोपी आशीष सूर्यवंशी का वर्ष 2016 में पुलिस विभाग में आरक्षक पद पर चयन हुआ था। चयन के बाद उसकी पहली पोस्टिंग पचमढ़ी में की गई थी। इस पोस्टिंग को लेकर वह हाईकोर्ट भी गया था। बाद में विभाग ने उसकी पोस्टिंग संशोधित कर इंदौर कर दी। इंदौर तबादले के बाद आशीष के शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान सामने आया कि कक्षा 10वीं की जो अंकसूची उसने नौकरी के लिए प्रस्तुत की थी, वह फर्जी थी। फर्जीवाड़े की पुष्टि होते ही पुलिस विभाग ने बहेरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की और संबंधित साक्ष्य एकत्र किए। जांच पूरी होने के बाद चालान न्यायालय में पेश किया गया।

मप्र में 27 लाख संदिग्ध नंबर किए बंद साइबर अपराधों से लिंक होने का संदेह

दूरसंचार विभाग ने किया 46 लाख मोबाइल नंबरों का री-वेरिफिकेशन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दूरसंचार विभाग के मप्र सर्किल ने प्रदेश में जारी किए गए 27 लाख मोबाइल नंबर बंद कर दिए हैं। इन मोबाइल नंबरों के जरिए साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, व्हाट्सएप स्पैम कॉल, साइबर फिशिंग जैसे साइबर अपराधों को अंजाम दिए जाने का संदेह था। दूरसंचार विभाग की मप्र में यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। यह एक्शन दूरसंचार विभाग भोपाल के अनुपालन विभाग ने एआई पर आधारित मॉडल, दूरसंचार डेटा एनालिसिस और संचार साथी पोर्टल पर नागरिकों द्वारा रिपोर्ट की गई जानकारी के आधार पर लिया है। इसमें सभी मोबाइल कंपनियों के नंबर शामिल हैं।

46 लाख सिमों की जांच, 27 लाख निकलीं फर्जी: जांच के दौरान पाया गया कि कई सिम फर्जी पहचान एवं पते पर ली गई थीं। गलत दस्तावेजों पर जारी किए गए इन सभी मोबाइल कनेक्शनों को फिलहाल बंद किया गया है। दूरसंचार विभाग के नियम के मुताबिक एक पहचान पत्र पर 9 से अधिक सिम जारी नहीं की जा सकतीं, लेकिन साइबर फ्रॉड करने वालों ने एक पहचान पत्र पर 9 से ज्यादा सिम ले रखी थीं, ऐसे में इन नंबरों पर भी कार्रवाई की गई। दूरसंचार विभाग ने संदिग्ध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए साइबर अपराधों और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े सिम कार्डों को भी चिन्हित किया था। दूरसंचार विभाग को लगभग 46 लाख संदिग्ध नंबरों की जानकारी मिली थी, जब इन संदिग्ध नंबरों का री-वेरिफिकेशन कराया गया, तो इनमें से 27 लाख नंबर नियम विरुद्ध मिले। इन सभी को डिस्कनेक्ट कर दिया गया है।

डीओटी की एडवाइजरी, चक्षु टूल से दें संदिग्ध नंबर की जानकारी: डीओटी ने एमपी सर्किल के सभी मोबाइल उपभोक्ताओं को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वे अपने मोबाइल में संचार साथी पोर्टल का उपयोग अवश्य करें। किसी भी तरह की संदिग्ध या फ्रॉड से जुड़ी कॉल आने पर इस नंबर की जानकारी पोर्टल के चक्षु टूल में जाकर दें। संचार साथी पोर्टल पर स्थित चक्षु नाम का फीचर संदिग्ध कॉल की पहचान के लिए ही जोड़ा गया है। इस फीचर के जरिए तत्काल जानकारी डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम को मिल जाती है। इस पर मोबाइल उपभोक्ता संदिग्ध फ्रॉड कॉल के साथ एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज और साइबर क्राइम से जुड़े संदिग्ध लिंक्स की भी रिपोर्ट आसानी से कर सकते हैं, जिस पर दूरसंचार विभाग तत्काल एक्शन लेता है।

"विभाग ने आम मोबाइल उपभोक्ताओं की सर्वोच्च सुरक्षा के लिए मप्र सर्किल में संदिग्ध 27 लाख नं. डिस्कनेक्ट किए हैं। कुल 46 लाख नंबरों का री-वेरिफिकेशन कर यह कार्रवाई की गई है।

जय वाधवानी
निदेशक (अनुपालन)
दूरसंचार सर्किल मप्र

मंदिर में तोड़फोड़ के बाद सीहोरा में भड़की हिंसा, 25 गिरफ्तार

दोनों पक्षों की ओर से पथराव, सैकड़ों वाहन क्षतिग्रस्त, इलाके में तनाव

जागरण, जबलपुर। प्रदेश में जबलपुर के सीहोरा में देर रात मंदिर में तोड़फोड़ को लेकर दो पक्षों में शुरू हुआ विवाद हिंसक हो गया। इस दौरान दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या में घटना स्थल पर पहुंच गए। देखते ही देखते माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि दोनों तरफ से पथराव होने लगे। पथराव के दौरान वहां खड़े दर्जनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाइश दी। लेकिन भीड़ पर इसका कोई असर नहीं दिखा। हालात काबू करने शहर के आसपास के पुलिस थानों के का बल बुलाया गया। संयुक्त कार्रवाई के बाद पुलिस ने भीड़ को खदेड़कर हिंसा पर काबू पाया। शुक्रवार दोपहर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने सिहोरा थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने मंदिर के सामने मस्जिद तोड़ने और नमाज पर रोक लगाने की मांग की। कई लोगों ने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। बस स्टैंड क्षेत्र में कुछ ठेले भी पलटे गए। इसी दौरान नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग पुराने बस स्टैंड के पास एकत्रित हुए। संवेदनशील स्थान पर जहां विवाद हुआ था अब शांति है और सन्नाटा पसरा हुआ। संवेदनशील स्थान पर कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठान लोगों ने स्वयं बंद रखे। शहर के बाकी बाजार और क्षेत्र में स्थिति सामान्य है।

फिलहाल शांति है, प्रशासन अलर्ट है: एसपी

एसपी संपत उपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। संदिग्धों की पहचान की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने इलाके में फ्लैग मार्च किया। पुलिस बल तैनात है। फिलहाल क्षेत्र में शांति है और प्रशासन सतर्क है।

अजान और आरती एक साथ की तो मचा बवाल

देर रात विवाद की शुरुआत दो धार्मिक स्थलों पर एक साथ आयोजित कार्यक्रमों के दौरान तेज साउंड को लेकर हुई थी। आरोप-प्रत्यारोप के बीच स्थिति बिगड़ गई और उग्र भीड़ ने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान यहां आसपास खड़े दर्जनों क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं कई लोगों को चोटें भी आई हैं। भीड़ नहीं संभली तो सिहोरा, खितौला, गोसलपुर, पनागर सहित 12 से अधिक थानों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा। संयुक्त कार्रवाई के बाद उग्र भीड़ पर काबू पाया गया। इस दौरान डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय मौके पर मौजूद थे। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई। इलाके में रात भर गश्त चलती रही।

आरती के दौरान घुस आई भीड़

पुलिस ने हिंसा के इस मामले में अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। विवाद में शामिल अन्य आरोपियों की भी पहचान की जा रही है। क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देख भारी पुलिस बल तैनात है। दोनों पक्षों के जिम्मेदार लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। दुर्गा मंदिर समिति के सदस्य अंकेश गुप्ता के मुताबिक, रात को सब कुछ सामान्य था। मंदिर में नियमित रूप से पूजा आरती की जा रही थी। इसी दौरान मस्जिद का गेट खुला। मस्जिद से 50-70 युवकों की भीड़ बाहर आई। उन्होंने मंदिर के सामने खड़े होकर विवाद शुरू किया और गाली-गलौज भी की। इस दौरान पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन रामजी गुप्ता के साथ भीड़ ने मारपीट की। विरोध करने पर 10 से 15 लोगों ने मंदिर में घुसने की कोशिश की, जिन्हें रोका गया। उन्होंने आरोप लगाया कि शाकिर नाम का व्यक्ति अपने साथियों के साथ मौके पर मौजूद था। उसने उन्हें मंदिर के अंदर से घसीटकर बाहर निकाल दिया, जिससे वे गिर गए। इसके बाद 15 से 20 लोगों ने मारपीट की। उनके साथियों ने बीच-बचाव कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। बहोरीबंद विधायक के भाई प्रांजल पांडे को भी पत्थर लगा है।

निकायों में सस्ती बिजली का आदर्श बनेगा बीएमसी का करार

35 सालों तक मिलेगी सस्ती बिजली: विश्नोई

जागरण, भोपाल। भोपाल नगर निगम द्वारा एक निजी बिजली कंपनी के साथ किया गया समझौता प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों के लिए आदर्श बनेगा। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यदि नगर निगम और नगर पालिकाएं इस तरह के समझौते करना चाहती हैं तो राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने भोपाल नगर निगम द्वारा किए गए इस समझौते का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि भोपाल नगर निगम ने 10 मेगावाट क्षमता की बिजली के लिए एक निजी कंपनी से समझौता किया है। इस समझौते के तहत नगर निगम को लगभग 35 सालों तक 3 से 3.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यवस्था सभी नगर निगमों के लिए उपयोगी हो सकती है, लेकिन छोटी नगर पालिकाएं और नगर परिषदें अलग-अलग यह प्रक्रिया नहीं कर पाएंगी। उन्होंने सुझाव दिया कि इन सभी नगर निकायों के लिए संयुक्त रूप से बजट बनाकर एक टेंडर जारी किया जाए, जिससे उन्हें भी सस्ती बिजली उपलब्ध हो सके। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि भविष्य में बिजली की मांग बढ़ती जाएगी और सरकार इस दिशा में काम कर रही है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।